



नीलू प्रिंटिंग प्रेस

हर प्रकार की वेब ऑफसेट एका रंगीन वा बहुरंगीन प्रिंटिंग के लिए बेस्ट में एक मात्र स्थान

ई 11, सेक्टर 7 नोएडा (गुपी)

फोन नं. : 9811157562

आवश्यकता है

1- न्यूज एडीटर
2- एकाउन्टेन्ट
3- मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव (फार एडवर्टाइजमेंट)
4- चपरासी

सम्पर्क करें- 9811157562

समय: 3:00 से 5:00 PM



गृह मंत्रालय
भारत सरकार

सबसे श्रेष्ठ ये देश जो है स्वदेश

CBC 19/01/23/0021/2621

आंतरिक सुरक्षा बलों का सम्मान

राष्ट्रीय एकता दिवस
31 अक्टूबर, 2026
एकता नगर, गुजरात

भारत पर्व
1 से 15 नवंबर, 2026
एकता नगर, गुजरात

जानकारी और ठहरने की बुकिंग के लिए स्कैन करें या विज़िट करें rashtriyaektadiwas.com



श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री



संक्षिप्त

समाचार

सीईसी के इस्तीफे तक नहीं रुकेगा विपक्ष

- दिल्ली में राहुल गांधी का दावा की जन सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मंगलवार को दिल्ली के त्रिलोकपुरी स्थित ब्लॉक 20 में वोट अधिकार जीने का अधिकार जन सुनवाई में शामिल हुए। इस दौरान राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर हमला तेज करते हुए आरोप लगाया कि देश में ऊपर के स्तर से वोट चोरी की जा रही है और गरीबों के नाम जानबूझकर



मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि इस मुद्दे पर पूरा विपक्ष एकजुट है और जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें पद से नहीं हटाते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। राहुल गांधी ने कहा, इस मुद्दे पर पूरा विपक्ष एकजुट है। वोट भारत के हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। इसके बावजूद देशभर में करोड़ों लोगों से उनका यह अधिकार यानी वोट व्यवस्थित तरीके से छीना जा रहा है।

अरुणाचल पर कब्जे के फर्जी वीडियो पर भड़की बीजेपी

- किरन रिजिजू ने कांग्रेस को घेरा, कहा-देश से माफ़ी मांगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर भारत-चीन सीमा को लेकर एक वीडियो सामने आया, जिसमें दावा किया गया कि चीनी वाहन भारतीय क्षेत्र में घुस आए हैं। एक दूसरे वीडियो में सेना के वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से कहा गया कि चीन ने अरुणाचल प्रदेश के कुछ इलाकों पर



अंतरिम राष्ट्रीय अध्यक्ष
Indian National Congress

कब्जा कर लिया है और भारतीय सैनिकों को ज़रूरी सामान तक नहीं मिल रहा। इन दावों ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए, लेकिन भारतीय सेना की जांच में दोनों वीडियो भ्रामक पाए गए। इसके बाद केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और देश से माफ़ी मांगने की बात कही है। विवाद तब बढ़ा, जब कांग्रेस प्रवक्ता ऋतु चौधरी के सोशल मीडिया पोस्ट में ये वीडियो साझा किए गए।

सेना ने पहले वीडियो का सच बताया

भारतीय सेना के मुताबिक, पहले वीडियो में सिविकम के नाथूला दर्रे पर चीनी कंपनी के व्यावसायिक वाहन दिखाई दे रहे थे। यह भारत-चीन के बीच व्यापार का अधिकृत रास्ता है। सेना ने कहा कि सामान्य कारोबारी गतिविधि को चीनी सैन्य घुसपैठ बताकर पेश किया गया।



एसआईआर पर अब दीवाली बाद होगी ‘सुप्रीम’ सुनवाई

- ईसी के हलफनामे पर जवाब देने के लिए याचिकाकर्ताओं 10 दिन का समय

नई दिल्ली (एजेंसी)। वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन और चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर राहुल गांधी समेत विपक्षी दलों के नेताओं की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। चुनाव आयोग ने अपने 248 पेज के हलफनामे में आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि एसआईआर से जुड़े सभी फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए थे। कोर्ट ने मुख्य मामले में याचिकाकर्ता राकेश कुमार सिंह को आयोग के जवाब पर हलफनामा दाखिल करने के लिए 10 दिन का समय दिया। इसके अलावा, सांसद डोला सेन की याचिका पर चुनाव आयोग की अतिरिक्त हलफनामा

चुनाव आयोगमें अंदरूनी मतभेद पर उठाए गए सवाल

याचिकाओं में उन खबरों का हवाला दिया गया है, जिनमें दावा किया गया कि निर्वाचन आयोग के नाम पर करीब 14 फैसले लिए गए, जबकि अन्य दो चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संघु और विवेक जोशी ने इन पर आपत्ति दर्ज की थी। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, अक्टूबर 2025 से अगस्त 2026 के बीच दोनों चुनाव आयुक्तों ने एसआईआर से जुड़े विभिन्न कदमों पर कम से कम 14 बार आपत्ति जताई थी। राकेश कुमार सिंह की ओर से दायर एक याचिका में कहा गया है कि बहुसदस्यीय निकाय होने के कारण निर्वाचन आयोग के फैसले एकतरफा नहीं लिए जाने चाहिए।

चुनाव आयोगने आरोपों कोकिया खारिज

निर्वाचन आयोग ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में जवाबी हलफनामा दाखिल कर इन आरोपों को खारिज किया। आयोग ने कहा कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए गए थे। आयोग ने इस दावे को गलत बताया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने अन्य दो आयुक्तों की आपत्तियों के बावजूद एकतरफा निर्णय लिए। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची में नाम शामिल किए जाने के बाद दाखिल अपीलों के संबंध में आयोग ने कहा कि राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अधिकारियों की ओर से 16.10 लाख अपीलें दाखिल की गईं। आयोग ने इन अपीलों को दाखिल करने के अपने फैसले के समर्थन में सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का हवाला भी दिया है।

राष्ट्रपति पुलिस ध्वज से सम्मानित होगी चंडीगढ़ पुलिस

- बड़ी उपलब्धि, 1 नवंबर को अमित शाह सौपेंगे सम्मान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। सिटी ब्यूटीफुल की चंडीगढ़ पुलिस के लिए बड़ी उपलब्धि सामने आई है। पुलिस बल को प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पुलिस ध्वज से सम्मानित करने के प्रस्ताव को राष्ट्रपति ने मंजूरी दे दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 26 अक्टूबर को इसकी जानकारी दी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 1 नवंबर को चंडीगढ़ पुलिस को यह सम्मान प्रदान करेंगे। बता दें कि राष्ट्रपति पुलिस ध्वज पुलिस संगठनों को दिए जाने वाले सर्वोच्च सम्मानों में से एक है। यह सम्मान कानून-व्यवस्था बनाए रखने, पुलिस के आधुनिकीकरण, आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई और नागरिकों को बेहतर सेवाएं देने में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है।



चंडीगढ़ पुलिस को मिल चुके हैं कई पदक

1 नवंबर 1966 को पुनर्गठित चंडीगढ़ पुलिस का आदर्श वाक्य वी कैयर फॉर यू है। अपने कार्यकाल के दौरान पुलिस बल को विभिन्न श्रेणियों में सम्मान और पदक प्राप्त हुए हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, चंडीगढ़ पुलिस को एक वीरता पदक, विशिष्ट सेवा के लिए 20 राष्ट्रपति पुलिस पदक, सराहनीय सेवा के लिए 108 पदक और संयुक्त राष्ट्र के 52 पदक मिल चुके हैं।

60 हजार से ज्यादा कार्यक्रमों में संभाली कानून-व्यवस्था

रिकॉर्ड के मुताबिक, वर्ष 2009 से अब तक चंडीगढ़ पुलिस ने कानून-व्यवस्था से जुड़े 60,501 कार्यक्रमों और आयोजनों को संभाला है। इनमें वर्ष 2025 के 2,582 कार्यक्रम भी शामिल हैं। पुलिस के रिकॉर्ड के अनुसार, इन आयोजनों के दौरान कोई अग्रिय घटना नहीं हुई। इन कार्यक्रमों में रोज फेस्टिवल, नेशनल क्राफ्ट मेला और विभिन्न रैलियों जैसे बड़े सार्वजनिक आयोजन शामिल रहे हैं। ऐसे आयोजनों के दौरान भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्रमुख जिम्मेदारियों में शामिल रहा है।

मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल में भूकंप आपदा पर हुई मॉकड्रिल डॉ एमपी सिंह

भेदी नजर ,मोहरपाल सिंह ; डीजी होमगार्ड एवं सिविल डिफेंस के आदेश अनुसार उपयुक्त फरीदाबाद के दिशा निर्देशानुसार नोडल अधिकारी तहसीलदार फरीदाबाद सुमेर सिंह के नेतृत्व में सेक्टर 14 स्थित मानव रचना इंटरनेशनल स्कूल में भूकंप आपदा पर मॉकड्रिल का आयोजन किया गया जिसमें संधीप मोर एसपीपी सराय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे इस कार्यक्रम में 1700 विद्यार्थियों और 50 अध्यापकों के अलावा एसडीआरएफ होमगार्ड सिविल डिफेंस फायर ब्रिगेड रेडक्रॉस एवं सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों ने भाग लिया इस कार्यक्रम में 31 घायल विद्यार्थियों को 2 हैंड शीट 3 हैंड शीट चार हाथ शीट फायरमैन लिफ्ट पिक ए बैक रिवर्स पिक ए बैग फोर आर्म लेफ्ट स्ट्रेचर ब्लैकट लिफ्ट व्हीलचेयर आदि के द्वारा निकाला गया फायर अफसर ने पानी के द्वारा आज पर काबू पाया कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर एवं सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन डॉ एमपी सिंह ने मंच का संचालन करते हुए भूकंप के दौरान क्या करना चाहिए क्या नहीं करना चाहिए के बारे में विस्तार पूर्वक बताया और जितेंद्र काली रमन के नेतृत्व में दो घायलों को बहुमंजिला इमारत से रस्सी के द्वारा उतारा गया रेड क्रॉस के द्वारा फर्स्ट एड पोस्ट लगाई गई अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्य प्रदीप शर्मा ने आए हुए सभी व्यक्तियों का धन्यवाद किया मॉक ड्रिल सुबह 10:30 बजे शुरू होकर 1:00 समाप्त हुई किसी की हताहत होने की कोई सूचना नहीं है यह सिर्फ सभी विभागों की तैयारी का आकलन करने के लिए तथा जागरूकता के लिए की गई थी ।



बंगाल में रेप-मर्डर के आरोपी की मुठभेड़ में मौत

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना जिले के गायघाटा में 17 साल की छात्रा से रेप और हत्या के आरोपी 23 साल के युवक की पुलिस एनकाउंटर में मौत हो गई। सोमवार रात क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान आरोपी ने पुलिसकर्मी की सर्विस रिवॉल्वर छीनकर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसे गोली लगी। पश्चिम बंगाल में 1 मई से 24 सितंबर तक रेप के 2,454 मामले दर्ज हुए। यानी इन पांच महीनों में हर दिन औसतन करीब 17 रेप के मामले सामने आए। क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान पुलिस की रिवॉल्वर छीनकर फायरिंग करने वाले आरोपी की मौत की यह तीन महीने में दूसरी घटना है। पुलिस के मुताबिक, गोली लगने के बाद आरोपी को चांदपाड़ा ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

विशाखापट्टनम से जल्द टकराने वाला है चक्रवाती तूफान ‘अर्नब’

ओडिशा-आंध्र में स्कूल बंद, बंगाल में भी बारिश का अलर्ट

भुवनेश्वर (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में उठे भीषण चक्रवाती तूफान ‘अर्नब’ के पूर्वी तट की ओर बढ़ने के साथ ओडिशा के कुछ हिस्सों में मंगलवार को तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। मौसम विभाग ने तूफान के 28 अक्टूबर की सुबह आंध्र प्रदेश के तट पर बापटला और



विशाखापत्तनम के बीच यानम के पास पहुंचने का अनुमान जताया है। आईएमडी के अनुसार, तूफान मंगलवार सुबह बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य हिस्से में विशाखापत्तनम से लगभग

260 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में केंद्रित था। इसके मंगलवार शाम तक पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने और उसके बाद उत्तर-पश्चिम की ओर मुड़ने की संभावना है। तूफान के तट से टकराने के दौरान 115 से 125 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और पवन के झोंकों की गति 140 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। ओडिशा में आईएमडी ने पुरी, गजपति, गंजाम, रायगढ़, कोरापुट और मलकानगिरि जिलों के लिए भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इन जिलों में 12 से 20 सेंटीमीटर तक बारिश हो सकती है।

यूपी में गरीबों को 100 चूजे मुफ्त में देगी सरकार

टीचिंग स्टाफ को 5 लाख का फ्री इलाज,लिए 22 फैसले लखनऊ (एजेंसी)। योगी कैबिनेट ने फैसला किया है कि गाय खरीदने पर 50 प्रतिशत तक सब्सिडी राज्य सरकार देगी। यह केवल दो गाय खरीदने पर मिलेगी। इसके अलावा गरीब परिवारों को मुर्गी पालन के लिए 100-100 चूजे मुफ्त बांटे जाएंगे। सीएम योगी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट मीटिंग में 22 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

DEV MEDICARE CHEMIST

Your Trusted Medical Store
SECTOR 7, FARIDABAD

Allopaathic & Ayurvedic Medicine

BP & sugar Mechines, Thermometers, Oximeters
Surgical Items, Baby Products, Health Supplements
Wide Range of Cosmetics

ORDER NOW - 9650518651 (Call/Whatsapp)
Hours: 8 AM to 10 PM

100% Genuine Medicines
Experienced Staff

DISCOUNT ON VARIOUS MEDICINES

पंजाब अपने हिस्से का पानी एक बूंद भी नहीं देगा; विधान सभा द्वारा प्रस्ताव पारित: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज राज्य के दरियाई जल मामले पर स्पष्ट रख अपनाते हुए घोषणा की कि पंजाब के हिस्से का पानी एक बूंद भी किसी अन्य राज्य को नहीं दिया जाएगा। इस संबंध में विधान सभा द्वारा प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें राज्य के अधिकारों को रेखांकित किया गया। अदालतों से लेकर सड़कों तक लड़ाई लड़ने का संकल्प लेते हुए उन्होंने सवाल किया कि राजस्थान बिना कोई भुगतान किए पंजाब के पानी का उपयोग कैसे कर रहा है। उन्होंने बताया कि राजस्थान की ओर रॉयल्टी के रूप में 1.43 लाख करोड़ रुपये बकाया हैं। उन्होंने कहा कि रावी और ब्यास नदियों के पानी में राजस्थान और हरियाणा का कोई हिस्सा नहीं बनता।

मुख्यमंत्री ने बताया कि उनकी सरकार राज्य के सिंचाई ढांचे को मजबूत कर रही है। पिछले चार सालों में नहरी पानी की पहुंच को खेतों के 22 प्रतिशत से बढ़ाकर 80 प्रतिशत तक किया गया है और 14,000 किलोमीटर लंबी पाइपलाइनें बिछाई गई हैं।

पंजाब विधान सभा सत्र के अंतिम दिन नदी जल और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रस्तावों पर

भारतीय साहित्य, संस्कृति और मानवीय चेतना के महान प्रतीक हैं महर्षि वाल्मीकि: प्रो. असीम कुमार घोष

चंडीगढ़, । हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि भारतीय साहित्य, संस्कृति और मानवीय चेतना के महान प्रतीक हैं। उन्हें आदि कवि और उनकी अमर रचना रामायण को आदिकाव्य के रूप में सम्मान प्राप्त है। रामायण केवल एक महाकाव्य नहीं, बल्कि जीवन-मूल्यों, कर्तव्यबोध, त्याग, मर्यादा की अनुपम कृति है। महर्षि वाल्मीकि की रामायण हमें सिखाती है कि जीवन में कर्तव्य, सत्य, त्याग और मर्यादा का विशेष महत्व है। भगवान श्रीराम का कर्तव्य बोध, भरत का त्याग, लक्ष्मण की निष्ठा, सीता का धैर्य और हनुमान का सेवा भाव हमें अपने जीवन में उच्च आदर्श अपनाने की प्रेरणा देते हैं।

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष

***सर्व समाज के सहयोग से ही प्रदेश और देश का उत्थान संभव = कृष्ण कुमार बेदी:** हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि कोई भी समाज अकेले तरक्की नहीं कर सकता। सर्व समाज मिलकर ही किसी वर्ग, समाज और पूरे प्रदेश का उत्थान आसानी से कर सकते हैं। भगवान वाल्मीकि जी ने भी अपने अनुयायियों को यही संदेश दिया है कि समाज में प्रेम, भाईचारा और समानता से ही राष्ट्र मजबूत बनता है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र की धरती का महाभारत काल से ही भगवान वाल्मीकि के नाम से संबंध रहा है। यहां वाल्मीकि आश्रम वर्षों से स्थापित है और वर्ष 1958 से इस आश्रम में छात्रावास



चर्चा में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब अब अपने कीमती जल संसाधनों के वितरण में हो रही अन्यायपूर्णता को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा, “पानी राज्य का विषय है और हेडवर्कर्स का नियंत्रण राज्यों के पास होता है। पंजाब अपने पानी की रक्षा के लिए पूरी ताकत से आवाज उठाएगा और राज्य के हितों का नुकसान नहीं होने देगा।”

रावी-ब्यास के पानी पर हरियाणा के दावे पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, “हरियाणा

भारतीय साहित्य, संस्कृति और मानवीय चेतना के महान प्रतीक हैं महर्षि वाल्मीकि: प्रो. असीम कुमार घोष

सोमवार को भगवान वाल्मीकि जी के प्रकट दिवस के अवसर पर महर्षि वाल्मीकि आश्रम एवं वाल्मीकि सभा द्वारा थानेसर, कुरुक्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष, कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने दीप प्रज्वलित कर व भगवान वाल्मीकि जी चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इससे पहले हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने भगवान वाल्मीकि छात्रावास में कमरों के निर्माण का शिलान्यास किया और निर्माण कार्य में सहयोग की भावना से दो कमरों के निर्माण के लिए 15 लाख रुपए देने की घोषणा की। इसके साथ ही प्रदेश के सभी नागरिकों को भगवान वाल्मीकि प्रकट दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

संचालित किया जा रहा है। इस छात्रावास ने प्रदेश को कई विधायक, मंत्री, अधिकारी और कर्मचारी दिए हैं। उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश के राज्यपाल प्रोफेसर असीम घोष स्वयं एक शिक्षाविद रहे हैं। उनके इस आश्रम में आने से छात्रावास के विद्यार्थियों को शिक्षा और मार्गदर्शन का और अधिक लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि भगवान वाल्मीकि ने समाज को आदर्श, मर्यादा और ज्ञान का मार्ग दिखाया। आज हमें उनके आदर्शों पर चलते हुए समाज में फैली कुरीतियों और नशे जैसी बुराइयों को दूर करने के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे। सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

महर्षि वाल्मीकि ने रामायण के माध्यम से मानवता को जीवन जीने का मार्ग दिखाया: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, । हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी ने रामायण के माध्यम से संसार को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों से परिचित कराया। उनकी कला केवल एक महाकाव्य नहीं, बल्कि युगों-युगों तक मानवता को जीवन जीने का मार्ग दिखाने वाली है। महर्षि वाल्मीकि जी की शिक्षाएं हमें धैर्य, परिश्रम, अटूट विश्वास, करुणा, शिक्षा और सामाजिक समरसता की प्रेरणा देती हैं। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी रविवार को संत महापुरुष प्रचार-प्रसार योजना के तहत संत कबीर कटौरी में आयोजित महर्षि वाल्मीकि जी की राज्यस्तरीय जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महर्षि वाल्मीकि जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें नमन करते हुए प्रदेशवासियों को प्रकाश पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हिसार में निर्माणाधीन वाल्मीकि छात्रावास के लिए 31 लाख रुपये देने की घोषणा भी की, साथ ही कहा कि शीघ्र ही

छात्रावास के भूमि पूजन के अवसर पर वहां जाएंगे। अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी ऐसे महान संत थे, जिन्होंने अंधकार में ज्ञान का दीप जलाया। कठिन समय में माता सीता को अपने आश्रम में स्थान देने के साथ-साथ उन्होंने उनके बच्चों को उच्च शिक्षा और संस्कार प्रदान किए। शिक्षा और संस्कारों के माध्यम से उनके व्यक्तित्व को एक अलग पहचान मिली।उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी के जीवन से प्रेरणा मिलती है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन हों, व्यक्ति को धैर्य नहीं छोड़ना चाहिए। भगवान श्रीराम के जीवन का उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब उनका राज्याभिषेक होना था, उस समय उन्हें वनवास जाना पड़ा, लेकिन उन्होंने धैर्य बनाए रखा और परिस्थितियों को स्वीकार करते हुए आगे बढ़े। रामायण हमें संदेश देती है कि धैर्य, परिश्रम और अटूट विश्वास से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर फिर से खोला जाना चाहिए; धार्मिक भावना के मामले राजनीति से ऊपर होने चाहिए- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज केंद्र सरकार से श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर को फिर से खोलने और इसे लगातार खुला रखने के साथ-साथ सिख संगत को गुरुद्वारा दरबार साहिब में नतमस्तक होने के लिए निर्बाध सुविधा देने की जोरदार अपील की। इस बात पर जोर देते हुए कि धार्मिक भावनाओं के मामले राजनीति से ऊपर रखे जाने चाहिए, उन्होंने कहा कि संगत की आध्यात्मिक इच्छाओं का सम्मान किया जाना चाहिए और धार्मिक भावना कभी भी संकीर्ण राजनीति का शिकार नहीं होनी चाहिए। पंजाब विधान सभा ने भी कॉरिडोर दोबारा खोलने के लिए केंद्र सरकार से अपील की ताकि संगत बिना किसी रुकावट के दर्शन कर सके। सदन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि धार्मिक भावना के मामले संकीर्ण राजनीतिक विचारों का शिकार नहीं होने चाहिए। उन्होंने कहा, “लोगों की आध्यात्मिक इच्छाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। जहां धार्मिक भावना की बात आती है तो संकीर्ण राजनीति के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। श्री करतारपुर साहिब लांघा दोबारा खोला जाना चाहिए ताकि संगत अपनी आध्यात्मिक इच्छाओं को बिना किसी रुकावट के पूरा कर सके। श्री गुरु नानक देव जी के सरबत दे भले (सबका भला) के संदेश को ध्यान में रखते हुए पंजाब विधान सभा ने शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैस द्वारा पेश किया गया प्रस्ताव पारित किया। इस प्रस्ताव में श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर को फिर से खोलने और इसे लगातार खुला रखने संबंधी केंद्र सरकार से अपील की गई। प्रस्ताव में जोर दिया गया है कि यह कॉरिडोर केवल भारत और पाकिस्तान के बीच कूटनीतिक मार्ग नहीं है, बल्कि लाखों सिख संगतों के लिए धार्मिक स्वतंत्रता और मानवीय साझेदारी से जुड़ा हुआ मामला है।

पंजाब

पंजाब अपने हिस्से का पानी एक बूंद भी नहीं देगा; विधान सभा द्वारा प्रस्ताव पारित: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

द्वारा रावी-ब्यास के पानी पर अपना दावा करना बिल्कुल सही नहीं है, साथ ही यमुना के पानी में पंजाब के बनते जायज हिस्से को नजरअंदाज किया जा रहा है, जबकि यमुना अविभाजित पंजाब का हिस्सा थी। अपनी सरकार के कार्यकाल के दौरान सिंचाई के क्षेत्र में हुए बड़े बदलाव पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि जब साल 2022 में उनकी सरकार ने पदभार संभाला तो पंजाब के पानी के संसाधनों का केवल 22 प्रतिशत उपयोग हो रहा था, जबकि अब यह ऑक्ड़ा बढ़कर लगभग 80 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा, “हमने पंजाब के सिंचाई नेटवर्क का व्यापक सुधार किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नहरी पानी हर खेत तक पहुंचे। राजबहाों की सफाई, 14,000 किलोमीटर पाइपलाइनें बिछाकर और नहरों तथा खालों का नवीनीकरण करके हमने सिंचाई प्रणाली को मजबूत किया है और किसानों तक पानी की पहुंच में बड़ा सुधार लाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने लगभग चार दशकों बाद कड़ी नहर को पुनर्जीवित किया है और पठानकोट, अमृतसर तथा गुरदासपुर में आठ नई नहरें शुरू की हैं। उन्होंने कहा, “इन पहलों से सिंचाई की पहुंच में

गुरुग्राम की सड़कों को धूल-मिट्टी से मुक्त करें, नियमित हो पानी का छिड़काव - राव नरबीर

चंडीगढ़, । हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्यिक मंत्री राव नरबीर सिंह ने नगर निगम गुरुग्राम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर की सभी सड़कों को धूल-मिट्टी से मुक्त बनाया जाए। सड़कों की डीप क्लीनिंग करवाने के साथ नियमित रूप से पानी का छिड़काव सुनिश्चित किया जाए, ताकि धूल के कारण होने वाले वायु प्रदूषण को कम किया जा सके। उन्होंने शहर की सफाई व्यवस्था को प्रभावी बनाने, कचरा प्रबंधन में तेजी लाने और प्रदूषण नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने पर जोर दिया।

उद्योग मंत्री सोमवार को गुरुग्राम के लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में शहर की सफाई व्यवस्था, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, बंधवाड़ी लैंडफिल साइट पर लीगेसी वेस्ट के निस्तारण, सड़क सुधार और प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कार्यों की समीक्षा की गई। मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि सड़कों पर जमा धूल-मिट्टी को हटाने के लिए नियमित रूप से विशेष सफाई अभियान चलाए जाएं। संबंधित अधिकारी डीप क्लीनिंग और पानी के छिड़काव की नियमित निगरानी करें, ताकि इन कार्यों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके और नागरिकों को प्रदूषण से राहत मिले। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण एवं परिवहन के लिए पांच वर्ष की अवधि और दो वर्ष के

महत्वपूर्ण सुधार हुआ है, सरकार के प्रयासों से 60.80 लाख एकड़ क्षेत्र की सिंचाई की जा रही है। हमारी प्रतिबद्धता पानी की हर बूंद का सही उपयोग करना, कृषि को मजबूत करना और किसानों को आवश्यक राहत प्रदान करना सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि दशकों से पंजाब के हितों का नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि राज्य को साल 1960 तक अपनी नदियों के पानी पर रॉयल्टी मिलती थी, जिसके बाद यह भुगतान पूरी तरह बंद हो गया। उन्होंने कहा, “पंजाब का अपनी नदियों के पानी की रॉयल्टी के रूप में 1.44 लाख करोड़ रुपये का जायज दावा बनता है। राजस्थान पंजाब से मुफ्त पानी प्राप्त कर रहा है और इसका उपयोग आर्थिक लाभ कमाने के लिए कर रहा है। पंजाब के लोगों, विशेष रूप से हमारे किसानों ने देश का पेट भरने के लिए अथाह कुर्बानियां दी हैं।जब उनके अपने प्राकृतिक संसाधनों की बात आती है तो उनके साथ किया गया भेदभाव स्वीकार नहीं किया जा सकता। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि सरकार पंजाब के पानी के अधिकारों की रक्षा करने और इसके लोगों को न्याय दिलाने के लिए हर जायज कदम उठाएगी।

गुरुग्राम की सड़कों को धूल-मिट्टी से मुक्त करें, नियमित हो पानी का छिड़काव - राव नरबीर

चंडीगढ़, । हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्यिक मंत्री राव नरबीर सिंह गुरुग्राम के लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए 26/10/2026



हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्यिक मंत्री राव नरबीर सिंह गुरुग्राम के लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए 26/10/2026

गई है, जिनमें 675 लाइट कमर्शियल वाहन (एसीवी), 184 ई-रिश्शा और 16 कॉम्पेक्टर शामिल हैं। वाहनों की तैनाती 28 अक्टूबर से शुरू करने की योजना है, जिसके पहले चरण में 100 वाहन उपलब्ध कराए जाएंगे।

बंधवाड़ी लैंडफिल साइट पर लीगेसी वेस्ट प्रबंधन की समीक्षा के दौरान बताया गया कि 20 अक्टूबर 2026 तक कुल 58.50 लाख मीट्रिक टन कचरा प्राप्त हुआ है, जिसमें से 42.95 लाख मीट्रिक टन का निस्तारण किया जा चुका है।

जिला स्तरीय मेगा रोजगार मेले में 668 युवाओं को मिले ऑफर लेटर

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने वितरित किए ऑफर लेटर, 65 कंपनियों ने लिया भाग

चण्डीगढ़, । हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि युवाओं को उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं। युवाओं को अपने हुनर को निखारते हुए आगे बढ़ना चाहिए, ताकि वे अनुभव और कौशल के आधार पर भविष्य में अपना उद्योग या व्यवसाय स्थापित कर सकें और अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा कर सकें। राव

नरबीर सिंह सोमवार को राजकीय महिला महाविद्यालय, सेक्टर-14, गुरुग्राम में आयोजित जिला स्तरीय मेगा रोजगार मेले में उपस्थित युवाओं को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने चयनित युवाओं को ऑफर लेटर भी वितरित किए। उन्होंने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और तकनीक के साथ उद्योगों की जरूरतें भी बदल रही हैं। ऐसे में युवाओं को केवल नौकरी पाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि अपने कौशल और व्यावहारिक ज्ञान को लगातार बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नए उद्योग स्थापित होने और निवेश बढ़ने से रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। युवाओं को इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए स्वयं को तैयार करना होगा।

पंजाब राज्य सूचना आयोग ने राज्यपाल को भेंट की ‘आरटीआई एंड गुड गवर्नेंस’ पुस्तक



पुस्तक भेंट करना सूचना के अधिकार अधिनियम के सिद्धांतों को आगे बढ़ाने तथा पारदर्शी, जवाबदेह और सुशासन-आधारित प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने पुस्तक ‘आरटीआई एंड गुड गवर्नेंस’ की सराहना की। उन्होंने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रभावी

क्रियान्वयन के माध्यम से सुशासन को बढ़ावा देने तथा सूचना के अधिकार की संस्थागत व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में पंजाब राज्य सूचना आयोग के इस सकारात्मक प्रयास की प्रशंसा की।

इस पुस्तक में भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, पंजाब के राज्यपाल एवं केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया तथा भारत

बेटियों की शिक्षा से ही सशक्त और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण संभव - राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष

चंडीगढ़, । भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां में सोमवार को चौथे दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर हरियाणा की प्रथम महिला श्रीमती मित्रा घोष भी उपस्थित रहीं। राज्यपाल ने उपाधि प्राप्त करने वाली छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने छात्राओं की सफलता में योगदान देने वाले शिक्षकों और अभिभावकों के समर्पण एवं मार्गदर्शन की भी सराहना की।

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय ग्रामीण महिलाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण के क्षेत्र में विशेष स्थान रखता है। वर्ष 1936 में भगत फूल सिंह द्वारा केवल तीन छात्राओं के साथ शुरू किया गया कन्या गुरुकुल आज एक ऐसे विश्वविद्यालय के रूप में विकसित हो चुका है, जहां छह हजार से अधिक युवतियां शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। यह संस्थान ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं की प्रगति के बिना राष्ट्र की समृद्धि की कल्पना नहीं की जा सकती। आज बेटियां शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, खेल, प्रशासन और राष्ट्रीय सुरक्षा सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही हैं। हरियाणा की बेटियों ने भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी उपलब्धियों से प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि प्रतिभा किसी लिंग या भौगोलिक सीमा की मोहताज नहीं होती, बल्कि उचित अवसर और मार्गदर्शन मिलने पर बेटियां हर क्षेत्र में सफलता हासिल कर सकती हैं। राज्यपाल ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह चरित्र निर्माण, आत्मविश्वास, करुणा और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सशक्त साधन भी है। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाली छात्राओं से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग व्यक्तिगत उन्नति के साथ-साथ समाज के कल्याण के लिए भी करें। उनकी सफलता ग्रामीण और वंचित परिवारों की अन्य बेटियों के लिए प्रेरणा बने तथा वे भी उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने सपनों को साकार करने के लिए आगे आए।

भगवान वाल्मीकि के आदर्शों पर चलकर ही बनेगा समरस और सशक्त समाज - डॉ. अरविंद शर्मा

चंडीगढ़, । हरियाणा के सहकारिता, कारागार, पर्यटन, निर्वाचन एवं विरासत मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि भगवान महर्षि वाल्मीकि के विचार और आदर्श किसी एक समाज तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरी मानवता के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने अपनी लेखनी से समाज को सत्य, धर्म, कर्तव्य, त्याग और मर्यादा का जो संदेश दिया, वह हजारों वर्षों बाद भी उतना ही प्रासंगिक है। महर्षि वाल्मीकि ने समाज को सिखाया कि इंसान की पहचान उसके कर्म, विचार और आचरण से होती है। उनके दिखाए मार्ग पर चलकर ही सामाजिक समरसता, भाईचारे और समानता पर आधारित सशक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है।

कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा अपनी धर्मपत्नी डॉ. रीता शर्मा के साथ गोहाना स्थित भगवान वाल्मीकि आश्रम में वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने भगवान महर्षि वाल्मीकि को श्रद्धापूर्वक नमन किया तथा उपस्थित समाज के लोगों को शुभकामनाएं दीं।

डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि भारतीय संस्कृति, साहित्य और आध्यात्मिक चेतना के महान प्रतीक हैं। आदिकवि के रूप में उन्होंने रामायण जैसे महान ग्रंथ की रचना कर भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन को जन-जन तक पहुंचाया। रामायण केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला, पारिवारिक मूल्यों, सामाजिक जिम्मेदारियों और मानवीय संवेदनाओं का अद्भुत संगम है। महर्षि वाल्मीकि का जीवन हमें सिखाता है कि ज्ञान, साधना और अच्छे कर्मों के माध्यम से व्यक्ति समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकता है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार अंत्योदय की भावना के साथ काम कर रही है। सरकार का उद्देश्य विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना है। गरीब, वंचित, श्रमिक, किसान, महिला और युवाओं के उत्थान को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि समाज तभी आगे बढ़ सकता है, जब प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान, शिक्षा और आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें। महर्षि वाल्मीकि ने भी मानवता, समानता और सद्भाव का संदेश दिया था। आज आवश्यकता है कि हम उनके विचारों को केवल आयोजनों तक सीमित न रखें, बल्कि अपने व्यवहार और दैनिक जीवन में उतारें। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी को देश के महान संतों, महापुरुषों और समाज सुधारकों के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। महर्षि वाल्मीकि का जीवन ज्ञान, परिश्रम, आत्मचिंतन और सकारात्मक परिवर्तन का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि युवाओं को शिक्षा, संस्कार और कौशल के माध्यम से अपने भविष्य को संवारते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी समृद्ध संस्कृति, सामाजिक एकता और विविधता में एकता की भावना है। हमारे संतों और महापुरुषों ने सदियों से समाज को जोड़ने का काम किया है। उनके विचारों को आगे बढ़ाना हम सभी का दायित्व है।

के मुख्य सूचना आयुक्त राज कुमार गोयल, पूर्व आईएएस के महत्वपूर्ण सदस्य शामिल हैं। इन सदस्यों के माध्यम से पुस्तक के संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक महत्व को रेखांकित किया गया है। इसके अतिरिक्त, भारत के प्रथम मुख्य सूचना आयुक्त वजाहत हबीबुल्लाह तथा पंजाब के प्रथम मुख्य सूचना आयुक्त राजन कश्यप ने भी पुस्तक की सराहना की। पंजाब राज्य सूचना आयोग के संरक्षण में राज्य सूचना आयुक्त हर्षीत संधू द्वारा लिखित यह पुस्तक जनजागरूकता बढ़ाने, सूचना के अधिकार से संबंधित व्यवस्थाओं के जिम्मेदाराना क्रियान्वयन को प्रोत्साहित करने तथा सार्वजनिक संस्थाओं में पारदर्शिता एवं जवाबदेही की संस्कृति को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता को दोहराती है। यह आयोजन पिछले 21 वर्षों के दौरान सूचना के अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन से जुड़ी उपलब्धियों की समीक्षा करने के साथ-साथ व्यापक जनहित में इसके प्रावधानों को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने की आवश्यकता पर बल देने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी रहा।



प्रदूषण पर सबसे बड़ी स्टडी शुरू; एआई और सैटेलाइट से होगी मैपिंग

10 साल में कितना बदल गया दिल्ली का धुआं

नई दिल्ली, एजेंसी। आप जो धुआं पी रहे हैं, वह 10 साल पहले से कितना अलग है? क्या गाड़ियों की नई टेक्नोलॉजी और सख्त नियमों से प्रदूषण के स्रोत बदल गए हैं? इन सवालों का जवाब देने के लिए 10 साल बाद एक बार फिर दिल्ली की हवा का पूरा हिसाब-किताब लगाया जा रहा है।

साल 2016 में आईआईटी-कानपुर ने दिल्ली के प्रदूषण स्रोतों पर पहली बड़ी स्टडी की थी। अब उसके लगभग 10 साल बाद एक नई और हाई-टेक स्टडी शुरू हुई है। यह स्टडी ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया पुणे के नेतृत्व में आईआईटी-दिल्ली, पुणे मिलकर कर रहे हैं।

इस बार स्टडी पूरे दिल्ली और ह्छक्र के 27 जिलों को 500 मीटर × 500 मीटर के छोटे-छोटे बॉक्स में बांटा जाएगा। हर बॉक्स सिर्फ 0.25 वर्ग किलोमीटर का होगा। साल 2026 को बेस ईयर मानकर गाड़ियों, फैक्ट्रियों, सड़क की धूल और



कचरा जलाने जैसे सभी स्रोतों से निकलने वाले प्रदूषकों को मापा जाएगा। सिर्फ मौजूदा हाल नहीं, बल्कि 2030, 2035 और 2040 तक हवा कैसी होगी, इसके अलग-अलग अनुमान भी बताए जाएंगे। इसके लिए ह्छक्र में 6 सुपर-साइट्स भी बनाई जा रही हैं।

2025 का फ्रेमवर्क, सीपीसीबी कर रहा था फंड

सीएक्यूएम के टेविनकल मेंबर एसडी अत्री ने बताया कि पिछले 10 साल में बहुत कुछ बदला है। कोयला बेन हो चुका है, फैक्ट्रियां वलीन फ्यूल पर शिफ्ट हुई हैं और गाड़ियां वलीन हैं, इसलिए नया आकलन जरूरी था। इस स्टडी के लिए अप्रैल 2025 में एक फ्रेमवर्क बनाया था और सीपीसीबी इसे फंड कर रहा है। इस स्टडी की सबसे बड़ी खासियत डू और सैटेलाइट डेटा का इस्तेमाल है। सैटेलाइट फोटोज से हॉटस्पॉट की पहचान होगी और जमीन पर टीम जाकर उसे वैरिफाई करेगी।

डॉक्टर से जानें बचाव के टिप्स

दिल्ली की हवा गर्भवती महिलाओं के लिए जहर, प्री-मैच्योर डिलीवरी का खतरा 40% बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में वायु प्रदूषण बढ़ने के साथ गर्भवती महिलाओं की सेहत को लेकर चिंता बढ़ जाती है। प्रदूषित हवा का असर केवल सांस लेने तक सीमित नहीं है, बल्कि गर्भावस्था के दौरान लंबे समय तक बारीक प्रदूषक कणों के संपर्क में रहने का संबंध समय से पहले प्रसव और कम वजन वाले बच्चे के जन्म के बढ़ते जोखिम से भी पाया गया है।

ऐसे में विशेषज्ञों ने गर्भवती महिलाओं को प्रदूषण के संपर्क को कम करने और सांस संबंधी लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करने की सलाह दी है। रक्त प्रवाह में भी प्रवेश करने का डर सरिता विहार

स्थित अपोलो अस्पताल के वरिष्ठ फल्मोनोलॉजिस्ट निखिल मोदी के

सूजन बढ़ने और आक्सीजन की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका



अनुसार, पीएम 2.5 जैसे बारीक कण फेफड़ों में गहराई तक पहुंच सकते हैं और रक्त प्रवाह में भी प्रवेश कर सकते हैं। इससे शरीर में

रहती है। ऐसे में मां और बच्चे दोनों को खतरा है। पीएम 2.5 के संपर्क में आने से मां के रक्त प्रवाह में सूजन और रक्त

वाहिकाओं की कार्यप्रणाली प्रभावित होती है, जिससे उच्च रक्तचाप, प्री-एक्लेमप्सिया (गर्भावस्था के दौरान खतरनाक ब्लड प्रेशर) और हृदय संबंधी जोखिम बढ़ जाते हैं। अस्थमा या सांस संबंधी दूसरी बीमारियों से पीड़ित गर्भवती महिलाएं अपनी निर्धारित दवाएं जारी रखें। लगातार खांसी, सांस में घरघराहट, सीने में जकड़न या सांस फूलने पर डाक्टर से संपर्क करें। अचानक या गंभीर रूप से सांस लेने में परेशानी होने पर तत्काल चिकित्सा सहायता लें। पर्याप्त पानी पीएं, हरी सब्जियां व फल को आहार में शामिल करें। नियमित प्रसवपूर्व जांच कराना भी जरूरी है।

बच्चे तक कैसे पहुंच सकते हैं सूक्ष्म कण

ये सूक्ष्म कण प्लेसेंटा (गर्भनाल) को पार करके गर्भ में पल रहे बच्चे तक पहुंच सकते हैं, जिससे जन्म के समय कम वजन, समय से पहले जन्म (प्रीमट बर्थ) और बच्चों के फेफड़ों एवं मस्तिष्क के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। प्रदूषण का स्तर अधिक होने पर खिड़की-दरवाजे बंद रखें और संभव हो तो एयर प्यूरीफायर का उपयोग करें। गर्भवती महिलाओं को बाहर टहलने, दौड़ने और ज्यादा शारीरिक मेहनत वाली गतिविधियों से बचना चाहिए। व्यस्त सड़कों के आसपास लंबे समय तक रहने से भी परहेज करना चाहिए। बाहर जाना जरूरी हो तो अच्छी तरह फिट होने वाला एन95 मास्क बारीक कणों का संपर्क कम करने में मदद कर सकता है।

इलाज के बहाने मासूम से दरिंदगी करने वाले 74 साल के ढोंगी बाबा को उम्रकैद, दिल्ली की कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। अंधविश्वास के नाम पर 8 साल की बच्ची के साथ यौन शोषण करने वाले 74 साल के एक ढोंगी बाबा को अदालत ने अंतिम सांस तक जेल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने कहा कि ऐसे बाबाओं पर लोगों का अंधा भरोसा अक्सर धोखे में बदल जाता है और ऐसी घटनाएं इंसानियत के वजूद पर ही सवाल उठाती हैं। मामला उत्तम नगर का है। सरकारी वकील चंदरजीत यादव के मुताबिक, आरोपी असगर वाखो खुद को ‘फकीर बाबा’ बताता था। 9 फरवरी 2025 को वह बच्ची के घर यह कहकर पहुंचा कि वह उसकी ब्रेन सिस्ट का इलाज कर सकता है, जिसके कारण बच्ची को दौरे पड़ते थे। आरोपी ने झाड़ू-फूंक का बहाना बनाया और बच्ची की मां को दीवार की तरफ मुंह करने को कहा। इसके बाद उसने बच्ची के साथ दरिंदगी की। पूरी घटना



घर में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई, जिसे बच्ची के मामा ने देख लिया। मामा ने तुरंत मां को बताया और बच्ची से पूछताछ की गई। उसी दिन एफआईआर दर्ज हुई। फॉरेंसिक जांच में आरोपी के पास से 13 ऐसी ही वीडियो फाइलें मिलीं। एडिशनल सेशन जज वैभव मेहता ने फैसले में कहा कि घटना के बाद आरोपी ने सबूत मिटाने के लिए मां से बच्ची के कपड़े तुरंत धुलवाए और उसे ठंडे पानी से नहलाने को कहा। इससे पता चलता है कि यह उसका पहला अपराध नहीं हो सकता। कोर्ट ने आरोपी को पाँक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत उम्रकैद और धारा 10 के तहत 7 साल की सजा सुनाई है। साथ ही, पीड़िता को 15 लाख रुपये मुआवजा देने का भी आदेश दिया है।

वायु प्रदूषण से निपटने की तैयारी पर सवाल, 2009 के मानकों के भरोसे देश; नए नियमों का कब तक होगा इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए हवा की गुणवत्ता के मानक बदलने की प्रक्रिया पांच साल से अधिक समय बाद भी अधूरी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आरटीआई जवाब के मुताबिक, राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों (एनएएक्यूएस) की समीक्षा के लिए आईआईटी कानपुर की ओर से सौंपी गई संशोधित रिपोर्ट अब भी विचाराधीन है। इस बीच देश में वर्ष 2009 में अधिसूचित वायु गुणवत्ता मानक ही लागू हैं। नए मानकों को अंतिम रूप देने और अधिसूचित करने की समयसीमा भी स्पष्ट नहीं है। मालूम हो कि दैनिक जागरण भी इसी मुद्दे को उठाते हुए 19 दिसंबर 2025 के अंक में इस पर विस्तृत खबर प्रकाशित कर चुका है।

यह स्थिति तब है, जब वायु प्रदूषण के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर लगातार चिंता जताई जाती रही है। पीएम 2.5 एवं पीएम 10 जैसे प्रदूषकों की स्वीकार्य सीमा तय करने वाले राष्ट्रीय मानक प्रदूषण के आकलन, नियंत्रण की नीतियों और सरकारी कार्रवाई का महत्वपूर्ण आधार हैं। ऐसे में इन मानकों की समीक्षा में देरी का मामला खासतौर पर दिल्ली सहित एनसीआर जैसे प्रदूषण

प्रभावित क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है। सीपीसीबी ने सितंबर 2026 को पर्यावरण कार्यकर्ता



अमित गुप्ता की आरटीआई जवाब में बताया कि राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों की समीक्षा के लिए आईआईटी कानपुर को 28 दिसंबर 2021 को परियोजना सौंपी गई थी। इसके तहत आईआईटी कानपुर को अब तक 19.64 लाख रुपये जारी किए गए हैं। आईआईटी कानपुर ने 16 दिसंबर 2025 को तकनीकी मूल्यांकन रिपोर्ट सौंपी थी। इसके बाद संचालन समिति और सीपीसीबी ने रिपोर्ट की समीक्षा कर टिप्पणियां दीं। इन टिप्पणियों को शामिल करते हुए आईआईटी कानपुर ने संशोधित रिपोर्ट जमा की, जो आरटीआई के

जवाब के समय भी समीक्षा के अधीन थी। इस तरह तकनीकी रिपोर्ट जमा होने के करीब नौ

महीने बाद भी नए मानकों को लेकर अंतिम निर्णय नहीं हो सका है। परियोजना की शुरुआत से अब तक पांच साल से अधिक समय बीत चुका है। सीपीसीबी के अनुसार, रिपोर्ट की समीक्षा के लिए गठित संचालन समिति में राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (नोरी), आईआईटी मुंबई, आईआईटी दिल्ली, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, सीपीसीबी और टेरी के विशेषज्ञ शामिल हैं। समिति ने रिपोर्ट की समीक्षा के बाद अपनी टिप्पणियां आईआईटी कानपुर को भेजी थीं।

दिल्ली में वकीलों की हड़ताल से पहले पुलिस का एक्शन, शाहदरा बार एसोसिएशन के सचिव समेत कई वकीलों पर मुकदमा दर्ज

नईदिल्ली, एजेंसी। मंगलवार को दिल्ली की सभी जिला अदालत में वकीलों की पुलिस के खिलाफ काम बंद हड़ताल है। इस हड़ताल से एक दिन पहले सोमवार रात को दिल्ली पुलिस ने शाहदरा बार एसोसिएशन के वकीलों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके कड़ी कार्रवाई की है। एसीपी शाहदरा मनसी वशिष्ठ की शिकायत पर शाहदरा थाना पुलिस ने शाहदरा बार एसोसिएशन के सचिव नरवीर डबास, सदस्य विशाल शर्मा व विवेक पांडेय समेत कई के खिलाफ सरकारी कर्मचारी को धमकी देने, सरकारी काम में बाधा पहुंचाने, अभद्रता करने, सरकारी कार्य में व्यवधान डालने की धारा में केस दर्ज किया गया है। वकीलों के खिलाफ इस साल की यह सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। एसीपी मनरसी ने अपनी शिकायत में कहा कि शाहदरा थाने के हेड कांस्टेबल अमित मलिक एक मामले में 24 अक्टूबर को कड़कड़मा कोर्ट गए थे। उन्हें सूचना मिली कि हेड कांस्टेबल को कुछ वकीलों ने घेर लिया और 23 अक्टूबर को थाने में दर्ज एक मामले में बहस करने लगे। जैसे तैसे पुलिस कर्मी थाने आए। आरोप लगाया कि कुछ देर बाद शाहदरा बार एसोसिएशन के सचिव नरवीर डबास 10 से 15 वकीलों के साथ शाहदरा थाने आए। थानाध्यक्ष के कमरे में घुसकर वकीलों ने थानाध्यक्ष का हाथ खींचने की कोशिश की।

जामिया में छात्र संघ चुनाव का 20 साल से हो रहा इंतजार, नए वादों से क्या बन सकेगी बात

नई दिल्ली, एजेंसी। जामिया मिलिया इस्लामिया में छात्र संघ चुनाव को लेकर हलचल एक बार फिर तेज हो गई है। वर्ष 2006 में छात्र संघ भंग किए जाने के बाद से लगातार 20 वर्षों से चुनावों पर रोक लगी हुई है। अब विश्वविद्यालय प्रशासन ने नया सविधान तैयार होने के 15 दिनों के भीतर चुनाव कराने का भरोसा दिया है। इससे छात्रों की पुरानी मांग को नया बल मिल गया है। 1981-82: जामिया में पहली बार निर्वाचित छात्र संघ का गठन हुआ था। 1997: परिसर में अशांति के कारण पहली बार चुनाव रोक दिए गए। 2005: चुनावों की दोबारा बहाली हुई, लेकिन यह दौर काफी छोटा रहा। 31 मार्च 2006: हिंसा और माहौल को अनुपयुक्त बताते हुए छात्र संघ को आधिकारिक रूप से भंग कर दिया गया। 2012: दिल्ली उच्च न्यायालय ने जामिया को एक समिति गठित कर चुनाव की संभावना तलाशने को कहा था। हालांकि, मसौदा नियम बनने के बावजूद चुनाव नहीं कराए गए। 2022: दिल्ली हाई कोर्ट ने पुरानी याचिका का निपटारा करते हुए स्पष्ट किया कि कोर्ट ने चुनाव पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है और विश्वविद्यालय प्रशासन इसे बहाल कर सकता है। हाल ही में छात्रों ने छात्र संघ की बहाली को लेकर भूख हड़ताल और विरोध प्रदर्शन शुरू किया। इसके बाद 21 अक्टूबर को जामिया प्रशासन ने छात्र संघ का नया सविधान बनाने के लिए एक समिति का गठन किया। इसके बाद 26 अक्टूबर को प्रशासन ने घोषणा की कि सविधान को स्वीकृति मिलने के 15 दिनों के भीतर चुनाव आयोजित किए जाएंगे। हालांकि, छात्रों में इस बात को लेकर अब भी चिंता बनी हुई है कि इस नए सविधान को अंतिम मंजूरी कब मिलेगी और चुनाव की पक्की तारीख का ऐलान कब किया जाएगा।



मां के होते दादा को नहीं मिलेगी पोते-पोती की कस्टडी दिल्ली हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। पोते-पोती की कस्टडी मांगने वाली एक दादा की याचिका को खारिज करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि मां को अयोग्य या लापरवाह साबित किए बिना उसके अधिकार को नहीं छीन सकते।

न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद व न्यायमूर्ति रेनु भटनागर की पीठ ने पाया कि महिला आयकर अधिकारी है और न सिर्फ वह आर्थिक रूप से स्वतंत्र है, बल्कि अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभा रही है।

पीठ ने कहा कि मां के अधिकार परिवार के अन्य सदस्यों पर कानूनी रूप से सर्वोच्च रहेंगे और न तो मां को बच्चों से वंचित किया जा सकता और न ही बच्चों को उनकी मां से वंचित किया जा सकता है। पीठ ने कहा कि मां की स्वाभाविक अभिभावकता को मनमाने तरीके से नहीं हटाया जा सकता।

अदालत ने उक्त टिप्पणी पारिवारिक अदालत के 15 मई 2026 के फैसले के खिलाफ दायर अपील को खारिज करते हुए की। पारिवारिक कोर्ट ने शांतनू ग्रोवर और उसकी बहन मन्नत ग्रोवर की कस्टडी दादा को देने से इन्कार कर दिया था। बच्चों के पिता का

निधन दिसंबर 2016 में हो गया था और तब से बच्चे अपनी मां के साथ रह रहे हैं। दादा ने अपील याचिका दायर कर कहा था कि उनके पोते-पोती की मां एक वर्किंग प्रोफेशनल हैं और वह बच्चों की परवरिश के लिए पर्याप्त समय और बेहतर माहौल नहीं दे सकती।

अदालत ने रिकॉर्ड पर लिया:

हालांकि, अदालत ने रिकॉर्ड पर लिया कि बच्चों की उम्र लगभग 17 और 14 साल है और उन्होंने पारिवारिक अदालत में स्वतंत्र रूप से मां के साथ रहने की इच्छा जताई थी। उक्त तथ्यों को देखते हुए पीठ ने कहा कि ऐसा कोई संकेत नहीं मिला कि बच्चों को सिखाया-पढ़ाया गया हो।

दादा की ओर से 2016 से पहले के वैवाहिक विवाद और क्रूरता के आरोपों को भी पीठ ने अप्रासंगिक बताया। हलांकि, पीठ ने

यह भी कहा कि बड़ी पोती बालिंग है, इसलिए उसे दादा-दाई से मिलने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। फिर भी दादा चाहें तो फैमिली कोर्ट में विजिटेशन राइट्स के लिए अलग आवेदन दायर कर सकते हैं, इस पर बच्चों की इच्छा को महत्व देते हुए फैसला होगा।

तकनीकी पेंच में फंसा दिल्ली का चंदगीराम अखाड़ा फ्लार्डओवर, एक साल बाद भी काम शुरू नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में चंदगीराम अखाड़ा लालबत्ती पर लगने वाले भारी जाम से वाहन चालकों को फिलहाल राहत मिलने के आसार नहीं हैं।

इस लालबत्ती पर फ्लार्डओवर बनाने की योजना पर दिल्ली सरकार आगे बढ़ना चाहती है, लेकिन तकनीकी अड़चनों के कारण परियोजना अब तक धरातल पर नहीं उतर सकी है। सरकार ने इस परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) के साथ समन्वय करने के निर्देश दिए हैं।

योजना को नहीं मिली मंजूरी: इसके बावजूद फ्लार्डओवर के डिजाइन को लेकर सहमति नहीं बन पाने से योजना की मंजूरी की

प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी है।दरअसल, चंदगीराम अखाड़ा लालबत्ती पर यातायात का दबाव कम करने के लिए फ्लार्डओवर बनाने की योजना तैयार की गई है। इसके निर्माण से इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही सुगम होने और जाम की समस्या कम होने की उम्मीद है। दिल्ली सरकार इस परियोजना के लिए 183 करोड़ रुपये की मंजूरी भी दे चुकी है। इसके बावजूद एक वर्ष बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू करने की दिशा में ठोस प्रगति नहीं हो सकी है।



संपादकीय

जापान के आईची-नागोया में संपन्न पैरा एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने नया इतिहास रचा है। अब तक हुए पैरा एशियन खेलों में हमारे खिलाड़ियों का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में तीस स्वर्ण व पैतीस रजत पदकों समेत कुल 114 पदक भारत की श्रेली में डाले। जबकि 2023 के पैरा एशियन गेम्स में एक बड़े दल ने 108 मेडल ही जीते थे। इस बार के खिलाड़ियों का दल पिछले के

मुकाबले छोटा था, मगर उपलब्धियां बड़ी रही। एक ओर जहाँ जापान में संपन्न एशियाई खेलों में भारतीय दल पांचवें स्थान पर रहा था, वहीं पैरा खिलाड़ियों की कामयाबी ने देश को एशिया में चौथे नंबर का विजेता बनाया है। आईची-नागोया में संपन्न खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने कई नए रिकॉर्ड बनाये और कई पुराने रिकॉर्ड तोड़े हैं। जापान में पहली बार आयोजित इन खेलों में एशिया के 45 देशों व क्षेत्रों के चार हजार खिलाड़ी

व कोच आदि शामिल थे। इन खेलों का पहला संस्करण वर्ष 2010 में चीन के ग्वांगझू में आयोजित हुआ था। निश्चय ही भारतीय खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत, लगन व आत्मविश्वास से यह असामान्य कामयाबी हासिल की है। इन खिलाड़ियों की यह सफलता हर किसी भारतीय के लिये प्रेरणादायक है कि किसी भी तरह की शारीरिक अपूर्णता हमारे इरादों को कमजोर नहीं कर सकती है। हमें हर चुनौती में

पैरा एशियाड में दिखी दिव्यांगों की दिव्यता

सकारात्मक रहते हुए अपने लक्ष्य हासिल करने चाहिए। हम बड़े सपने देख सकते हैं और कड़ी मेहनत व लगन से उन्हें हकीकत में बदल सकते हैं।आईची-नागोया में संपन्न पैरा एशियाड खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने हर क्षेत्र में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करवायी है। पैरा एथलेटिक्स खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा। जिसमें कुल पैसठ पदक जीते गए। इसके अलावा पदकों के अनुपात में यह कामयाबी बैडमिंटन,

तैराकी और तीरंदाजी में रही। वहीं निशानेबाजी,टेबल-टेनिस, जुडो और पावरलिफ्टिंग में भी हमने पदक जीते। इन्हीं कामयाबियों से हम अब तक के पैरा एशियन गेम्स में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में कामयाब रहे। कल्पना की जा सकती है कि हमारे पैरा खिलाड़ियों ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिये कितनी मेहनत की होगी। एक तो विभिन्न किस्म की शारीरिक चुनौतियों व अपूर्णताओं से जूझना और फिर

एशिया स्तर तक के मुकाबले के लिये योग्यता हासिल करना। कहावत है कि 'सुबह जिसकी हुई, वह सचमुच सारी रात नहीं सोया होगा।' कहने का अभिप्राय यह है कि जब किसी व्यक्ति को कोई सफलता मिलती है तो उसके पीछे उसका लंबा त्याग, संघर्ष और मेहनत शामिल होती है। खासकर उस समाज में जहां दिव्यांगों को हेय भाव से देखा जाता है। हमारा सामाजिक ढांचा अब तक ऐसा नहीं बन पाया है।

भगवान केवल आस्था नहीं, अनुभूति और चिंतन का विषय

यशवंत गोरे

पांडुरंगशास्त्री आठवले का मानना था कि ईश्वर केवल आकाश में या मंदिरों में नहीं, बल्कि प्रत्येक मनुष्य के हृदय में विराजमान है। मनुष्य के भीतर मौजूद इसी ईश्वर पर विश्वास रखने और हर व्यक्ति में ईश्वर का अंश देखने का संदेश देने वाले दादाजी ने स्वाध्याय आंदोलन के माध्यम से समाज को नई दिशा दी। उनका निधन 25 अक्टूबर 2003 को हुआ था। उनकी पुण्यतिथि पर उनके विचारों और समाज के लिए किए गए कार्यों को याद करना, वास्तव में मनुष्य के भीतर छिपी अच्छाइयों को पहचानने का अवसर है।

पांडुरंगशास्त्री आठवले का जन्म 19 अक्टूबर 1920 को महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के रोहा में हुआ था। उनके पिता वैजनाथ शास्त्री संस्कृत के विद्वान और व्याकरण के ज्ञाता थे। उनके दादा लक्ष्मणशास्त्री भी विद्वान होने के साथ समाज सुधार की भावना रखते थे। वे हरिजन बस्तियों में जाकर लोगों को ज्ञान और सद्विचारों से जोड़ते थे। ऐसे पारिवारिक संस्कारों ने दादाजी के व्यक्तित्व को गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बचपन से ही दादाजी की रूचि भारतीय दर्शन, संस्कृत और भगवद्गीता में थी। उन्होंने न्याय, व्याकरण और भारतीय दर्शन का गहरा अध्ययन किया। आधुनिक ज्ञान-विज्ञान और विभिन्न विचारधाराओं को भी समझा। उनका उद्देश्य केवल विद्वान बनना नहीं था, बल्कि ज्ञान को आम आदमी के जीवन से जोड़ना था। उन्होंने भगवद्गीता के विचारों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प लिया। उनका मानना था कि धर्म का उद्देश्य केवल पूजा-पाठ और कर्मकांड तक सीमित नहीं होना चाहिए। धर्म मनुष्य के व्यवहार में दिखाई देना चाहिए। उसके विचारों और कर्मों से समाज में प्रेम, आत्मीयता और समानता बढ़नी चाहिए।

दादाजी ने अक्टूबर 1955 में ठाणे में तत्त्वज्ञान विद्यापीठ की स्थापना की। यहां भारतीय दर्शन और संस्कृति के अध्ययन के साथ समाज को जागरूक करने का कार्य भी शुरू हुआ। विभिन्न वर्गों के लोगों के लिए प्रशिक्षण शिबिर आयोजित किए गए। इन शिविरों में धर्म, संस्कृति, भारतीय दर्शन और जीवन-मूल्यों पर चर्चा होती थी। मार्च 1958 में उन्होंने 18 युवा स्नातकों के साथ ‘भक्तिफेरी’ का प्रयोग शुरू किया। इसके अंतर्गत

स्वाध्यायी गांव-गांव जाकर लोगों से मिलते, उन्हें भगवद्गीता और उपनिषदों के विचारों से परिचित कराते तथा आत्मसम्मान और आपसी भाईचारे का संदेश देते थे। इस कार्य की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि स्वाध्यायी जिन गांवों में जाते, वहां के लोगों पर आर्थिक बोझ नहीं डालते थे। वे बिना किसी आर्थिक अपेक्षा के सेवा करते थे। दादाजी के लिए भक्ति का अर्थ केवल ईश्वर के सामने सिर झुकाना नहीं, बल्कि ईश्वर की बनाई हुई सृष्टि और उसके प्रत्येक मनुष्य के प्रति प्रेम रखना था।

दादाजी ने आध्यात्मिक विचारों को व्यावहारिक जीवन से जोड़ने के लिए अनेक प्रयोग किए। ‘योगेश्वर कृषि’, ‘वृक्ष मंदिर’, ‘मत्स्यगंधा’ और ‘लोकनाथ अमृतालय’ जैसे उपक्रमों के माध्यम से लोगों को सामूहिक श्रम, सहयोग और आत्मनिर्भरता की प्रेरणा दी गई। ‘वृक्ष मंदिर’ योजना के अंतर्गत स्वाध्यायी परिवार वालों ने शासन से हजारों एकड़ बंजर जमीन पट्टे पर लेकर वृक्ष लगाए। इससे पर्यावरण संरक्षण में भी सहायता मिली उनका मानना था कि वृक्ष में भगवान हैं... यह केवल आस्था नहीं, अनुभूति और चिंतन का विषय है। उनका कहना था कभी एक पल वृक्ष के पास बैठकर सोचिए...हम जड़ों में पानी देते हैं, लेकिन वही जल धरती से ऊपर उठकर शाखाओं और पत्तों तक कैसे पहुंचता है? एक विशाल वृक्ष बिना किसी स्वार्थ के हमें छाया देता है, प्राणवायु देता है, फल-फूल देता है और जीवन को सहारा देता है। वृक्ष कहता है: ‘मेरी छांव में थोड़ा बैठिए, आपको शांति मिलेगी और मुझे आपका साथ।’ परम पूज्य पांडुरंग शास्त्री आठवलेजी द्वारा प्रेरित ‘वृक्ष मंदिर’ का भाव हमें प्रकृति में परमात्मा की अनुभूति करने, वृक्षां से प्रेम करने और उनकी सेवा व रक्षा करने की प्रेरणा देता है। ‘योगेश्वर कृषि’ के माध्यम से खेती को सामूहिक भक्ति और सामाजिक सहयोग से जोड़ने का प्रयास हुआ। ‘मत्स्यगंधा’ प्रयोग में मछुआरा समुदाय के लोगों को अपनी आजीविका और सामूहिक विकास के लिए प्रेरित किया गया। वृक्ष मंदिर जैसे प्रयोगों ने प्रकृति के प्रति सम्मान और सामाजिक एकता की भावना को मजबूत किया। इन प्रयोगों का उद्देश्य केवल आर्थिक समृद्धि नहीं था। दादाजी चाहते थे कि लोगों में यह भावना विकसित हो कि वे समाज पर बोझ नहीं, बल्कि समाज की शक्ति हैं।

संपादकीय

4 भेदी नज़र

जंतर-मंतर पर प्रतिबंध, फिर भी सड़कों पर आंदोलन

सौरभ वार्णाय

वोट चोरी के आरोपों से शुरू हुआ आंदोलन, सरकार की जवाबदेही, विपक्ष की भूमिका और युवाओं की बेचैनी के बीच लोकतांत्रिक व्यवस्था के सामने कई सवाल खड़े कर रहा है। देश में चुनावी पारदर्शिता और कथित वोट चोरी को लेकर शुरू हुआ आंदोलन थमने का नाम नहीं ले रहा है। दो अक्टूबर से शुरू हुए इस विरोध प्रदर्शन को लेकर राजनीतिक माहौल लगातार गर्म बना हुआ है। जंतर-मंतर जैसे निर्धारित स्थानों पर प्रदर्शन से संबंधित प्रतिबंधों और प्रशासनिक सीमाओं के बीच आंदोलन की आवाज सड़कों तक सुनाई दे रही है।

विपक्षी दलों के साथ युवाओं की भागीदारी और स्वतंत्र रूप से अपनी बात रखने वाले यूट्यूबरों तथा डिजिटल पत्रकारों की सक्रियता ने इस मुद्दे को एक नया आयाम दिया है। सवाल यह है कि क्या इस आंदोलन को केवल राजनीतिक विरोध के रूप में देखा जाना चाहिए, या फिर इसके पीछे लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति जनता के विश्वास से जुड़ी चिंताओं को भी समझने की आवश्यकता है?

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां चुनाव केवल सरकार बनाने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता की इच्छा व्यक्त करने का सबसे महत्वपूर्ण अवसर है। मतदाता अपने मत के जरिए सत्ता को स्वीकार करता है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदलने का अधिकार भी रखता है। इसलिए चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर उठने वाले सवालों को गंभीरता से सुनना लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है। हालांकि, वोट चोरी जैसे गंभीर आरोपों को प्रमाणों और तथ्यों के आधार पर परखा जाना भी उतना ही आवश्यक है। आरोप लगाना और आरोप सिद्ध होना दो अलग-अलग बातें हैं। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि न तो सवाल पूछने वालों को बिना सुने खारिज किया जाए और न ही बिना प्रमाण किसी आरोप को अंतिम सत्य मान लिया जाए।

किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के सामने विरोध प्रदर्शनों से निपटने की चुनौती रहती है। सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन का दायित्व है, लेकिन इस जिम्मेदारी का निर्वहन करते समय नागरिकों के शांतिपूर्ण विरोध और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान भी जरूरी है। यदि किसी स्थान पर सुरक्षा, यातायात या कानून-व्यवस्था से संबंधित प्रतिबंध लगाए जाते हैं, तो उनके पीछे स्पष्ट कारण होने चाहिए और कानून पालन निष्पक्ष तरीके से कराया जाना चाहिए। सरकार की आलोचना करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को व्यवस्था विरोधी मान लेना उचित नहीं है। उसी प्रकार आंदोलन के नाम पर कानून तोड़ने या आम नागरिकों के अधिकारों को प्रभावित करने को भी सही नहीं ठहराया जा सकता। लोकतंत्र में सरकार और प्रदर्शनकारियों, दोनों से जिम्मेदार आचरण की अपेक्षा की जाती है।

यदि आंदोलन को लेकर यह धारणा बनती है कि सरकार असहमति की आवाज को

विपक्ष का काम केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करना और जनता के सामने वैकल्पिक नीतियां प्रस्तुत करना भी है।यदि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाता है, तो उसे ठोस साक्ष्य, व्यवस्थित शिकायतें और तथ्यात्मक तर्क सामने रखने चाहिए। केवल नारों और राजनीतिक आरोपों से जनता का विश्वास लंबे समय तक कायम नहीं रखा जा सकता। साथ ही, सरकार को भी यह समझना होगा कि विपक्ष की हर आलोचना को राजनीतिक षड्यंत्र बताकर खारिज कर देना समस्या का समाधान नहीं है।



जनता तक पहुंचने से रोकना चाहती है, तो इससे राजनीतिक अविश्वास बढ़ सकता है। दूसरी ओर, यदि आंदोलनकारी तथ्यों के बजाय केवल भावनाओं के आधार पर दावे करते हैं, तो उनकी विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है। बेहतर रास्ता यही है कि चुनावी शिकायतों की निष्पक्ष जांच हो, संबंधित संस्थाएं तथ्यों के साथ जवाब दें और जनता के सामने स्थिति स्पष्ट की जाए। विपक्ष का काम केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करना और जनता के सामने वैकल्पिक नीतियां प्रस्तुत करना भी है।

यदि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाता है, तो उसे ठोस साक्ष्य, व्यवस्थित शिकायतें और तथ्यात्मक तर्क सामने रखने चाहिए। केवल नारों और राजनीतिक आरोपों से जनता का विश्वास लंबे समय तक कायम नहीं रखा जा सकता।

साथ ही, सरकार को भी यह समझना होगा कि विपक्ष की हर आलोचना को राजनीतिक षड्यंत्र बताकर खारिज कर देना समस्या का समाधान नहीं है। लोकतंत्र में सत्तापक्ष और विपक्ष एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी अवश्य हैं, लेकिन दोनों की जवाबदेही अंततः जनता के प्रति है। चुनाव आयोग जैसी

संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता भी इसी में है कि उसके निर्णयों, प्रक्रियाओं और शिकायत निवारण व्यवस्था पर जनता का भरोसा बना रहे।

इस आंदोलन के बीच यूट्यूबरों और स्वतंत्र डिजिटल पत्रकारों की भूमिका विशेष रूप से ध्यान खींचती है। पहले समाचारों और राजनीतिक विमर्श पर मुख्यधारा के मीडिया संस्थानों का अपेक्षाकृत अधिक प्रभाव था, लेकिन इंटरनेट और सोशल मीडिया ने आम नागरिकों को भी अपनी बात व्यापक स्तर पर रखने का अवसर दिया है।

आज कोई युवा घटनास्थल से वीडियो साझा कर सकता है, किसी सरकारी दावे की पड़ताल कर सकता है और उन मुद्दों को सामने ला सकता है जिन्हें पर्याप्त जगह नहीं मिल रही हो। यह बदलाव लोकतंत्र के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। स्वतंत्र डिजिटल पत्रकारिता सत्ता से सवाल पूछने और जनता की समस्याओं को सामने लाने में उपयोगी हो सकती है। लेकिन हर यूट्यूबर स्वतः पत्रकार नहीं बन जाता। विश्वसनीय पत्रकारिता के लिए तथ्यों की पुष्टि, दोनों पक्षों को सुनना, स्रोतों की जांच करना और गलत सूचना फैलाने से बचना अनिवार्य है। वायरल होना और विश्वसनीय होना अलग-अलग बातें हैं।

युवाओं की अपेक्षाएं बदल रही हैं। वे केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि उनके परिणाम भी

देखना चाहते हैं। वे जानना चाहते हैं कि रोजगार के अवसर कितने बढ़े, शिक्षा कितनी सुलभ हुई, सरकारी संस्थाओं में पारदर्शिता कितनी मजबूत हुई और उनकी समस्याओं पर कितनी गंभीरता से कार्रवाई की गई। यह जरूरी नहीं कि आंदोलन में शामिल प्रत्येक युवा किसी एक राजनीतिक विचारधारा का समर्थक हो। कई बार असंतोष का कारण किसी दल के प्रति समर्थन या विरोध से अधिक अपने भविष्य को लेकर चिंता होती है।

सरकार के लिए यह अवसर है कि वह युवाओं की शिकायतों को सुने, उपलब्धियों के साथ कमियों पर भी स्पष्टता से बात करे और ठोस नीतिगत समाधान सामने रखे।

वोट चोरी के आरोपों से जुड़े आंदोलन का वास्तविक निष्कर्ष नारों, रैलियों या राजनीतिक बयानबाजी से नहीं, बल्कि तथ्यों, जांच और संस्थागत पारदर्शिता से निकलेगा। जंतर-मंतर पर प्रतिबंध हो या सड़कों पर विरोध, लोकतंत्र की असली परीक्षा इस बात में है कि असहमति के लिए कितनी जगह बची है और सवालों के जवाब कितनी ईमानदारी से दिए जाते हैं।

आखिरकार, लोकतंत्र केवल बहुमत से सरकार बनाने का नाम नहीं है। वह जनता के विश्वास, संस्थाओं की निष्पक्षता और नागरिकों के सवाल पूछने के अधिकार से भी मजबूत होता है।

फिर हवा खराब: प्रदूषण की लौटती समस्या और हमारी जिम्मेदारी

बच्चे,बुजुर्ग,गर्भवती महिलाएँ तथा पहले से हृदय या फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित लोग विशेष रूप से संवेदनशील होते हैं।प्रदूषण के दिनों में छाँसी, आँखों में जलन, सांस लेने में परेशानी और अस्थमा के लक्षण बढ़ सकते हैं।इसका प्रभाव शिक्षा, कामकाज और जीवन की गुणवत्ता पर भी पड़ता है।जब बच्चे खुले मैदान में खेलने से बचने लगें, बुजुर्ग सुबह की सैर न कर सकें और लोगों को सामान्य गतिविधियाँ सीमित करनी पड़ें, तो यह केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का संकट बन जाता है।

डॉ. विजय गर्ग

हवा जीवन का आधार है। मनुष्य भोजन के बिना कई दिन और पानी के बिना कुछ समय तक जीवित रह सकता है, लेकिन हवा के बिना कुछ मिनट भी जीवन की कल्पना करना कठिन है। इसके बावजूद विदंबना यह है कि जिस हवा पर हमारा अस्तित्व निर्भर है, उसी को हम अपनी गतिविधियों से लगातार प्रदूषित कर रहे हैं। हर वर्ष मौसम बदलने के साथ एक बार फिर समाचार सुनाई देने लगते हैं—हवा खराब हो गई है, वायु गुणवत्ता गिर रही है और लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। सवाल उठता है कि आखिर हर साल हवा खराब क्यों हो जाती है और हम इससे स्थायी मुक्ति क्यों नहीं पा रहे हैं?

हर साल लौटता प्रदूषण का संकट भारत के अनेक शहरों, विशेषकर उत्तर भारत में, सर्दियों के दौरान वायु प्रदूषण गंभीर समस्या बन जाता है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कई क्षेत्रों में धुंध, धुएँ और प्रदूषक कणों का मिश्रण वातावरण को प्रभावित करता है। पराली जलाना इस समस्या का एक कारण है, लेकिन इसे ही संपूर्ण समस्या मान लेना वास्तविकता को अधूरा समझना होगा।

वाहनों से निकलने वाला धुआँ, उद्योगों का उत्सर्जन, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, सड़कों की धूल, कचरा जलाना, घरेलू ईंधन और बिजली उत्पादन से होने वाला प्रदूषण भी हवा की गुणवत्ता को

प्रभावित करते हैं। सर्दियों में हवा की गति कम होने और वायुमंडलीय परिस्थितियों के कारण प्रदूषक जमीन के निकट जमा हो सकते हैं। परिणामस्वरूप प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ जाता है।

इसलिए हवा की खराब गुणवत्ता किसी एक दिन, एक शहर या एक किसान की समस्या नहीं है। यह हमारी विकास व्यवस्था, ऊर्जा के उपयोग, परिवहन प्रणाली और पर्यावरण के प्रति हमारी सामूहिक लापरवाही से जुड़ी हुई चुनौती है। पराली: समस्या और समाधान दोनों पर विचार जरूरी

फसल कटाई के बाद खेतों में बची पराली को जल्दी हटाने के लिए कुछ किसान उसे जला देते हैं। सीमित समय, अगली फसल की तैयारी, श्रम की लागत और मशीनों तक पहुंच जैसी समस्याएँ इस व्यवहार को बढ़ावा दे सकती हैं। पराली जलने से निकलने वाला धुआँ वायु प्रदूषण में योगदान देता है।

लेकिन किसानों को केवल दोषी ठहराने से समस्या हल नहीं होगी। उन्हें सस्ती मशीनें, समय पर सहायता, फसल अवशेष प्रबंधन के व्यावहारिक विकल्प और आर्थिक प्रोत्साहन उपलब्ध कराना आवश्यक है। पराली से जैव-ईंधन, कम्पोस्ट, पशु-आहार के उपयुक्त विकल्प तथा औद्योगिक उपयोग की संभावनाओं को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जहाँ वे तकनीकी और आर्थिक रूप से व्यवहार्य हों।

किसानों को पर्यावरण संरक्षण का भागीदार बनाना होगा, न कि समस्या का अकेला जिम्मेदार।

बच्चों और बुजुर्गों पर अधिक प्रभाव प्रदूषित हवा का प्रभाव केवल दिखाई देने वाली धुंध तक सीमित नहीं रहता। हवा में मौजूद सूक्ष्म कण, विशेषकर पीएम 2.5, फेफड़ों में गहराई तक पहुँच सकते हैं। लंबे समय तक इनके संपर्क में रहने से हृदय और श्वसन संबंधी बीमारियों का जोखिम बढ़ सकता है।

बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएँ तथा पहले से हृदय या फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित लोग विशेष रूप से संवेदनशील होते हैं। प्रदूषण के दिनों में छाँसी, आँखों में जलन, सांस लेने में परेशानी और अस्थमा के लक्षण बढ़ सकते हैं।

इसका प्रभाव शिक्षा, कामकाज और जीवन की गुणवत्ता पर भी पड़ता है। जब बच्चे खुले मैदान में खेलने से बचने लगें, बुजुर्ग सुबह की सैर न कर सकें और लोगों को सामान्य गतिविधियाँ सीमित करनी पड़ें, तो यह केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का संकट बन जाता है।

केवल सलाह नहीं, ठोस कार्रवाई चाहिए वायु प्रदूषण के दौरान लोगों को मास्क पहनने, बाहर की गतिविधियाँ कम करने और सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। ये उपाय कुछ परिस्थितियों में उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन इनसे प्रदूषण के मूल

कारण समाप्त नहीं होते।

सरकारों को प्रदूषण के स्रोतों की पहचान करके नियमित निगरानी करनी चाहिए। सार्वजनिक परिवहन को बेहतर बनाना, स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रित करना, कचरा खुले में जलाने पर प्रभावी रोक लगाना और औद्योगिक उत्सर्जन के नियमों का पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है।

शहरों में केवल पौधे लगाने के अभियानों के बजाय मौजूदा पेड़ों और हरित क्षेत्रों की रक्षा भी जरूरी है। पेड़ पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण हैं, लेकिन वे वाहन उत्सर्जन, औद्योगिक धुएँ और खुले में कचरा जलाने का विकल्प नहीं बन सकते। प्रदूषण कम करने के लिए स्रोत पर नियंत्रण सबसे प्रभावी रणनीतियों में से एक है। राज्यों के बीच समन्वय भी आवश्यक है, क्योंकि हवा प्रशासनिक सीमाओं को नहीं मानती। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और अन्य प्रभावित क्षेत्रों को साझा वैज्ञानिक जानकारी, बेहतर योजना और निरंतर कार्रवाई के आधार पर काम करना चाहिए।

नागरिक क्या कर सकते हैं? प्रत्येक नागरिक का योगदान महत्वपूर्ण है। छोटी-छोटी आदतें मिलकर सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं।

- निजी वाहन के स्थान पर जहाँ संभव हो, सार्वजनिक परिवहन, साइकिल या साझा वाहन का उपयोग करें।

- कचरा, पत्तियाँ और कृषि अवशेष खुले में न जलाएँ।

- बिजली और ईंधन की अनावश्यक खपत कम करें।

- स्थानीय वायु गुणवत्ता सूचकांक की जानकारी रखें और प्रदूषण अधिक होने पर बाहरी गतिविधियों में सावधानी बरतें।

- बच्चों, बुजुर्गों और श्वसन रोगियों की विशेष देखभाल करें।

- प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों की सूचना संबंधित अधिकारियों को दें और पर्यावरण संबंधी जन-जागरूकता में भाग लें।

प्रदूषण अधिक होने पर अच्छी गुणवत्ता वाला, सही फिटिंग का एन95 या समकक्ष रेस्पिरैटर सूक्ष्म कणों के संपर्क को कम करने में मदद कर सकता है। हालांकि, कोई भी मास्क सभी प्रदूषकों से पूर्ण सुरक्षा नहीं देता।

सर्दी से पहले जागना होगा हर साल हवा खराब होने पर चिंता व्यक्त करना और कुछ दिनों बाद सब कुछ भूल जाना पर्याप्त नहीं है। यदि प्रदूषण के कारण हर वर्ष वही संकट लौटता है, तो इसका अर्थ है कि हमारे समाधान अभी पर्याप्त प्रभावी नहीं हैं।

स्वच्छ हवा किसी विशेष वर्ग का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की बुनियादी आवश्यकता है। इसे सुनिश्चित करना सरकार, उद्योग, किसानों और आम नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है।

संक्षिप्त समाचार

पदक विजेता खिलाड़ियों को नवंबर में मिलेगी नौकरी

देहरादून एजेंसी। उत्तराखंड के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेलों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को आने वाले सप्ताह की नौकरी मिलने की उम्मीद है। खेल विभाग ने विभिन्न विभागों में खिलाड़ियों को आउट ऑफ टर्न नियुक्ति देने की प्रक्रिया तेज कर दी है। विभाग के अनुसार नवंबर के आरंभ में सप्ताह तक खिलाड़ियों को नियुक्तिपत्र दे दिए जा सकते हैं। खेल विभाग के मुताबिक सरकारी नौकरी के लिए पत्र खिलाड़ियों को आवेदन किया है, इनमें पिछले पांच वर्षों के दौरान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ी भी शामिल हैं। विभाग इन खिलाड़ियों को उनकी खेल उपलब्धियों के आधार पर विभिन्न विभागों में नियुक्ति देने की प्रक्रिया अगेन बढ़ रहा है। विभाग का प्रयास है कि राज्य स्थापना दिवस को नवंबर तक नियुक्ति पत्र जारी कर दिए जाएं। हालांकि निर्धारित समय तक प्रक्रिया पूरी नहीं होने की स्थिति में नवंबर के आरंभ में सप्ताह तक हर हाल में खिलाड़ियों को नियुक्तिपत्र देने की तैयारी है। विभाग का कहना है कि खिलाड़ियों को नियुक्ति देने से प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलेगा और युवा खिलाड़ियों का खेलों के प्रति आकर्षण भी बढ़ेगा। खेल विभाग के मुताबिक पदक विजेता खिलाड़ियों के लिए विभिन्न विभागों में 290 पद हैं, विभाग को जो आवेदन मिले हैं, इनमें से करीब 150 अभ्यर्थियों को नियुक्ति मिल सकती है। अन्य खाली पदों को बाद में पदक विजेता खिलाड़ियों से भरा जाएगा।

**श्रेय नैथानी बने इनोवेटर ऑफ द ईयर,
पांच महिला वैज्ञानिक भी सम्मानित**

दहराबून एजेंसी। विज्ञान धाम में उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एंज प्रौद्योगिकी परिषद (यूकोएट) की ओर से आयोजित दो दिवसीय 21वां उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एंज प्रौद्योगिकी सम्मेलन सोमवार को संपन्न हुआ। सम्मेलन में श्रेय नैथानी को इन्वोकेटर ऑफ द ईयर चुना गया जबकि पांच महिला वैज्ञानिकों को सम्मानित की गई। समापन सत्र में मुख्य घुस्नरा अनुकुल राधा रतुडी मुखु अतिथि रहलें। अधुशुक्ता डॉ. सतपाल सिंह बिष्ट ने की, जबकि पूरुष डीआईजी अनिल रतुडी, विज्ञान भारती के अधुशुक्ता केडी पुरोहित और जीबीपी एनआईएचई के निदेशक डॉ. आईडी भट्ट विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सम्मेलन के दूसरे दिन आपदा सहनशीलता, आईटीफिशियल इंटेलेजेंस, साइबर-भौतिक प्रणालियाँ, रक्षा तकनीक, स्ट्रेम में महिलाओं की भारगीदारी और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियाँ जैसे समसामयिक मुद्दों पर आठ गहन विचार-मंथन सत्र आयोजित किए गए। तकनीकी सत्रों के दौरान कुल 261 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें 189 मौखिक और 72 पोस्टर प्रस्तुतियाँ शामिल थीं। कृषि, जैव प्रौद्योगिकी, रसायन विज्ञान, पृथ्वी विज्ञान और गणित समेत 12 विषयों में उकृष्ट शोध प्रस्तुत करने वाला युवा शोधकर्ताओं को पुरस्कृत किया गया। समारोह में उकृष्ट सहयोग देने वाले दून विवि और। ग्राफिक एरा हिल विवि के पांच छात्रों को भी सम्मानित किया गया। यूकोएट महानिदेशक प्रो. दुर्गाश पंत ने बताया कि सम्मेलन ने हिमालयी राज्य की चुनौतियों से निपटने में विज्ञान को नीति और समाज से जोड़ने का संकल्प दोहराया गया।

नशे में जा रहे व्यक्ति से लूट के दौरान हत्या

देहरादून एजेंसी। पटेलनगर कोतावाली क्षेत्र की सेवला खुर्द में सड़क किनारे मिले लावारिस शव की आरंभी सुचनाज्ञाते हुए पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के गुणथ में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी अशरफ उर्फ काला और सफदर ने शराब के नशे में जा रहे व्यक्ति को लुटने के इरादे से उसका पीछा किया था। सुनसान जगह पर उससे मारपीट कर पैसे छीनने की कोशिश की। इसी दौरान एक आरोपी ने उसे जोर से धक्का दे दिया, जिससे वह सड़क पर गिर गया। अंदरूनी चोट लगने के कारण उसकी मौत हो गई। आरोपियों को जब इसका पता चला तो वे मौके के भाग निकले। थाना प्रभारी नरेश राठौर ने बताया कि 20 अक्टूबर की सुबह कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचना मिली कि सेवला खुर्द में राजा-राणी वेंडिंग व्यूट के पास सड़क किनारे एक व्यक्ति अचेत अवस्था में पड़ा है। पटेलनगर पुलिस मौके पर पहुंची और उसे अस्पताल ले गई, जहाँ चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के कपड़ों की तलाशी में पहचान संबंधी कोई दस्तावेज नहीं मिला। उसकी शिनाख्त के लिए शव को 72 घंटे तक मोर्चरी में रखा गया, लेकिन पहचान नहीं हो सका। इसके बाद पोस्टमार्टम करकर पटेलनगर में शव का अंतिम संस्कार कर दिया। पुलिस मृतक की पहचान के प्रयास कर रही थी। इस दौरान आसपास के लोगों से पूछताछ और घटनास्थल के सीसीटीवी कैमरों की जांच में अहम सुरण मिली। फुटजे में दो व्यक्ति मृतक के पीछे जाते दिखाई दिए। इनमें से एक ने अचानक उसके साथ मारपीट की और सड़क पर धक्का दे दिया। व्यक्ति के गिरने के बाद दोनों वहां से चले गए। व्यक्ति के गिरने के बाद वापस लौटकर उन्होंने उसे हिलाकर देखा और फिर वहां से फरार हो गए।

उत्तराखंड

दिल्ली, बुधवार 28 अक्टूबर 2026

विधानसभा सत्र के पहले ही दिन भारी हंगामा, जंगलचट्टी पर प्रदर्शनकारियों ने रोका रास्ता



मुद्दों पर चर्चा के लिए पर्याप्त समय मिलना चाहिए. इन प्रदर्शनों के चलते सत्र शुरू होने से पहले ही विधानसभा जाने वाले मार्ग पर दबाव बढ़ गया और मार्ग पर उतावता व्यवस्था प्रभावित होती दिखाई दी.

प्रधान संगठन ने सरकार पर लगाया
वादाखिलाफी का आरोप: प्रधान संगठन के अध्यक्ष आनंद सिंह चौहान ने कहा कि संगठन लंबे समय से अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर सरकार के सामने आवाज उठा रहा है. उनके मुताबिक, पिछले करीब छह महीने से प्रधान अपनी मांगों को लेकर लगातार प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है. चौहान ने आरोप

है, जबकि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है. मनरेगा से जुड़े मुद्दे और प्रधानों के मानदेय समेत अन्य मांगें संगठन के प्रमुख मुद्दों में शामिल हैं.

प्रधान संगठन ने लगाए गंभीर आरोप: प्रधान संगठन के उपाध्यक्ष सुरेश उनियाल ने भी सरकार पर प्रधानों के हितों की अनेकद्वी करीब का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि जब लगातार मांग उठाने के बाद भी

युनवाइ नहीं हुई, तो सांठन को विरोध का रास्ता अपनाया पड़ा. उर्नियाल ने विधानसभा सत्र की अवधि पर भी सवाल उठाए. उनका कहना था कि केवल दो दिन के सत्र में प्रदेश के महत्वपूर्ण मुद्दों पर पर्याप्त चर्चा नहीं हो सकती. उन्होंने कम से कम 10 से 15 दिन का सत्र आयोजित करने की मांग की, ताकि युवाओं के रोजगार, महिलाओं के उत्पीड़न, अफिता हत्याकांड, भू-कानून, स्थानीय लोगों के अधिकार और गैरसैनिकों की स्थायी राजधानी बनाने जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हो सके.

स्वराज अभियान में भी उठाए जनहत्या के मुद्दे: प्रदर्शन में शामिल स्वराज अभियान से जुड़े सुरेश चंद्र और रमेश जोशी ने भी दो दिन के विधानसभा सत्र पर आपत्ति जताई, उन्होंने कहा कि इतने कम समय में प्रदेश की जनता से जुड़े गंभीर मुद्दों पर सांथक चर्चा कर पाना मुश्किल है. उनके मुताबिक, बेरोजगारी, महिलाओं के साथ होने वाले उत्पीड़न, अफ़िका हत्याकांड, भू-कानून और श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी जैसे विषयों पर सरकार और विपक्ष के बीच विस्तार से चर्चा होनी चाहिए. प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि विधानसभा सत्र की अवधि कम रखे जाने से जनता के सवालों को पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा है. उन्होंने सरकार की कार्रवाइयों पर भी सवाल उठाए और कहा कि प्रदेश के लोगों से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए.

एक सप्ताह में कैदियों के भोजन के बजट को
ब्योरा देने के निर्देश, सूचना आयोग ने दिया आदेश



देहरादून, एजेंसी पिथौरागढ़ जिला कारागार में कैदियों के भोजन पर होने वाले खर्च और उसकी गुणवत्ता जांच से जुड़ी जानकारी अब छिपी नहीं रहेगी। राज्य सूचना आयोग ने कारागार प्रशासन को आरटीआई के तहत मांगी गई पूरी जानकारी सात दिन के भीतर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। इसमें भोजन का बजट, खर्च की गई राशि और गुणवत्ता जांच कमेटी की बैठकों का ब्योरा शामिल है। पिथौरागढ़ जिला कारागार में कैदियों के भोजन पर आवंटित बजट, खर्च की गई धनराशि और भोजन की गुणवत्ता जांचने की व्यवस्था का ब्योरा अब सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत देना होगा। राज्य सूचना आयोग ने मामले की सुनवाई करते हुए कारागार प्रशासन को सात दिन के भीतर मांगी गई पूरी जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। राज्य सूचना आयोग ने कारागार प्रशासन से कैदियों के भोजन की गुणवत्ता जांचने के लिए गठित कमेटी की बैठकों का ब्योरा मांगा था। उन्होंने भोजन के लिए आवंटित बजट और अब तक खर्च की गई राशि की जानकारी भी मांगी थी। इसके अलावा उन्होंने कारागार में स्वास्थ्यकर्मियों के स्वीकृत पदों, भरे और रिक्त पदों की संख्या, कैदियों को रखने की क्षमता और वर्तमान में बंद कैदियों की संख्या का विवरण मांगा था। आरटीआई के तहत उचित जवाब नहीं मिलने पर किशोर राम ने पहले विभागीय अपील और फिर राज्य सूचना आयोग में द्वितीय अपील दायर की।

भीतर मांगी गई पूरी जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। राज्य सूचना अधिनियम कुशला नंद कोठियाल के सम्बन्ध पृष्ठों के मामले में शिखर राम ने जिला कारागार से कैदियों के भोजन की गुणवत्ता जांचने के लिए गतिष्ठ कमेट्री की बैठकों का ब्योरा मांगा था। उन्होंने भोजन के लिए आवॉरिष्ठ बजट और अब तक खर्च की गई राशि की जानकारी भी मांगी थी। इसके अलावा उन्होंने कारागार में स्वास्थ्यकर्मियों के स्वीकृति पदों, भरे और रिक्त पदों की संख्या, कैदियों को रखने की क्षमता और वर्तमान में बंद कैदियों की संख्या का विवरण मांगा था। आरटीआई के तहत उचित जवाब नहीं मिलने पर शिखर राम ने पहले विभागीय अपील और फिर राज्य सूचना आयोग में द्वितीय अपील दायर की।

अशासकीय विद्यालयों में खुलेगा भर्तियों का पिटारा

सरकार ने भर्ती प्रक्रिया पर लगाई रोक हटाई

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के सहायता प्राप्त अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में लंबे समय से अटकी भर्तियों का रास्ता साफ हो गया है। राज्य सरकार ने शैक्षिक और शिक्षणेत्तर संवर्ग के खाली पदों पर भर्ती से रोक हटा दी है। अब विद्यालय प्रबंधन समितियाँ छत्र संख्या के आधार पर रिक्त पदों को भर सकेंगी। प्रदेश के सहायता प्राप्त अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में शैक्षिक व शिक्षणेत्तर संवर्ग में खाली पदों पर भर्ती होगी। राज्य सरकार ने चुनावी वर्ष में छत्र हितों को देखते हुए लंबे समय से भर्ती प्रक्रिया पर लगी रोक हटा दी है। अब विद्यालय प्रबंधन समिति छत्र संख्या के हिसाब से अपने विद्यालयों में खाली पदों को भर सकेंगी। शिक्षा मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने व विद्यालयों में आवश्यक मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में सरकार ने माध्यमिक के सहायता प्राप्त अशासकीय प्रारंभिक विद्यालयों में शैक्षिक व शिक्षणेत्तर संवर्ग के पदों पर लगी रोक को हटा दी है।

अब इन विद्यालयों में प्रबंधन समिति



खाली पदों पर भर्ती कर सकेगी। डॉ.रावत में कहा कि कुछ विद्यालयों की प्रबंधन समिति शिक्षकों व कॉमिनों की भर्ती को लेकर हाईकोर्ट की शरण ले रही हैं, जबकि बिना पहुँच वाले विद्यालय अल्प शिक्षकों से ही काम चला रहे हैं। इससे सभी विद्यालयों में नियमित शिक्षकों व कॉमिनों की नियुक्ति का निर्णय लिया गया है। डॉ.रावत ने कहा कि अशासकीय विद्यालयों में भर्ती प्रक्रिया निर्धारित नियमों, मानकों और पारदर्शिता के साथ कराई जाएगी। भर्ती प्रक्रिया केवल उन्हीं स्वीकृत खाली पदों पर आगे बढ़ाई जाएगी, जिन्हें सक्षम स्तर से पुनर्जीवित या बहाल किया गया हो। इससे भविष्य में किसी भी प्रकार की प्रशासनिक अड़चनों से बचा जा सके। शिक्षा मंत्री डॉ.रावत ने कहा कि शिक्षकों की भर्ती में विद्यालयों की वास्तविक आवश्यकता और छात्र संख्या को प्राथमिकता दी जाएगी। छात्र संख्या के अनुसार ही शिक्षकों के पदों पर भर्ती सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि अशासकीय विद्यालयों में भर्ती प्रक्रिया के दौरान निर्धारित नियमों व शासनदेशों का सख्ती से पालन किया जाए।

जिन्हें सक्षम स्तर से पुनर्जीवित या बहाल किया गया हो। इससे भविष्य में किसी भी प्रकार की प्रशासनिक अड़चनों से बचा जा सके। शिक्षा मंत्री डॉ. रावत ने कहा कि शिक्षकों की भर्ती में विद्यालयों की वास्तविक आवश्यकता और छात्र संख्या को प्राथमिकता दी जाएगी। छात्र संख्या के अनुरूप ही शिक्षकों के पदों पर भर्ती सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि अशासकीय विद्यालयों में भर्ती प्रक्रिया के दौरान निर्धारित नियमों व शासनादेशों का सख्ती से पालन किया जाए।

विधानसभा सत्र के लिए गैरसैंण पहुंची 'सरकार', क्षेत्र में बड़ी रौनक

गैरसैन्य, एजेंसी। उत्तराखंड की ग्रीष्मकालीन राजधानी भराड़ोसैन्य (गैरसैन्य) में 27 अक्टूबर से शुरू होने जा रहे विधानसभा सत्र को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। सीएम पुष्कर सिंह धामी, विधानसभा अध्यक्ष शत्रु खंडूजी, कैबिनेट मंत्री, विधायक और अधिकारी गैरसैन्य पहुंच चुके हैं। यह पंचम विधानसभा का वर्ष 2026 का तीसरा सत्र होगा। साथ ही, इसे धामी सरकार का अंतिम विधानसभा सत्र भी माना जा रहा है। ऐसे में इस सत्र पर सभी की नज़रें टिकी हैं। सत्र के दौरान सदन में जनहित से जुड़े मुद्दों, विधायकों के सवालों और सरकार के जवाबों पर खास नजर रहेगी। विधानसभा अध्यक्ष शत्रु खंडूजी भूषण ने आगामी सत्र को लेकर उम्मीद जताई कि सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलेगी और सरकारत्मक माहौल में जनहित के मुद्दों पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि यह वर्ष 2026 का तीसरा सत्र है और वर्तमान सरकार का अंतिम सत्र होने

जा रहा है। ऐसे में सभी सदस्यों को अपनी बात मजबूती से रखने का अवसर मिलना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष ने विवासन जात्या कि सदन में विधायक जनता से जुड़े महत्वपूर्ण सवाल उठाएंगे और उन सवालों पर सार्थक चर्चा होगी। ऋतु खंडूटी भूषण ने यह भी उम्मीद जताई कि सरकार को और से सभी विधायकों को उनके सवालों के उचित और संतोषजनक जवाब मिलेंगे। विधानसभा सत्र लोकार्पणिक व्ययस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जहाँ जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र की समस्याओं और जनता से जुड़े मुद्दों को सरकार के सामने रखते हैं। ऐसे में सदन की कार्यवाही के दौरान सवाल-जवाब और विभिन्न विषयों पर होने वाली चर्चा महत्वपूर्ण रहेगी। विधानसभा अध्यक्ष ने सभी सदस्यों से सत्र को सफल बनाने में सहयोग की उम्मीद जताई और इसके सफल संचालन के लिए शुभकामनाएं दीं।

सीएम धामी का जोरदार स्वागत: वहाँ

भाराडीसैण (गैरसैण) पहुँचे मुख्यमंत्री गैरसैण का स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पार्टी कार्यकर्ताओं और आम जनता ने भव्य स्वागत किया. कर्णप्रयोग विधायक अनिल नौटियाल और थराली विधायक भूपाल राम टम्टा ने फूलों के गुलदस्तों और परंपरिक पहाड़ी शॉल दे कर मुख्यमंत्री की अगुवानी की. इसके साथ ही प्रशासनिक स्तर पर जिलाधिकारी गौरव कुमार, पुलिस अधीक्षक सुरजजीत सिंह पंवार और मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री का स्वागत कर सख्ता एवं व्यवस्थित की जानकारी दी.

आदिबन्दी में आम जनता और बच्चों से आत्मीय संवाद: भराड़ीसँग जाते समय सीएम पन्ना धामी का काफिला जब आदिबन्दी क्षेत्र में पहुँचा, तो उन्होंने सुरक्षा प्रोटोकॉल से हटकर एक बेहद कम सहज और आत्मीय रूप दिखाया. मुख्यमंत्री ने आदिबन्दी की स्थानीय दुकानों पर पहुँचकर आम दुकानदारों, राहगीरों और बच्चों से सीधे

मुलाकात की. उन्होंने बच्चों को दुलारे हुए उनका कुशलक्षेम जाना और स्थानीय लोगों से क्षेत्र की समस्याओं व विकास पर सीधा संवाद किया। मुख्यमंत्री के इस सादगीपूर्ण और आत्मीय व्यवहार से स्थानीय जनता बेहद गदगद नजर आई। विभिन्न स्थानों पर उमड़े जलसैलाब का अभिवादन स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री ने जनता से मिले इस असीम स्नेह और आदर के लिए सभी का सहृदय आभार व्यक्त किया।

आदिबद्री मंदिर में टंका माथा, राज्य की खुशहाली की कामना: इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऐतिहासिक एवं पौराणिक आदिबद्री मंदिर में पहुंचकर भगवान नारायण के दर्शन किए। मुख्यमंत्री ने भगवान से सम्पन्न उत्तराखंडवासियों के सुख, समृद्ध और निरोगी जीवन की प्रार्थना की। उन्होंने कामना की कि देवभूमि उत्तराखंड निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहे।

सीएम धामी ने किए आदिबंदी के दर्शन



संक्षिप्त समाचार

नगर निगम का मुख्य गेट जर्जर, रस्सी से बांधकर किया गया सुरक्षित
गोरखपुर , एंजेंसी। शहर के 80 वाडों में विकास और सौंदर्यीकरण के दावे करने वाले नगर निगम का मुख्य गेट ही जर्जर हालत में है। लोहे के भारी गेट के एक हिस्से को रस्सी से बांधकर रखा गया है। हालांकि, गेट को खतरनाक स्थिति में नहीं बताया जा रहा है, लेकिन उसकी जर्जर हालत के कारण एहतियातन ऐसा किया गया है।
नगर निगम परिसर में अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों का आवाजाही रहती है। ऐसे में गेट की मरम्मत और रखरखाव पर ध्यान देना जरूरी है। नगर निगम की ओर से शहर की सड़कों, गलियों और चौराहों के विकास व सौंदर्यीकरण पर लगातार काम कराया जा रहा है।
मायाबाजार वाई समेत कई इलाकों में विकास कार्यों पर लाखों-करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। दूसरी ओर, निगम के अपने मुख्य प्रवेश द्वार की जर्जर हालत रखरखाव व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। गेट को रस्सी से बांधकर रखने के बजाय उसकी मरम्मत कराना जरूरी है, ताकि परिसर में आने-जाने वाले लोगों को असुविधा न हो और प्रवेश द्वार की स्थिति बेहतर बनी रहे।
नगर निगम के मुख्य अभियंता अमित शर्मा ने बताया कि मुख्य द्वार पर किसी वाहन से थोड़ी टक्कर हो गई थी। यह खतरनाक नहीं है लेकिन इसे ठीक करा दिया जाएगा।

किशोर न्याय बोर्ड को शहर से बाहर ले जाने का विरोध, डीएम को दैंगे ज्ञापन

गोरखपुर , एंजेंसी। किशोर न्याय बोर्ड को शहर से बाहर स्थानांतरित किए जाने की संभावित व्यवस्था के विरोध में बार एसोसिएशन सिविल कोर्ट ने आवाज उठाई है। एसोसिएशन के पदाधिकारी मंगलवार को जिलाधिकारी से मिलकर ज्ञापन देंगे और बोर्ड को शहर के भीतर ही संचालित रखने की मांग करेंगे।
एसोसिएशन के मंत्री अनुज अस्थाना ने कहा कि किशोर न्याय बोर्ड को शहर से बाहर ले जाने पर अधिवक्ताओं और किशोरों के परिजन को आने-जाने में काफी परेशानी होगी। आवागमन में अधिक समय लगने से न्यायिक कार्य भी प्रभावित हो सकता है।
उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं की सुविधा और न्यायिक प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए बोर्ड को शहर से बाहर स्थानांतरित नहीं किया जाना चाहिए। इसी मांग को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

वाल्मीकि जयंती पर एक-दूजे के हुए 65 जोड़े

कानपुर, एंजेंसी। महर्षि वाल्मीकि जयंती पर सोमवार को मोतीझील स्थित वाल्मीकि उपवन में महर्षि वाल्मीकि जन्मोत्सव के केंद्रीय मेला कमेटी की ओर से साप्ताहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। इसमें 65 जोड़े वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सात फेरे लेकर विवाह बंधन में बंधे।
कार्यक्रम का शुभारंभ महर्षि वाल्मीकि के चित्र के सामने दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद लाजपत भवन से बैड-बाजे के साथ बारात निकली। दूल्हे घोड़ी पर सवार होकर विवाह स्थल पहुंचे। यहां दुल्हनों के परिजनों ने द्वारचार की रस्म निभाई। मंगलगीतों के बीच वर-वधु ने एक-दूसरे को जयमाला पहनाई। मेला कमेटी ने नवदंपतियों को उपहार दिए।
सनातन वैदिक रामराज परिषद की ओर से रामचरितमानस और मिठाई भेंट की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्रजेंद्र माकोरिया ने की और संचालन प्रकाश हजारिया ने की। देवीदीन भाऊ, संजय हजारिया, रामनारायण, दिलीप तांबे, मुन्ना हजारिया, रामस्वरूप और रमाकांत मिश्रा ने आयोजन में सहयोग किया।
नवदंपतियों को राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के उपाध्यक्ष हरदीप सिंह गिल, मंत्री प्रतिभा शुक्ला, पूर्व सांसद राजाराम पाल, अनिल सोनकर वारसी, पूर्व विधायक सतीश निगम, उधमी नरेंद्र शर्मा और लालू गंगवानी समेत अन्य लोगों ने आशीर्वाद दिया।

एक नवंबर की दिल्ली में महारैली के लिए कांग्रेस ने कसी कमर

कानपुर, एंजेंसी। दिल्ली के रामलीला मैदान में एक नवंबर को प्रस्तावित कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की महारैली के लिए कानपुर मंडल में तैयारियां तेज हो गई हैं। पार्टी ने मंडल से हजारों माओकर्तियों को दिल्ली पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।
यह जानकारी सोमवार को तिलक हाल में पार्टी नेताओं ने दी। महारैली में मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों, वोट चोरी, लोकतांत्रिक अधिकारों के उभरे पर कब्जे सरकार, मुख्य चुनाव आयुक्त का विरोध किया जाएगा।
। यह जानकारी राष्ट्रीय पर्यवेक्षक मनमोहन कटोच ने प्रेसवार्ता में दी। राष्ट्रीय सचिव जगदीश जातिड़ ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी समेत विभिन्न मुद्दों से जनता परेशान है।

उत्तरप्रदेश चुनाव से पहले भाजपा ने सजाई दिग्गजों की टीम, विनय कटियार और जोशी को भी सम्मान



लखनऊ , एंजेंसी। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों और 30 अक्तूबर को होने वाली कार्यसमिति की बैठक से पहले भाजपा ने सोमवार को 712 सदस्यीय विशाल प्रदेश कार्यसमिति घोषित कर संगठनात्मक तैयारी को नया आकार दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत प्रमुख नेताओं को शामिल करने के साथ पार्टी ने वरिष्ठ नेतृत्व, पुराने चेहरों और सामाजिक प्रतिनिधित्व को एक मंच पर लाने का प्रयास किया है। खास बात यह है कि भाजपा की कार्यसमिति की घोषणा से कुछ घंटे पहले ही सपा में शामिल होने वाले बदायूं के दातागंज के पूर्व विधायक सिनोद शाक्य को भी कार्यसमिति



में शामिल किया गया है।
प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की ओर से जारी तीन श्रेणी की सूची में स्थाई आमंत्रित सदस्य के तौर पर 30 नेताओं को शामिल किया गया है। इनमें पीएम मोदी, राजनाथ सिंह, सीएम योगी दोनो डिप्टी सीएम समेत कई केन्द्रीय मंत्री और सांसद शामिल हैं। वहीं, विशेष आमंत्रित सदस्यों में कुल 134 नेताओं को शामिल किया गया है। इनमें भी पार्टी के राष्ट्रीय और प्रदेश संगठन के वर्तमान और पूर्व पदाधिकारियों के अलावा प्रदेश सरकार के मंत्रियों को शामिल किया गया है। जबकि प्रदेश कार्यसमिति में 548 कार्यकर्ताओं को शामिल किया गया है। अब तक के सबसे बड़ी कार्यसमिति में जहां सात मुस्लिम नेताओं को स्थान दिया



गया हैं, वहीं, वयोवृद्ध नेता डॉ. मुरली मनोहर जोशी समेत तमाम पुराने नेताओं को भी कार्यसमिति में शामिल किया गया है। सूची में मोदी, योगी और राजनाथ सिंह के मौजूदगी केंद्र और प्रदेश नेतृत्व के साझा राजनीतिक संदेश को रेखांकित करती है। वहीं, डॉ. मुरली मनोहर जोशी और विनय कटियार को जगह देना पार्टी के पुराने नेतृत्व और वैचारिक विरासत को संगठनात्मक ढांचे में सम्मान देने का संकेत है। इसका एक राजनीतिक पहलू यह भी है कि चुनावी तैयारी के दौरान भाजपा अपने वरिष्ठ नेताओं को संगठन से जोड़े रखना चाहती है। कार्यसमिति में सात मुस्लिम नेताओं को शामिल कर भाजपा संगठन में अल्पसंख्यक प्रतिनिधित्व का संदेश देने की भी कोशिश

समितियों में बंद खाद...संकट में गेहूं की बोआई

लखनऊ, एंजेंसी। सचिवों और कर्मचारियों की हड़ताल से लखनऊ की 75 सहकारी समितियों पर ताला लटका है। खाद वितरण ठप होने से गेहूं की समय से बोआई पर संकट है। आलू, मटर, सरसों की खेती भी प्रभावित हो रही है। समितियों की दौड़ लगा रहे किसानों का मायूस लौटना पड़ रहा है। किसान निजी दुकानों पर अधिक दामों पर खाद बेचने का आरोप लगा रहे हैं। हालांकि, एआर कोऑपरेटिव वैशाली सिंह कुछ समितियों के खुलने का दावा कर रही हैं।

समितियों से जुड़े हैं करीब 1.50 लाख किसान: साधन समिति सचिव परिषद (लखनऊ इकाई) के मीडिया प्रभारी पवन यादव ने बताया कि लखनऊ की सभी समितियां बंद हैं। एक समिति से करीब दो हजार किसान जुड़े हैं। इस तरह जिले की सभी समितियों पर करीब डेढ़ लाख किसान हैं। जिला कृषि अधिकारी डॉ. मेनका ने बताया कि जिले में गेहूं का रकबा लगभग 89 हजार हेक्टेयर है। समितियां बंद होने से समस्या तो है लेकिन निजी दुकानों पर खाद का वितरण हो रहा है।



इसलिए हड़ताल पर हैं सचिव: सचिव मानदेय और बकाये वेतन का भुगतान न होने से नाराज हैं। वे पांच दिनों से इंसो गार्डन में अनशन कर रहे हैं। सचिवों के साथ-साथ अकाउंटेंट, चौकीदार और कंप्यूटर ऑपरेटर भी भुगतान न होने से परेशान हैं। चूँकि सचिवों के हस्ताक्षर से ही खाद का वितरण होता है, इसलिए उनके कार्य बहिष्कार से किसानों को खाद नहीं मिल पा रही है।

स्टॉक पर्याप्त, 10 समितियों पर ताला...नहीं मिल रही खाद: माला क्षेत्र की माल, नवीडांडा, बहिर गोड़वा, रुदानखेड़ा,

दिल्ली, बुधवार 28 अक्टूबर 2026

ये मुस्लिम चेहरे भी बने हैं सदस्य
इसके अलावा कार्यसमिति में कुल सात मुस्लिम चेहरों को शामिल किया गया है। स्थाई आमंत्रि सदस्य के तौर पर पूर्व केंद्रीय मंत्रीमुख्तार अब्बास नकवी, तारिक मंसूर, कुंवर बासित अली को तो प्रदेश सरकार में मंत्री दानिश आजाद अंसारी को विशेष आमंत्रित और अशफाक सैफी, गैरुल हसन रिजवी व हैदर अब्बास चांद को प्रदेश कार्यसमिति में शामिल किया गया है।

ये 30 नेता बने कार्यसमिति में स्थायी आमंत्रित सदस्य
कार्यसमिति में स्थाई सदस्य के तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कुल 30 प्रमुख नेताओं को स्थान दिया गया है। इस सूची में दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक भी शामिल हैं। संगठन से जुड़े राष्ट्रीय पदाधिकारियों में रेखा वर्मा, तारिक मंसूर, स्मृति ईरानी, हरीश द्विवेदी, भोला सिंह, संगीता यादव, अमरपाल मौर्य और कुंवर बासित अली को स्थायी आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। इसके अलावा केंद्रीय मंत्रियों में हरदीप सिंह पुरी, बीएल वर्मा, कमलेश पासवान, जितिन प्रसाद, एसपी सिंह बघेल और कीर्तिवर्धन सिंह के नाम सूची में दर्ज हैं। वरिष्ठ नेताओं तथा पूर्व प्रदेश अध्यक्षों में मुरली मनोहर जोशी, ओमप्रकाश सिंह, विनय कटियार, रमापति राम त्रिपाठी, सूर्य प्रताप शाही, लक्ष्मीकान्त वाजपेयी, महेन्द्र नाथ पाण्डेय, स्वतंत्र देव सिंह, भूपेन्द्र सिंह चौधरी के अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति और मुख्तार अब्बास नकवी को इस समिति में जगह दी गई है।

इमरजेंसी में चालक से होगी बात, हर कोच में कैमरा, सीट से नियंत्रित होगी एसी, 31 को उद्घाटन

वाराणसी, एंजेंसी। वाराणसी से नई दिल्ली रूट पर चलने वाली देश की दूसरी स्लीपर वंदेभारत ट्रेन में हॉई टक्नोलॉजी सिस्टम का लाभ यात्रियों को मिलेगा। ट्रेन के हर कोच की सीसी कैमरे से निगरानी होगी। जरूरत के हिसाब से एसी को यात्री खुद अपनी सीट से एडजस्ट कर सकेंगे। कोच में टॉक बैक सिस्टम भी लगाया गया है। इससे इमरजेंसी की स्थिति में यात्री चालक से बात कर सकेंगे। स्लीपर वंदेभारत को रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव 31 अक्तूबर को बनारस रेलवे स्टेशन से रवाना करेंगे।यूपी की पहली स्लीपर वंदेभारत ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों को मेट्रो ट्रेन और बहुत सी सुविधाएं ऐसी मिलेंगी, जो हवाई यात्रा के दौरान मिलती है। आरामदायक सीट होने के साथ ही ट्रेन में कंवच सिस्टम भी लगा है। किसी तरह की इमरजेंसी की स्थिति में ट्रेन आगे बढ़ नहीं पाएगी। सामान्य स्लीपर ट्रेन की तुलना में इस वंदेभारत स्लीपर ट्रेन की सीट चौड़ी होने के साथ ही आरामदायक भी है। यात्रा के दौरान कोई झटका महसूस नहीं होगा। दरवाजे सामान्य वंदेभारत ट्रेन की तरह खुलेंगे। हर कोच में यात्रियों को उनकी सीट के पास ही सी टाइप मोबाइल चार्जिंग, स्टेशन का नाम बताने वाला डिस्प्ले सिस्टम भी लगाया गया है। वंदेभारत स्लीपर ट्रेन के उद्घाटन में अब केवल चार दिन बचे हैं। ऐसे में बनारस स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 8 पर रेल मंत्री के हाथों उद्घाटन की तैयारी शुरू हो गई है। रेलवे ट्रैक की रंगाई-पुताई, प्लेटफॉर्म 8 पर साफ-सफाई, जरूरत के हिसाब से नए सामानों को लगाने, यहां यात्री हाल में लंबे समय से बंद पड़े झरने को चलाने के कार्य चल रहे हैं। मंच बनाने के लिए भी सामान सोमवार को प्लेटफॉर्म पर गिरना शुरू हो गया है। पूर्वोत्तर रेलवे के डीआरएम आशीष जैन सहित अन्य अधिकारियों ने भी तैयारियों का जायज लिया।



समर्थ पोर्टल पर भरे गए एक लाख से अधिक परीक्षा फॉर्म

बरेली , एंजेंसी। रुहेलखंड विश्वविद्यालय के समर्थ पोर्टल पर स्नातक प्रथम और तृतीय सेमेस्टर के संस्थागत व बैक परीक्षा फॉर्म भरने वाले छात्रों की संख्या एक लाख के पार पहुंच गई है। वहीं, एंजेंसी के जरिये पांचवें सेमेस्टर के लिए अब तक 93 हजार फॉर्म भरे जा चुके हैं।

मीडिया प्रभारी अमित सिंह ने बताया कि समर्थ पोर्टल पर भरे जाने वाले प्रथम और तृतीय सेमेस्टर के परीक्षा फॉर्म की कुल संख्या एक लाख से ज्यादा है। इनमें से प्रथम सेमेस्टर के लिए 46,000 छात्र-छात्राओं ने अपने परीक्षा फॉर्म जमा किए हैं। तृतीय सेमेस्टर में अब तक 54000 फॉर्म भरे जा चुके हैं। पांचवें सेमेस्टर में बैक परीक्षा व संस्थागत वाले कुल एक लाख से अधिक अभ्यर्थी हैं, जिनमें से 93 हजार अभ्यर्थी परीक्षा फॉर्म भर चुके हैं।

आवेदन की अंतिम तिथियां: पांचवें सेमेस्टर के संस्थागत और बैक परीक्षा के फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 29 अक्तूबर निर्धारित की गई है। समर्थ पोर्टल के अभ्यर्थियों को 28 अक्तूबर और 29 अक्तूबर को फॉर्म भरने का अवसर मिलेगा। कॉलेजों में फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 30 अक्तूबर है। फॉर्म फॉरवर्ड करने की अंतिम तारीख 31 अक्तूबर है। इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के बरेली कॉलेज केन्द्र की समन्वयक प्रो. वंदना शर्मा ने बताया कि इस बार असाइनमेंट जमा करने अंतिम तिथि 31 अक्तूबर निर्धारित की गई है। इग्नू की परीक्षाएं इस बार 25 नवंबर से प्रस्तावित हैं। जिन अभ्यर्थियों ने असाइनमेंट जमा नहीं किए हैं, वे समय से असाइनमेंट जमा कर दें।

मऊ, एंजेंसी। उत्तर प्रदेश के मऊ जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है। हत्या के एक मामले में सजा से बचने के लिए आरोपी राजकुमार राजभर द्वारा रची गई साजिश के आगे फिल्मी कहानियां भी फेल नजर आती हैं। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने में कोई अड़चन न आए, इसके लिए शातिर आरोपी ने पहले खुद चिता पर लेटकर फोटो खिंचवाई, फिर चिता पर बकरे का शव रखकर उसका बकायदा अंतिम संस्कार करा दिया, ताकि किसी को शक न हो। इसके बाद परिजनों ने उसकी तेरहवीं का भोज भी आयोजित किया। यही नहीं, आरोपी की पत्नी ने इस झूठी मौत का नाटक कर बीमा के 10 लाख रुपये भी वसूल लिए। उधर, इस मामले में पुलिस की जांच के दायरे में दो होम्योपैथिक डॉक्टर भी आ गए हैं, जो इस साजिश में शामिल बताए जा रहे हैं। शहर कोतवाल प्रमेश सिंह ने बताया कि ख्वाजाहापुर निवासी राजू उर्फ राजकुमार राजभर (38) न केवल हत्या का आरोपी है, बल्कि बेहद शातिर भी है। हत्या के मुकदमे में आजीवन कारावास की सजा मिलने के डर से उसने खुद को कागजों में मृत घोषित करवा लिया।

हरान करने वाली बात यह है कि मृत घोषित होने के बाद भी आरोपी पिछले 18 महीनों से जिले में ही रहकर जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है। हत्या के एक मामले में सजा से बचने के लिए आरोपी राजकुमार राजभर द्वारा रची गई साजिश के आगे फिल्मी कहानियां भी फेल नजर आती हैं। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने में कोई अड़चन न आए, इसके लिए शातिर आरोपी ने पहले खुद चिता पर लेटकर फोटो खिंचवाई, फिर चिता पर बकरे का शव रखकर उसका बकायदा अंतिम संस्कार करा दिया, ताकि किसी को शक न हो। इसके बाद परिजनों ने उसकी तेरहवीं का भोज भी आयोजित किया। यही नहीं, आरोपी की पत्नी ने इस झूठी मौत का नाटक कर बीमा के 10 लाख रुपये भी वसूल लिए। उधर, इस मामले में पुलिस की जांच के दायरे में दो होम्योपैथिक डॉक्टर भी आ गए हैं, जो इस साजिश में शामिल बताए जा रहे हैं। शहर कोतवाल प्रमेश सिंह ने बताया कि ख्वाजाहापुर निवासी राजू उर्फ राजकुमार राजभर (38) न केवल हत्या का आरोपी है, बल्कि बेहद शातिर भी है। हत्या के मुकदमे में आजीवन कारावास की सजा मिलने के डर से उसने खुद को कागजों में मृत घोषित करवा लिया।



घूम-घूमकर शेयर बाजार और क्रिप्टो ट्रेडिंग का काम कर रहा था। जांच में सामने आया कि आरोपी ने वर्ष 2016 में ईंट-भट्ठा संचालक योगेश सिंह की हत्या की थी।

जब मामला कोर्ट में अंतिम दौर में पहुंचा और उसे सजा का डर सताने लगा, तब उसने इस शातिर योजना को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार, शेयर बाजार और क्रिप्टो में दो होम्योपैथिक डॉक्टरों का भी पैसा फंसा हुआ था, जिन्हें पुलिस अब चिह्नित कर रही है।

बकरे के अंतिम संस्कार से लेकर तेरहवीं तक का नाटक: पुलिस की पुछताछ में राजकुमार ने खुलासा किया कि उसने पहले खुद के बेहोश होने का नाटक किया, जिसके बाद परिजन उसे अस्पताल ले गए। वहां से उसकी ऐसी तस्वीरें तैयार की गईं, जिन्हें एडिट कर श्मशान घाट पर रखे शव जैसा दिखाया जा सके। इसके बाद रात के समय चिता



से शव हटाकर वहां बकरे की देह जलाई गई। इसी फर्जी आधार पर गाजीपुर से मृत्यु प्रमाण पत्र भी जारी करवा लिया गया। इसके बाद पत्नी ने रिश्तेदारों को बुलाकर तेरहवीं का भोज भी कराया। मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर बीमा कंपनी से करीब 10 लाख रुपये का बीमा क्लेम भी हड़प लिया गया।

अब पुलिस इस बात की गहराई से जांच कर रही है कि बीमा कंपनी को कौन-कौन से दस्तावेज सौंप गए थे और क्या इस पूरी साजिश में उसकी पत्नी भी बराबर की शामिल थी?

आरोपी के पुराने केस में कोर्ट में हाजिर कराया जाएगा। फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने पर अलग से प्राथमिकी दर्ज होगी। बीमा की 10 लाख की राशि के फॉंड की जांच होगी। फोटो एडिट करने वाले और प्रमाण पत्र बनाने वाले कर्मचारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है।

काशी में जुटेंगे 3000 साधु-संत: बलूच प्रतिनिधि भी हिस्सा लेंगे, मनुस्मृति व जैन-जी के लिए संवाद

वाराणसी, एंजेंसी। काशी में तीन से पांच नवंबर तक होने वाली छठवीं संस्कृति संसद में देशभर के करीब तीन हजार साधु-संत जुटेंगे। इनमें विद्वान, वैज्ञानिक, विशेषज्ञ, युवा और कलाकारों के साथ बलूचिस्तान के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

बलूचिस्तान की आजादी के मुद्दे पर मंथन के साथ आगे की रणनीति और रोडमैप तैयार की जाएगी। रॉ के पूर्व निदेशक एनके सूद भी अपनी पत्नी के साथ कार्यक्रम में शामिल होंगे। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक और महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे भी आ सकते हैं। मुख्य आयोजन से पहले दो नवंबर को अपराह्न तीन बजे श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में महारुद्राभिषेक होगा।



भारतीय अखाड़ा परिषद और श्री काशी विद्वत परिषद के मार्गदर्शन में गंगा महासभा की ओर से संस्कृति संसद का आयोजन दो चरणों में

किया जाएगा। पहले चरण में 31 अक्तूबर से दो नवंबर तक विविध प्रतियोगिताएं होंगी। कला प्रदर्शनी लगेगी। मुख्य आयोजन तीन से पांच नवंबर तक सिगरा स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में होगा।

जैन-जी के लिए युवा संवाद: संत समिति के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती ने बताया कि संस्कृति संसद में सनातन परंपरा, भारतीय संस्कृति, सामाजिक बदलाव और आधुनिकता के विभिन्न पहलुओं पर विमर्श होगा। इसमें युवाओं की भागीदारी पर विशेष जोर रहेगा। जैन-जी के लिए युवा संवाद आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय फोटोग्राफी प्रदर्शनी, रंगोली प्रतियोगिता और बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता के जरिये संस्कृति के आध्यात्मिक, बौद्धिक, सामाजिक और कलात्मक आयामों

को सामने लाया जाएगा।

चार नवंबर को संत समिति, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद, श्री काशी विद्वत परिषद और विश्व हिंदू परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक भी होगी। इसमें विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

90 फीसदी युवा वक्ता, 10 फीसदी विशेषज्ञ: संस्कृति संसद में प्रतिदिन सुबह 10 से शाम चार बजे तक संत, विद्वान, वैज्ञानिक और विशेषज्ञ विभिन्न विषयों पर विचार रखेंगे। तथ्यों और आंकड़ों पर आधारित पैनल चर्चा होगी। प्रश्नोत्तरी का सत्र भी होगा। इसकी प्रस्तावित संरचना में करीब 90 प्रतिशत युवा वक्ता और 10 प्रतिशत विशेषज्ञ शामिल होंगे। शाम पांच से रात नौ बजे तक संस्कृति उपसम में युवा कलाकारों और सांस्कृतिक समूहों की प्रस्तुतियां होंगी।

सार्वजनिक होगी हिंदू आचार सहिता

स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती ने बताया कि संस्कृति संसद में हिंदू आचार सहिता सार्वजनिक की जाएगी। मनुस्मृति के अध्ययन के लिए समिति गठित करने की घोषणा होगी। इसके अलावा मंदिर मुक्ति के लिए खाका तैयार करने और देश के विभिन्न हिंदू संगठनों की बैठक में मौजूद परिस्थितियों पर चर्चा करने की योजना है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी, कुबेरदास्य अविवलदेवाचार्य, स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती, रामानंदाचार्य राजराजेश्वराचार्य, स्वामी रामदेव, चिदानंद सरस्वती, पद्मश्री स्वामी प्रदीप्तानंद कार्तिक और स्वामी ब्रह्मेशानंदाचार्य सहित अनेक संत एवं धर्माचार्य भी अपने विचार रखेंगे।

ये भी रहेंगे मौजूद

संस्कृति संसद में पश्चिम बंगाल से सांसद काकोली घोष, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल, पत्रकार अशोक श्रीवास्तव व अमन चोपड़ा, विश्व हिंदू परिषद के मिलिंद परांड और आलोक कुमार, दिनेश चंद्र, चंपत राय, अशोक तिवारी, मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, राज्यपाल डॉ. लक्ष्मण आचार्य, प्रो. राकेश उपाध्याय, प्रो. सीपी सिंह, प्रो. टी. राममोहन, प्रो. ज्ञानेश चोबे, पं. विनय झा, राज्य ललित कला अकादमी के अध्यक्ष डॉ. सुनील विश्वकर्मा और अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन सहित कई प्रमुख लोग शामिल होंगे।

7 भेदी नज़र



करवाचौथ को लेकर गांव देहात के बाजारों में रौनक

राया। करवाचौथ पर्व को लेकर कस्बा राया के बाजारों में रौनक बढ़ गई है। पर्व की तैयारियों के लिए खरीदारी करने के लिए महिलाओं की भारी भीड़ बाजारों में उमड़ पड़ी। महिलाओं ने साड़ी, कपड़े, चूड़ियां, श्रृंगार सामग्री, मेहंदी और पूजा से संबंधित सामान की खरीदारी की। बाजारों में सुबह से ही चहल पहल देखने को मिली। दुकानों पर महिलाओं की भीड़ के चलते बाजारों में काफी रौनक रही। वहीं, अधिक भीड़ होने के कारण बाजार के प्रमुख मार्गों पर जाम की स्थिति बन गई, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा।करवाचौथ को लेकर दुकानदारों में भी उत्साह देखने को मिल रहा है। पर्व के मद्देनजर बाजारों में खरीदारी का माहौल बना हुआ है। महिलाओं में करवा चौथ को लेकर खासा उत्साह दिखाई दे रहा है।

किशनपुर में रावण दहन मेले का भव्य आयोजन

महावन (मथुरा)। ग्राम किशनपुर में आयोजित रामलीला महोत्सव के अंतिम दिन रावण दहन के अवसर पर भव्य मेले का आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ समाजसेवी एवं व्यवसायी प्रवीण पराशर ने मुख्य अतिथि के रूप में फीता काटकर किया। इस दौरान ग्राम वासियों में उत्साह और उल्लास का माहौल रहा। मुख्य अतिथि प्रवीण पराशर ने रामलीला कमेटी को दान स्वरूप 31,000 रुपये की धनराशि भेंट की। उन्होंने कहा कि रामलीला जैसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन भारतीय संस्कृति, परंपराओं और धार्मिक मूल्यों को जीवंत बनाए रखते हैं। ऐसे कार्यक्रमों से समाज में आपसी भाईचारा, एकता और सद्भाव की भावना मजबूत होती है। उन्होंने युवाओं से गांव में आयोजित होने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक

89.300 किलो बिजली का तार बरामद, दो आरोपी पकड़े

मथुरा। थाना छाता पुलिस ने विद्युत लाइन से तार चोरी करने के मामले में फरार चल रहे दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर 89.300 किलोग्राम सरकारी विद्युत लाइन के तार का एक बंडल भी बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, 25 अक्टूबर की रात मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर छाता-गोवर्धन मार्ग पर गोवर्धन चौराहे से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर रनवारी गांव की ओर जाने वाले रास्ते से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सतेन्द्र उर्फ भप्पा उर्फ भगत सिंह (20 वर्ष), पुत्र अमी, और शेर शेर सिंह (23 वर्ष), पुत्र स्वर्गीय हरीराम, निवासी ग्राम नरी, थाना छाता, जनपद मथुरा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर सरकारी विद्युत लाइन के तारों का एक बंडल बरामद किया, जिसका कुल वजन 89.300

विधिक सहायता एवं सेवा शिविर एक नवंबर को
मथुरा। पान्चजन्य प्रेक्षागृह, डेम्पियर नगर में एक नवंबर को सुबह 10 बजे मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर आयोजित होगा। उच्च न्यायालय इलाहाबाद, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश पर आयोजित होने वाले शिविर में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचाया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सिविल जज (सी.डी.) अनीता सिंह ने बताया कि शिविर में जरूरतमंदों को निःशुल्क कानूनी सहायता दी जाएगी। शिविर में जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के स्टॉल लगेंगे और योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से डरें नहीं, इसे सीखकर बढ़ाएं अपनी क्षमता : विशेषज्ञ

वाराणसी, एजेंसी। बीएचयू में कैपस टू कॉरपोरेट कार्यक्रम हुआ। इसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को रोजगार की तैयारी, समूह चर्चा, साक्षात्कार और जीवनवृत्त तैयार करने के तरीके बताए। बदलती तकनीक के अनुरूप कौशल विकसित करने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभावी उपयोग करने पर जोर दिया। वि्वि के छात्र अधिष्ठाता के मार्गदर्शन में हुए कार्यक्रम की शुरुआत भारत रत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय को पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। अध्यक्षता करते हुए छात्र अधिष्ठाता प्रो. रंजन कुमार सिंह ने टीसीएस के प्रतिनिधियों से वि्वि के विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराने का आग्रह किया। उन्होंने विद्यार्थियों से आधुनिक तकनीक अपनाने हुए महामना के आदर्शों और मूल्यों के अनुरूप आगे बढ़ने का आह्वान किया। विज्ञान संस्थान के रोजगार एवं प्रशिक्षण समन्वयक प्रो. एसपी सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया।कार्यक्रम के मुख्य संयोजक और टीसीएस वाराणसी के केंद्र प्रमुख रवि कोहली ने विद्यार्थियों को कंपनी की रोजगार चयन प्रक्रिया में अधिकाधिक आवेदन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के साथ अपने कौशल और क्षमताओं को लगातार विकसित करना चाहिए। टीसीएस के क्षेत्रीय प्रमुख संदीप जोशी और सत्येंद्र यादव ने विभिन्न विषयों के विद्यार्थियों के लिए कंपनी में रोजगार की संभावनाओं की जानकारी दी। उन्होंने समूह चर्चा, साक्षात्कार और जीवनवृत्त तैयार करने की प्रक्रिया को उद्योग की अपेक्षाओं के अनुरूप बनाने के तरीके समझाए।

शेयर बाजार की गिरावट में कमाई का मौका! आईटी-एफएमसीजी समेत 4 सेक्टर पर निवेशकों की नजर	
आगरा, एजेंसी। शेयर बाजार में लगातार जारी गिरावट निवेशकों के लिए एक बड़ा अवसर लेकर आई है। आईटी और एफएमसीजी सेक्टर के शेयर अपने निचले स्तर पर आ गए हैं जो आगामी महीनों में निवेशकों को बेहतर रिटर्न दे सकते हैं। इसके साथ ही मोटर इंडस्ट्री (ऑटो) और बैंकिंग सेक्टर में भी निवेश के लिए यह समय सबसे उपयुक्त माना जा रहा है। बाजार के जानकारों का मानना है कि इस बाय ऑन डिप्स (गिरावट में खरीदारी) रणनीति से लंबी अवधि में अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। वैश्विक दबाव और घरेलू कारणों से बाजार में जो करैक्शन आया है उसने मजबूत कंपनियों के वैल्युएशन को आकर्षक बना दिया है। विशेषकर आईटी और एफएमसीजी शेयर मौजूदा भाव पर सुरक्षित निवेश का मजबूत विकल्प दे रहे हैं। सुट्टू क्रैडिट ग्रोथ के कारण बैंकिंग और आगामी मांग के चलते ऑटो सेक्टर में भी जोरदार तेजी की उम्मीद है।	
विशेषज्ञों की राय: बाजार विश्लेषक सीए अभिषेक अग्रवाल का कहना है कि आईटी और एफएमसीजी शेयर इस समय अपने सबसे आकर्षक मूल्यांकन पर हैं। लंबी अवधि के नजरिए से इनमें किया गया निवेश भविष्य में बड़े फायदे का सौदा साबित होगा। सीए विवेक अग्रवाल ने बताया कि बैंकिंग और ऑटो सेक्टर की बुनियाद इस समय बेहद मजबूत है। बाजार की मौजूदा गिरावट इन सेक्टरस के दिग्गज शेयरों को पोर्टफोलियो में शामिल करने का सबसे सही समय है।	

मथुरा

बार बार ज़ापन देने के बाद भी नहीं हो रहा समाधान

व्यापारी संगठन बोला, तवज्जो नहीं दे रहा नगर निगम

मथुरा। एक माह से से भी अधिक समय हो जाने की बाद भी नगर निगम द्वारा व्यापारियों की मांगों पर कोई कार्यवाही नहीं की है। 16 सूत्रीय मांग पत्र पर कार्यवाही न किए जाने से व जवाहर हाट में बसाए गए विस्थापितों की दुकानों व मकानों को फ्री होल्ड न किए जाने से नाराज व्यापारियों का प्रतिनिधिमंडल महानगर अध्यक्ष सुनील अग्रवाल के नेतृत्व में अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार से मिला व व्यापारी आंदोलन के लिए निगम को तैयार रहने की कार्यालय पहुंचे व्यापारी प्रतिनिधि मंडल द्वारा अपरनगर आयुक्त अनिल कुमार सिंह के समक्ष नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्व नगर आयुक्त जगप्रवेश के समय से 16 सूत्रीय

कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने तथा इनके सफल आयोजन में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी से गांव की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाया जा सकता है। आयोजन में रामलीला कमेटी के अध्यक्ष दिनेश पराशर, उपाध्यक्ष राधेश्याम पराशर, कोषाध्यक्ष महेश पराशर, प्रबंधक नंदकिशोर पराशर, आचार्य जितेंद्र प्यारार, भिक्की लाल शर्मा, हरिमोहन पराशर और प्रवीण जोशी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन हीरालाल पराशर ने किया। रावण दहन और मेले के आयोजन से पूरे गांव में उत्सव का माहौल रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों, सदस्यों और समस्त ग्राम वासियों का सराहनीय सहयोग रहा.

राधाकुंडमें अहोई अष्टमीकीतैयारियांतेज ॥सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने किया निरीक्षण, महिला श्रद्धालुओं के लिए विशेष इंतजाम

राधाकुंड। तीर्थ नगरी राधा कुंड में अहोई अष्टमी मेले को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता एवं अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमरेश कुमार मौर्य ने राधाकुंड मेला क्षेत्र का पैदल निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया, मुख्य विकास अधिकारी मथुरा डॉ. पूजा गुप्ता ने बताया कि अहोई अष्टमी पर मध्य रात्रि 12 बजे होने वाले पवित्र स्नान के लिए सभी विभागों की संयुक्त बैठक और ब्रीफिंग कर ली गई है। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि बिजली के पोलों की हाइट बढ़ाकर उनकी प्रॉपर कवरींग की जा रही है, स्वास्थ्य विभाग की टीमें, एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की तैनाती रहेगी। इस बार महिलाओं की भारी भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त चेंजिंग रूम बनाए गए हैं और महिला पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती की जाएगी। प्रशासन द्वारा अगले 2 से 3 दिन तक लगातार निरीक्षण और मॉनिटरिंग की जाएगी।

ग्राम पंचायत में 10 लाख के भुगतान में पकड़ी गडबडी
मथुरा। गोवर्धन क्षेत्र की ग्राम पंचायत मुडसेरस में सरकारी धन के कथित दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितताओं का मामला सामने आया है। यहां करीब 10 लाख रुपये के भुगतान में गडबडी के आरोप लगे हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह के निर्देश पर जिला पंचायत और लघु सिंचाई विभाग की संयुक्त टीम ने जांच की। जांच में हैडपों की मरम्मत के नाम पर 8 लाख 58 हजार रुपये और पेयजल सुविधाएं उपलब्ध कराए बिना 1 लाख 57 हजार रुपये के भुगतान में अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। यानी दोनों मदों में कुल 10

लाख 15 हजार रुपये के भुगतान पर सवाल खड़े हुए हैं। इतना ही नहीं, सरकारी खंडजे से ईंटें उखाड़कर ग्राम प्रधान के घर में लगाने का आरोप भी लगाया गया है। जांच के दौरान निर्माण कार्यों की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाई गई। साथ ही निर्माण सामग्री के इस्तेमाल में भी अनियमितताएं सामने आई हैं। मामले में जिलाधिकारी के निर्देश पर ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव को नोटिस जारी किए गए हैं। दोनों से 15 दिन के भीतर अपना स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। अब उनके जवाब और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।



हाट व्यवसाय समिति की महामंत्री जितेंद्र सेठी, सरदार मंजीत सिंह व तुलसीदास गंगवानी ने 1950 में पाकिस्तान से आए शरणार्थी परिवारों के जवाहर हाट में बसाए जाने व स्वामित्व का विषय रखा।आज तक विस्थापित परिवारों को स्वामित्व नहीं मिला है उन्होंने बताया कि इस संदर्भ में 1994 का सुप्रीम कोर्ट का सभी शरणार्थी परिवारों को स्वामित्व संबंधी आदेश उदाहरण हेतु उल्लेखनीय है व इस संदर्भ में अपर जिला न्यायाधीश द्वारा भी विगत 22 अक्टूबर को आदेश निर्गत किया गया है उन्होंने मांग की की शरणार्थी परिवारों का 2005 के बाद का टैक्स जमा कर व मालिकाना हक रजिस्टर में प्रविष्टि कर उन्हें मालिक होने का हक प्रदान किया जाए।

सड़क हादसेमें हैदराबादकी श्रद्धालु महिला की मौत,एक घायल

मथुरा। वृंदावन में सड़क हादसे में हैदराबाद से दर्शन करने आई एक महिला श्रद्धालु की मौत हो गई, जबकि दूसरी महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गए। पुलिस ने अज्ञात बाइक सवारों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, सोमवार शाम वृंदावन के कैलाश नगर मोड़ के समीप पानीगांव संपर्क मार्ग पर दो महिला श्रद्धालु सड़क पार कर रही थीं। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवकों ने दोनों महिलाओं को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि बाइक सवार मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दोनों महिलाओं को संयुक्त जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने 65 वर्षीय सत्यम अम्मा को मृत घोषित कर दिया। वहीं, 60 वर्षीय अनुराधा का गंभीर हालत में उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि दोनों महिलाएं हैदराबाद के आसिफ नगर की रहने वाली थीं और वृंदावन में दर्शन करने आई थीं। हादसे के बाद पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फरार बाइक सवारों की तलाश में जुट गई है। वृंदावन में हुए इस हादसे ने एक बार फिर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सड़क पर यातायात व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

शरद पूर्णिमा पर गीता शोध संस्थान के प्रशिक्षुओं ने किया महारास

श्रीकृष्ण प्रेम और महारास की मनोहारी प्रस्तुति ने मोहा दर्शकों का मन, मयूर नृत्य व डांडिया ने बांधा सभी

वृंदावन। शरद पूर्णिमा पर गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी के प्रशिक्षु बालक-बालिकाओं ने श्रीकृष्ण के प्रेम नामक महारास किया। महारास की परंपरा को जीवंत करते हुए बच्चों ने महारास के साथ मयूर नृत्य और डांडिया नृत्य की मनोहारी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्वामी हरिदास आडिटोरियम में प्रशिक्षुओं ने ब्रज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और महारास की परंपरा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। श्रीकृष्ण की भूमिका में पूनम कुमारी और अन्य ने अपने अभिनय से दर्शकों को प्रभावित किया, जबकि राधा की भूमिका में तमन्ना व तान्या ने नृत्य और भावाभिव्यक्ति के माध्यम से प्रस्तुति को

आकर्षक बनाया। राधा-कृष्ण के प्रेम, भक्ति और रसमय लीलाओं पर आधारित इस मंचन में प्रशिक्षु बालिकाओं ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। महारास के उपरांत मयूर नृत्य और डांडिया नृत्य की भव्य प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण जोड़ा। संगीत पक्ष में आकाश शर्मा ने हारमोनियम, मनमोहन कौशिक ने सारंगी तथा सुनील पाठक और केशव पाठक ने तबले पर संगत की। मानसी राजपूत ने नृत्य संयोजन एवं कोरियोग्राफी की जिम्मेदारी निभाई, जबकि ऋतु सिंह ने मंचन के सम्पूर्ण निर्देशन और श्रृंगार व्यवस्था का दायित्व संभाला। मुख्य अतिथि नगर निगम के उप नेता मुकेश सारस्वत धर्माचार्य गौरांग दास,

अनिल सक्सेना, विभागाध्यक्ष, लेखा एवं विधि, डॉ. वीरांगना सिंह तथा अनिल कुमार, समन्वयक के रूप में उपस्थित श्री रोहित वाजपेयी, एसईबीआई से संबद्ध, ने विद्यार्थियों को वित्तीय साक्षरता के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने धन के उचित प्रबंधन, निवेश के विभिन्न विकल्पों तथा सोच समझकर वित्तीय निर्णय लेने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. प्रवीण कुमार अग्रवाल ने भी विद्यार्थियों को वित्तीय साक्षरता के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने बचत, धन के विवेकपूर्ण उपयोग तथा वित्तीय मामलों में जागरूकता के महत्व को समझाते हुए विद्यार्थियों को भविष्य के लिए आर्थिक रूप से सजग रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में प्रो.

अनिल सक्सेना, विभागाध्यक्ष, लेखा एवं विधि, डॉ. वीरांगना सिंह तथा अनिल कुमार, समन्वयक के रूप में उपस्थित रहे। सेमिनार के माध्यम से विद्यार्थियों को वित्तीय जागरूकता बढ़ाने तथा अपने भविष्य से जुड़े आर्थिक निर्णयों को समझदारी से लेने की प्रेरणा मिली। यह आयोजन विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान एवं वित्तीय समझ को विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।

से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका के चलते अंर्रिज अलर्ट है। चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रतापराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, रायबरेली, अमेठी और सुल्तानपुर सहित कई क्षेत्रों में वर्षा का अनुमान है। 30 अक्टूबर को पूर्वांचल, अवध और तराई के कई जिलों के साथ बरेली, पीलीभीत और शाहजहांपुर में भी भारी बारिश व तेज हवाओं की संभावना जताई गई है। इसके चलते दिन के तापमान में 5 से 8 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है। राहत आयुक्त कार्यालय ने लोगों से मौसम संबंधी चेतावनियों और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

दिल्ली, बुधवार 28 अक्टूबर 2026

लेखपाल संघ के चुनाव में कपिल उपाध्याय अध्यक्ष, गौरव कुमार बने तहसील मंत्री

॥पूर्व में भी संभाल चुके हैं मंत्री पद की जिम्मेदारी, कार्यशैली से प्रभावित लेखपालों ने गौरव कुमार पर दोबारा जताया भरोसा

मथुरा। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ की जनपद मथुरा इकाई के अंतर्गत तहसील सदर मथुरा की कार्यकारिणी का द्विवार्षिक चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। चुनाव में कपिल उपाध्याय को तहसील अध्यक्ष और गौरव कुमार को तहसील मंत्री चुना गया। गौरव कुमार के कार्यों और पूर्व कार्यकाल के दौरान उनकी सक्रिय भूमिका से प्रभावित लेखपालों ने उन्हें एक बार फिर तहसील मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं, कपिल उपाध्याय भी पूर्व में तहसील अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। ऐसे में दोनों अनुभवी पदाधिकारियों पर लेखपालों ने भरोसा जताया है। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ उपशाखा तहसील सदर मथुरा की ओर से जारी निर्वाचित पदाधिकारियों की सूची के अनुसार, कपिल उपाध्याय तहसील अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए, जबकि गौरव कुमार तहसील मंत्री चुने गए। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर नेहा चौधरी निर्विरोध निर्वाचित हुईं। कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी कृष्णकांत को मिली। उपमंत्री पद पर भीम सिंह निर्विरोध चुने गए। इसके अलावा कोषाध्यक्ष पद पर रिंतेश वशिष्ठ और लेखा परीक्षक पद पर ओमप्रकाश पटेल निर्विरोध निर्वाचित हुए।

धूमधाम से निकली गई वाल्मीकि शोभायात्रा, जगह जगह हुआ जोरदार स्वागत

मथुरा। भगवान वाल्मीकि जी की एक भव्य और अलौकिक शोभायात्रा अत्यंत धूमधाम एवं श्रद्धा-उल्लास के साथ निकाली गई। इस शोभायात्रा में वाल्मीकि समाज के साथ-साथ शहर के विभिन्न समाजों के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शोभायात्रा का शुभारंभ भगवान वाल्मीकि वाटिका से हुआ। इसके बाद शोभायात्रा पारंपरिक मार्गांकूभरतपुर गेट, घीया मंडी, चौक बाजार, स्वामी घाट, श्री द्वारकाधीश मंदिर, विश्राम घाट, छाता बाजार, होली गेट और कोतवाली रोड से होते हुए पुनः भगवान वाल्मीकि वाटिका पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा के पूरे मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं एवं स्थानीय निवासियों द्वारा इसका भव्य स्वागत किया गया। वाल्मीकि समाज और जाटव समाज के लोगों के साथ-साथ भीमराव अंबेडकर जयंती के अध्यक्ष विशंभर दयाल एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा की। इस दौरान अतिथियों और प्रमुख सहभागियों को पटका ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। शोभायात्रा में कई मनमोहक और प्रेरणादायी झाकियां शामिल थीं। इनमें तथागत गौतम बुद्ध, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर, राधा-कृष्ण, भगवान भोलेनाथ-माता पार्वती तथा श्री गणेश जी की मनभावना झाकियों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। इस भव्य आयोजन में वाल्मीकि समाज के नरुं-मुन्ने बच्चों, युवतियों, महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समाज के हर वर्ग और अन्य समुदायों की सहभागिता ने आपसी सद्भाव और भाईचारे की मिसाल पेश की।

किशोरीरमणपी.जी. कॉलेजमेंवित्तीयसाक्षरता परसेमिनारआयोजित

मथुरा। किशोरी रमण पी.जी. कॉलेज, मथुरा के वाणिज्य संकाय द्वारा आज वित्तीय साक्षरता विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वित्तीय प्रबंधन, बचत, निवेश तथा आर्थिक निर्णयों के प्रति जागरूक करना था। सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित श्री रोहित वाजपेयी, एसईबीआई से संबद्ध, ने विद्यार्थियों को वित्तीय साक्षरता के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने धन के उचित प्रबंधन, निवेश के विभिन्न विकल्पों तथा सोच समझकर वित्तीय निर्णय लेने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. प्रवीण कुमार अग्रवाल ने भी विद्यार्थियों को वित्तीय साक्षरता के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने बचत, धन के विवेकपूर्ण उपयोग तथा वित्तीय मामलों में जागरूकता के महत्व को समझाते हुए विद्यार्थियों को भविष्य के लिए आर्थिक रूप से सजग रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में प्रो.

अनिल सक्सेना, विभागाध्यक्ष, लेखा एवं विधि, डॉ. वीरांगना सिंह तथा अनिल कुमार, समन्वयक के रूप में उपस्थित रहे। सेमिनार के माध्यम से विद्यार्थियों को वित्तीय जागरूकता बढ़ाने तथा अपने भविष्य से जुड़े आर्थिक निर्णयों को समझदारी से लेने की प्रेरणा मिली। यह आयोजन विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान एवं वित्तीय समझ को विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।



एसजेवीएन ने 29वीं अंतर सीपीएसयू कैरम प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया



शिमला , ब्यूरों। श्री भूपेंद्र गुप्ता, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एसजेवीएन ने विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में पावर स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (पीएससीबी) के अंतर्गत एसजेवीएन द्वारा आयोजित 29वीं अंतर सीपीएसयू कैरम प्रतियोगिता के विजेताओं एवं सभी प्रतिभागी टीमों को बधाई दी।

पुरस्कार वितरण समारोह में श्री अजय कुमार शर्मा, निदेशक (कार्मिक), मुख्य अतिथि तथा श्री राजेश कुमार चंदेल, निदेशक (परियोजनाएं) ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। इस प्रतियोगिता में 12 टीमों, विद्युत मंत्रालय, सीईए, आईईसी, एएचपीसी, टीएचडीसी, बीबीएमबी, पीएफसी, पीजीसीआईएल, ग्रिड-इंडिया, डीवीसी, नीपको तथा एसजेवीएन ने भाग लिया।

श्री अजय कुमार शर्मा ने विजेताओं एवं उप विजेताओं को बधाई दी तथा सभी टीमों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं, बल्कि टीम भावना, अनुशासन, दृढ़ता और निष्पक्ष खेल जैसे मूल्यों को भी विकसित करते हैं, जो व्यावसायिक जीवन में भी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

पुरुष टीम चैंपियनशिप में, सीईए ने विजेता का खिताब हासिल किया, जबकि विद्युत मंत्रालय और नीपको ने क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय उप विजेता का स्थान हासिल किया। महिला टीम चैंपियनशिप में पीजीसीआईएल ने विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि एसजेवीएन और सीईए क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय उपविजेता रहे। पुरुष एकल वर्ग में विद्युत मंत्रालय से श्री मनोहर प्रसाद चमोली ने विजेता का स्थान हासिल किया, जबकि नीपको से श्री आर. के. सैकिया और श्री एमडी नफ़िस ने क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय उप विजेता का स्थान हासिल किया। महिला एकल वर्ग में विद्युत मंत्रालय से सुश्री सरोज देवी ने विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि बीबीएमबी से सुश्री अंजलि और सीईए से सुश्री स्वाति रावत ने क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय उप विजेता का स्थान हासिल किया। पुरुष युगल वर्ग में, एनएचपीसी के श्री अनूप कुमार और श्री ओम प्रकाश ने विजेता का खिताब हासिल किया, जबकि विद्युत मंत्रालय के श्री एम.पी. चमोली और श्री विशाल कुमार तथा नीपको के श्री आर.के. सनसुई और श्री आर.के. सैकिया ने क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय उप विजेता का स्थान हासिल किया। महिला युगल वर्ग में विद्युत मंत्रालय की सुश्री सरोज देवी और सुश्री जया चौधरी विजेता रहीं, जबकि सीईए की सुश्री स्वाति रावत और सुश्री सोनिया तथा पीएफसी की सुश्री संस्था चावला और सुश्री सुधा विज ने क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय उप विजेता का स्थान हासिल किया। श्री अजय कुमार शर्मा, निदेशक (कार्मिक) एवं श्री राजेश कुमार चंदेल, निदेशक(परियोजनाएं) ने विजेताओं एवं उप विजेताओं को ट्रॉफियां, पदक और प्रमाण-पत्र प्रदान किए। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों के उत्कृष्ट कोशल, दृढ़ संकल्प और खेल भावना के प्रदर्शन सहित पुरुष एवं महिला टीम चैंपियनशिप के साथ-साथ एकल एवं युगल वर्गों में कड़े एवं रोमांचक मुकाबले देखने को मिला।

मुख्यमंत्री ने कुल्लू तथा बंजार विधानसभा क्षेत्र में 206 करोड़ रुपये की 25 विकास परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास किए



शिमला , ब्यूरों। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द सिंह सुक्खु ने आज कुल्लू जिला के कुल्लू तथा बंजार विधानसभा क्षेत्र में 206.32 करोड़ रुपये लागत की 25 विकास परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास किए। इसमें कुल्लू विधानसभा क्षेत्र की 65 करोड़ रुपये की पांच विकास परियोजनाएं तथा बंजार विधानसभा क्षेत्र की 141.32 करोड़ रुपये की 21 विकास परियोजनाएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द सिंह ने कुल्लू विधानसभा क्षेत्र के पिरड़ी में पिरड़ी-तरलोगी मार्ग पर 2,835 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले 110मी लंबे पुल का भूमि पूजन किया। मोहल में 725 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले 33 केवी सब स्टेशन, कुल्लू में 807 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले जीआईसी सब स्टेशन तथा शास्त्री नगर में 2,057 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले वैनलैन्स सेंटर का शिलान्यास भी किया। बंजार विधानसभा क्षेत्र के बजौरा में पीएमजीएसबी-चार के तहत 888 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाली धारा बरसोगी सड़क, 81 लाख रुपये की लागत से नजन नाला से नजन रोड, 681 लाख रुपये से थेला जस्ता परली मार्ग, 974 लाख रुपये से बरनगी से मस्यार मार्ग, 109 लाख रुपयेकी लागत से बरनगी-चिपनी मार्ग, 880 लाख रुपये की लागत से सिधवा गौरीगढ़ से थनिचर मार्ग का शिलान्यास किया। इसके अतिरिक्त, 1,197 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाली देउरी सुनाड़ सड़क, बीणी से खंदरगी सड़क 305 लाख रुपये, चलेहण से देवगढ़ सड़क 635 लाख रुपये, घरटगाड़ से कड़हील सड़क 305 लाख रुपये बठाड़ से शीलश्रृंगडा सड़क 945 लाख रुपये, बागी कोटी-चौहन्नी से मियागी सड़क 703 लाख रुपये, देउठा से ज्वाली सड़क 529 लाख रुपये, गुशैणी पेखड़ी सड़क से तिन्दर गांव 849 लाख रुपये, बलागाड़ से भरदोधार 384 लाख रुपये, डिबर चहरी से राशीणी सराज सड़क 1063 लाख रुपये, टील से बछुट सड़क 430 लाख रुपये, मंडी संपर्क सड़क 363 लाख रुपये, गलवाधार से राम्भी सड़क 452 लाख रुपये और 915 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाली जीभी रशाला सरटी सड़क का शिलान्यास किया गया। गुशैणी में 273 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले 33 केवी सब-स्टेशन का शिलान्यास तथा नगर पंचायत बंजार के रौ-नाला में 562 लाख रुपये की लागत से निर्मित बहुमंजिला पार्किंग का उद्घाटन किया।

हिमाचल

मुख्यमंत्री ने महर्षि वाल्मीकि जयंती पर कृष्णा नगर स्थित मंदिर में माथा टेका, 25 लाख रुपये देने की घोषणा की

कृष्णा नगर के परिवारों के कल्याण के लिए योजना बनाने पर विचार करेगी सरकार: मुख्यमंत्री

शिमला , ब्यूरों। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द सिंह सुक्खू ने आज महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर शिमला के कृष्णा नगर स्थित भगवान वाल्मीकि मंदिर में माथा टेका और प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर के लिए 25 लाख रुपये देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि हमारी संस्कृति, साहित्य और आध्यात्मिक चेतना के महान प्रतीक हैं। रामायण की रचना के माध्यम से उन्होंने मानवता को सत्य, न्याय, करुणा, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश दिया, जो आज भी समाज का मार्गदर्शन करता है। उन्होंने कहा कि विकास तभी सार्थक है, जब समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर मिलें और कोई भी व्यक्ति सामाजिक या आर्थिक अभाव के कारण पीछे न रहे। कांग्रेस पार्टी संविधान और उसके मूल्यों में विश्वास करती है तथा राज्य सरकार सामाजिक न्याय, समानता और प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रत्येक परिवार को सम्मानजनक जीवन, बेहतर शिक्षा और आत्मनिर्भर बनने के अवसर प्रदान करना है। इसी सोच के अनुरूप प्रदेश सरकार ने महर्षि वाल्मीकि कामगार



आवास योजना शुरू की है। इस योजना के तहत पात्र वाल्मीकि समुदाय के सफाई कर्मियों को पक्का मकान बनाने के लिए तीन लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। योजना का लाभ लेने के लिए पात्र परिवार की वार्षिक आय अढ़ाई लाख रुपये से कम होनी चाहिए तथा परिवार के पास अपना पक्का मकान नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सभी

समुदायों को उचित मान-सम्मान और अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। कृष्णा नगर क्षेत्र में अनेक परिवार लंबे समय से रह रहे हैं। इन परिवारों और यहां स्थित मकानों की गणना की जाएगी तथा उनके कल्याण के लिए एक योजना बनाने पर विचार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वाल्मीकि समाज के सभी सदस्य उनके परिवार का हिस्सा हैं और उनके कल्याण एवं

उत्थान के लिए सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कृष्णा नगर में मेडिकल कैंप का शुभारंभ भी किया। इस अवसर पर विधायक हरीश जनारथा, संजय अवस्थी, अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य दिग्विजय मल्लोहा, महापौर सुरेंद्र चौहान, पार्षद, उपायुक्त अनुपम कश्यप, पुलिस अधीक्षक गौरव सिंह सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

पीएम मोदी के माता पिता पर टिप्पणी कांग्रेस की हताशा का प्रमाण खड़गे तुरंत माफी मांगें - सुधीर शर्मा

धर्मशाला के विधायक ने कांग्रेस पर बोला जोरदार हमला, कहा राष्ट्रीय अध्यक्ष की अमर बयानबाजी से विश्व में खराब हो रही भारत की छवि

धर्मशाला , ब्यूरों। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के माता पिता पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अभद्र टिप्पणी को लेकर धर्मशाला के विधायक एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता सुधीर शर्मा ने कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला है। सुधीर शर्मा ने कहा कि कांग्रेस की हालत दिन प्रतिदिन बदतर होती जा रही है और पार्टी के पास जनता के मुँहे उठाने के लिए कुछ नहीं बचा है। उन्होंने आरोप लगाया कि हताशा और निराशा में कांग्रेस नेता अपना स्तर गिराकर व्यक्तिगत टिप्पणियों पर उतर आए हैं जो एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल के लिए बेहद शर्मनाक है।

सुधीर शर्मा ने कहा कि उन्होंने खड़गे के भाषण का पूरा वीडियो देखा है। उन्होंने कहा कि जिस मंच से कांग्रेस अध्यक्ष भाषण दे रहे थे उसके सामने ऑडिटोरियम में कुर्सियां खाली दिखाई दे रही थीं। सुधीर शर्मा ने कहा कि यह स्थिति कांग्रेस की मौजूदा राजनीतिक हालत को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि

इतने वरिष्ठ नेता होने के बावजूद कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के भाषण को सुनने के लिए लोगों का मौजूद नहीं होना पार्टी की स्थिति को उजागर करता है।



सुधीर शर्मा ने कहा कि वीडियो में पहले किसी व्यक्ति की टिप्पणी के जवाब में मल्लिकार्जुन खड़गे ने जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया वह उनकी हताशा और निराशा को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के पास आज कोई ठोस मुद्दा नहीं है इसलिए उसके नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं पर व्यक्तिगत टिप्पणियां करके राजनीतिक सुर्खियां बटोरने का प्रयास कर रहे हैं। सुधीर शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के माता पिता को लेकर इस तरह की टिप्पणी करना राजनीतिक

मर्यादाओं के खिलाफ है और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष को इसकी जिम्मेदारी लेते हुए तुरंत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से माफी मांगनी चाहिए।

सुधीर शर्मा ने कहा कि कांग्रेस अपने आपको राष्ट्रीय पार्टी कहती है लेकिन उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष की ओर से इस तरह की अभद्र टिप्पणी किया जाना बेहद शर्मनाक है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की ऐसी बयानबाजी और

बेमतलब के प्रदर्शनों से देश में अस्थिरता और अराजकता का माहौल पैदा हो रहा है जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि खराब हो रही है। सुधीर शर्मा ने कहा कि कांग्रेस जनता का भरोसा पूरी तरह खो चुकी है और आने वाले समय में देश की जनता इस तरह की राजनीति का मुंहतोड़ जवाब देगी।

मुख्यमंत्री ने भुंतर हवाई अड्डे पर एनसीसी हेंगर का किया उद्घाटन

शिमला , ब्यूरों। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द सिंह सुक्खू ने आज कुल्लू जिला स्थित भुंतर हवाई अड्डे पर 75 लाख रुपये की लागत से निर्मित एनसीसी हेंगर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में एनसीसी की एयर विंग के लिए यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इस सुविधा से प्रदेश के युवाओं को विमानन प्रशिक्षण के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे।

उन्होंने कहा कि नया एनसीसी हेंगर क्षेत्र में विमानन प्रशिक्षण के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे एयर एनसीसी कैडेट्स को विमानन क्षेत्र से संबंधित व्यावहारिक जानकारी, सिमुलेटर आधारित प्रशिक्षण और उड़ान के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा विकसित करने के बेहतर अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यह सुविधा प्रदेश के युवाओं को भविष्य में कुशल पायलट, जिम्मेदार नागरिक और नेतृत्व क्षमता से संपन्न व्यक्तित्व के रूप में विकसित करने की दिशा में अहम साबित होगी।

मुख्यमंत्री ने एनसीसी एयर विंग के कैडेट्स की हैसला अफजई करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार हिमाचल के युवाओं को एविएशन (विमानन) सेक्टर में आगे बढ़ते हुए देखना चाहती है। उन्होंने कहा कि भुंतर एयरपोर्ट पर एनसीसी के फ्लाइट नोड और प्रशिक्षण गतिविधियों का सक्रिय होना हिमाचल के पड़ोसी क्षेत्र के युवाओं को भारतीय वायुसेना और सिविल एविएशन में करियर बनाने के लिए प्रेरित करेगा।

इससे पूर्व, हेंगर के उद्घाटन अवसर पर विमान के हेंगर की ओर बढ़ने के दौरान वाटर केनन सैल्यूट के माध्यम से भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान एनसीसी कैडेट्स ने स्थिर एवं उड़ान योग्य विमान मॉडलों के साथ-साथ स्वयं द्वारा डिजाइन और विकसित ड्रोन का प्रदर्शन भी किया। इन प्रदर्शनों के माध्यम से कैडेट्स ने अपनी तकनीकी दक्षता, रचनात्मकता और विमानन क्षेत्र के प्रति बढ़ती रुचि का परिचय दिया।

मुख्यमंत्री का एंटी-चिट्ठा जन आंदोलन बने जन-जन का अभियान-डीजीपी अशोक तिवारी

एसजेवीएन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से नशे के खिलाफ अभियान का एंक्वैस्टर बनने का आह्वान किया

शिमला , ब्यूरों। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द सिंह सुक्खू के एंटी-चिट्ठा जन आंदोलन को जनभागीदारी के माध्यम से और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान करते हुए हिमाचल प्रदेश के पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी ने एसजेवीएन के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों से प्रदेशव्यापी नशे के खिलाफ अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

श्री तिवारी आज शिमला स्थित एसजेवीएन मुख्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मुख्यमंत्री का संदेश साझा करते हुए कहा कि चिट्ठे के खिलाफ लड़ाई केवल एसजेवीएन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान का एंक्वैस्टर बनने का आह्वान किया। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं को नशे से दूर रखने, अपने परिवारों और समुदायों को इस मुहिम से जोड़ने तथा नशे की लत से जूझ रहे लोगों के प्रति सहयोग एवं



ऐतिहासिक रिज मैदान से शुरू किए गए एंटी-चिट्ठा जन आंदोलन का उद्देश्य नशे के विरुद्ध संघर्ष को केवल सरकारी अभियान तक सीमित न रखकर एक सतत जन आंदोलन का स्वरूप देना है। श्री तिवारी ने एसजेवीएन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान का एंक्वैस्टर बनने का आह्वान किया। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं को नशे से दूर रखने, अपने परिवारों और समुदायों को इस मुहिम से जोड़ने तथा नशे की लत से जूझ रहे लोगों के प्रति सहयोग एवं

संवेदनशीलता का भाव रखने पर बल दिया। उन्होंने नागरिकों से नशे की तस्करी से संबंधित जानकारी पुलिस के साथ साझा करने की भी अपील की।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के एंटी-चिट्ठा जन आंदोलन पर आधारित एक जागरूकता वीडियो भी प्रदर्शित किया गया। श्री तिवारी ने हिमाचल प्रदेश पुलिस की आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली (ईआएसएस-112) के प्रदर्शन में हुए उल्लेखनीय सुधार का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि नवंबर, 2025 में राशीय स्तर पर 34वें स्थान पर रही यह सेवा अब



उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने धर्मशाला में 67वीं राज्य स्तरीय अंडर-19 एथलेटिक्स मीट का किया शुभारम्भ

धर्मशाला , ब्यूरों। उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने आज धर्मशाला स्थित सिंथेटिक ट्रैक में 67वीं राज्य स्तरीय अंडर-19 लड़के एवं लड़कियों की एथलेटिक्स मीट का शुभारम्भ किया। तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी 12 जिलों तथा तीन खेल छात्रावासों बिलासपुर, चौपाल और खेलो इंडिया केंद्र के कुल 429 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इनमें 225 लड़के और 204 लड़कियां शामिल हैं।

इस अवसर पर उपमुख्य सचेतक ने खिलाड़ियों द्वारा प्रस्तुत शानदार मार्च पास्ट की सलामी ली तथा हिमाचली, नेपाली और तिब्बती संस्कृति पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया।

खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए केवल सिंह पठानिया ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार खेल अधोसंरचना को सुदृढ़ करने, आधुनिक खेल सुविधाओं के विकास तथा उनके उचित रख-रखाव पर विशेष बल दे रही है। सरकार का उद्देश्य खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध करवाकर उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करना है। उन्होंने बताया कि नादौन में लगभग 9,735 वर्ग मीटर क्षेत्र में 112.49 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से इंडोर मल्टीपरपज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जा रहा है। इस परिसर में शूटिंग रेंज, स्विमिंग पूल, जिम, बहुउद्देशीय खेल हॉल, चार बैडमिंटन कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट, टेनिस कोर्ट सहित अनेक आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके अतिरिक्त खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों की सुविधा के लिए कोच आवास, डॉरमेट्री, कार्यालय, कैफेटेरिया और वेंटिंग लाउंज जैसी सुविधाओं का भी प्रावधान किया गया है।

पांच प्रतिशत महंगाई भता जारी करने पर विधायक संजय अवस्थी द्वारा 26 अक्तूबर, 2026 को जारी प्रेस वक्तव्य

शिमला , ब्यूरों। कांग्रेस विधायक संजय अवस्थी ने कर्मचारियों को दिवाली से पहले पांच प्रतिशत महंगाई भत्ता जारी करने के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द सिंह सुक्खू और प्रदेश सरकार का आधार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने कर्मचारियों के हितों को प्राथमिकता देते हुए यह निर्णय लिया है।

संजय अवस्थी ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आने के बाद पहली ही कैबिनेट बैठक में पुरानी पेंशन योजना बहाल कर कर्मचारियों की सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की थी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से वित्तीय संसाधनों में कटौती और विभिन्न प्रतिबंधों के बावजूद प्रदेश सरकार कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व भाजपा सरकार के कार्यकाल में कर्मचारियों की पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग को स्वीकार नहीं किया गया था। तत्कालीन मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना लागू करवाने के लिए चुनाव लड़ने की नसीहत दी थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जनमंच जैसे सार्वजनिक कार्यक्रमों में कर्मचारियों को अपमानजनक परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। विधायक ने कहा कि पुरानी पेंशन योजना की बहाली किसी राजनीतिक लाभ के उद्देश्य से नहीं, बल्कि कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद सम्मानजनक जीवनयापन की सुरक्षा प्रदान करने के लिए की गई है।

स्मृति इरानी के दौरे पर मंत्री नेताम का बड़ा बयान, बोले-घर की बात है,क्या बताएं,धान खरीदी पर कांग्रेस को घेरा

रायपुर(निप्र)। भाजपा की प्रदेश प्रभारी स्मृति इरानी छत्तीसगढ़ के दो दिवसीय दौरे पर हैं। उनके छत्तीसगढ़ प्रवास को लेकर कृषि मंत्री रामविचार नेताम का बड़ा बयान सामने आया है। दौरे के दौरान हुई चर्चा के सवाल पर नेताम ने इसे ‘घर की बात’ बताते हुए कुछ भी कहने से परहेज किया। धान खरीदी को लेकर कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के हित में फैसले ले रही है।

राज्य में 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू की जाएगी। उन्होंने कांग्रेस को आरोप लगाने के बजाय अपने गिरेबान में झांकने की नसीहत भी दी।

घर की बात है, क्या बताएं-नेताम-स्मृति ईरानी के दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास को लेकर जब कृषि मंत्री रामविचार नेताम से सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, ‘घर की बात है, घर में रहने दो। दौरे के

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक 4 नवंबर को

बालोद (निप्र)। जिला पंचायत बालोद के सभागार में आगामी 4 नवंबर 2026 को प्रातः 11 बजे से सामान्य सभा की बैठक आयोजित की जाएगी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील कुमार चंद्रवंशी के निर्देशानुसार आयोजित इस बैठक में जिले में संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों और ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। बैठक में कृषि, सहकारिता, विपणन एवं बीज निगम विभाग के कार्यों की समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही वन, खाद्य, विद्युत और जल संसाधन विभागों के अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति पर चर्चा होगी। खनिज विभाग के कार्यों की समीक्षा के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य तथा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का भी आकलन किया जाएगा। बैठक में संबंधित विभागों के कार्यों की प्रगति, योजनाओं के क्रियान्वयन और ग्रामीण क्षेत्रों में आम जनता को मिल रहे लाभ से जुड़े विषयों पर चर्चा की जाएगी। इसका उद्देश्य विकास कार्यों में गति लाना, शासकीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना तथा पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाना है। बैठक में जिला पंचायत के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यगण, क्षेत्र के सांसद एवं विधायक तथा संबंधित विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

पीएम मोदी के खिलाफ खड़गे का आपत्तिजनक बयान, भड़की बीजेपी का छत्तीसगढ़में विरोध प्रदर्शन

कांकेर/ धमतरी(निप्र)। एमसीबी: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पटना के एक कार्यक्रम में पीएम मोदी के पिता पर विवादित बयान दिया। अब इस बयान की चारों तरफ निंदा हो रही है। छत्तीसगढ़ में बीजेपी और भाजयुमो ने विरोध प्रदर्शन किया है। कांकेर से लेकर एमसीबी तक बीजेपी का विरोध जारी रहा।

कांकेर में बीजेपी का विरोध प्रदर्शन-पीएम के पिता पर आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने के विरोध में कांकेर में भारतीय जनता पार्टी ने पुतला दहन कर प्रदर्शन किया। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कथित टिप्पणी की निंदा करते हुए कांग्रेस के खिलाफ जमकर आक्रोश जताया। बीजेपी नेताओं ने कहा कि नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं और उनके प्रति अमर्यादित भाषा का प्रयोग लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप नहीं है। राजनीतिक दलों के बीच वैचारिक मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन राजनीतिक विरोध के दौरान भाषा की मर्यादा बनाए रखना जरूरी है। प्रदर्शन के दौरान भाजपा नेताओं ने कांग्रेस नेतृत्व से कथित टिप्पणी पर जवाब देने की मांग की।



धमतरी में भाजयुमो का हल्ला बोल-मल्लिकार्जुन खरो की कथित अभद्र टिप्पणी के विरोध में धमतरी में भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने जमकर प्रदर्शन किया। शहर के गांधी मैदान में भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने खरो के पुतला दहन कर कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन कर रहे भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बयान की कड़ी निंदा करते हुए मल्लिकार्जुन खरो से देश की जनता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। भाजपा नेताओं का कहना है कि राजनीतिक विरोध अपनी जगह है, लेकिन किसी व्यक्ति के दिवंगत पिता को लेकर इस तरह की टिप्पणी करना किसी

भी लिहाज से उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष का बयान राजनीतिक मर्यादाओं के खिलाफ है और इससे कांग्रेस की सोच उजागर होती है। भाजयुमो जिलाध्यक्ष शुभांक मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री पद की अपनी गरिमा है और इस पद पर बैठे व्यक्ति के परिवार को लेकर अपमानजनक टिप्पणी करना राजनीतिक मर्यादा के विरुद्ध है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक इस मामले में माफी नहीं मांगी जाती, युवा मोर्चा कांग्रेस के खिलाफ अपना विरोध जारी रखेगा। उनके मुताबिक, राजनीति में असहमति होना स्वाभाविक है, लेकिन विरोध के नाम पर किसी के परिवार और दिवंगत परिजनों को लेकर टिप्पणी



दौरान क्या चर्चा हुई, इस सवाल पर उन्होंने कहा कि घर की बात है, क्या बताएं। उनके इस बयान को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है।

कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार-धान खरीदी को लेकर कांग्रेस की ओर से लगातार उड़ाए जा रहे सवालों पर मंत्री रामविचार नेताम ने तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों को इस मुद्दे पर सवाल उठाने से पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। नेताम के मुताबिक, राज्य सरकार ने किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए फैसले लिए हैं और इस बार भी पूर्व की तरह धान खरीदी की जाएगी।

15 नवंबर से शुरू होगी धान खरीदी-कृषि मंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रदेश में 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के हित में काम कर रही है और इस बार भी तक पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस दौरान बिना कलेक्टर की पूर्व अनुमति के बिना मुख्यालय छोड़ने पर भी सख्त रोक रहेगी।

निचले इलाकों पर विशेष नजर, राशन का अग्रिम भंडारण-बालोद जिले में पहले बाढ़ और अतिवृष्टि से प्रभावित रहे 61 गांवों को संवेदनशील के रूप में चिन्हित किया गया है। कोटवारों के जरिए इन क्षेत्रों में लगातार मुनादी कराकर

ग्रामीणों को सुरक्षित रहने के निर्देश दिए जा रहे हैं। कलेक्टर ने गुरूर, गुंजरदेही और बालोद विकासखंड के डुबान क्षेत्रों में कड़ी निगरानी रखने और जलभराव की स्थिति में ग्रामीणों और पशुधन को सुरक्षित आश्रय स्थलों पर पहुंचाने को कहा है। आपात स्थिति से निपटने के लिए संवेदनशील ग्राम पंचायतों में 50 किलोग्राम से एक किंटल तक चावल और भोजन



पकाने के लिए रसोइयों का पहले से ही प्रबंधन सुनिश्चित किया गया है।

कंट्रोल रूम सक्रिय, सामान्य सभा की बैठक टली-आपदा प्रबंधन के लिए जिला स्तर पर 24 घंटे क्रियाशील रहने वाला कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिसका संपर्क नंबर 07749223950 है। त्वरित सहायता के लिए जिले में डायल 112 के 12 वाहनों को अलर्ट पर रखा गया है। अधिकारियों की फील्ड ड्यूटी को देखते हुए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील कुमार

नौकरी की तलाश में रूख गया बिलासपुर का युवक लापता



बिलासपुर(निप्र)। नौकरी की तलाश में रूख गया बिल्हा का रहने वाला एक युवक के लापता होने का मामला सामने आया है। युवक विनीत कुमार दुबे 1 अक्टूबर को रूस की राजधानी मॉस्को गया था, परिवार के मुताबिक 7 अक्टूबर के बाद से उससे संपर्क नहीं हो पा रहा है।

युद्ध में शामिल होने का भी दबाव-दरअसल लापता युवक की बहन आशी दुबे का कहना है उसके भाई को रूस में बंधक बनाकर प्रताड़ित किया जा रहा है। उस पर युद्ध में शामिल होने के लिए दबाव बनाने का भी आरोप है। बहन ने इस संबंध में बिलासपुर एस्पएसपी और कलेक्टर से मुलाकात कर मदद की गुहार लगाई है।

क्या है पूरा मामला?

जानकारी के मुताबिक, लापता युवक विनीत कुमार दुबे नौकरी के सिलसिले में रूस गया था। उसे टेलीग्राम के एक ग्रुप के माध्यम से नौकरी की जानकारी मिली थी। परिवार का कहना है कि रूस पहुंचने के बाद परिस्थितियां उसके लिए मुश्किल हो गईं। उसे रूस में भारतीय दूतावास जाने नहीं दिया गया और मॉस्को के एक होटल में रोके रखा गया। इसके बाद उसे वोल्गोग्राद भेज दिया गया, जहां उसे एक अपार्टमेंट में रखा गया था।

ड्रप्स के मामले में फंसाने का आरोप

बहन के मुताबिक 7 अक्टूबर की सुबह करीब 7 बजे कुछ लोग विनीत को कार में बिठाकर किसी अज्ञात स्थान पर ले गए। वहां उस पर रेंजिंडेसी प्राप्त करने और युद्ध में शामिल होने के लिए दबाव बनाया गया। विनीत ने युद्ध में जाने से इनकार किया तो उसके साथ मारपीट की गईं। उसे भूखा रखकर प्रताड़ित किया गया। उसे रूस में ड्रप्स से जुड़े एक मामले में फंसा दिया गया। उसी आधार पर उसे स्थानीय लोगों की बात मानने पर मजबूर किया जा रहा है।

रहा है। ये बंद होना चाहिए वरना चक्काजाम करेंगे- प्रशांत बाला, जिलाध्यक्ष कृषि कांग्रेस

अन्य जिलों में छूट-उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश के अन्य जिलों में राष्ट्रीय राजमार्गों पर बने टोल नाकों में स्थानीय वाहन चालकों को छूट अथवा रियायती पास की सुविधा दी जाती है, लेकिन बालोद के जमही टोल पर हर आने-जाने वाले से मनमाना शुल्क वसूला जा रहा है। यह स्थानीय जनता के साथ अन्याय है।

आंदोलन की चेतावनी-युवा कांग्रेस ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि अगले 72 घंटे के भीतर स्थानीय ग्रामीणों और वाहन स्वामियों के लिए निःशुल्क आवगमन का स्पष्ट आदेश जारी होना चाहिए।

26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 29 अक्टूबर तक

राजनांदगांव (निप्र)। 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026 का आयोजन 26 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक किया जा रहा है। प्रतियोगिता के प्रथम दिवस स्टेट स्कूल के क्वालीबॉल मैदान में खेले गए क्वालीबॉल प्रतियोगिता अंतर्गत 19 वर्ष बालक व बालिका एवं नवागांव मिनी स्टैडियम में खेले गए क्रिकेट प्रतियोगिता अंतर्गत 19 वर्ष बालक में बस्तर, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, सरगुजा संभागों की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले खेले गए। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार खेल कोशल, अनुशासन एवं खेल भावना का प्रदर्शन किया। क्वालीबॉल प्रतियोगिता के पहले मैच में 19 वर्ष बालक वर्ग के मुकाबले में रायपुर ने बस्तर को 2-0 से एवं दूसरे मैच में दुर्ग ने सरगुजा को 2-0 से पराजित किया। इसी प्रकार 19 वर्ष बालिका वर्ग के मुकाबले में रायपुर ने बस्तर को 2-0 से एवं दूसरे मैच में दुर्ग ने सरगुजा को 2-0 से पराजित कर अगले चरण में प्रवेश किया। क्रिकेट प्रतियोगिता के पहले मैच में 19 वर्ष बालक वर्ग के मुकाबले में दुर्ग संभाग और बस्तर संभाग के मध्य खेला गया। जिसमें बस्तर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 159 रन बनाया। बस्तर की तरफ से आलोक जाना 70 रन और चेतन्य ने 41 रन बनाया तथा दुर्ग के तरफ से प्रिंस यादव ने 3 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दुर्ग की टीम 134 रन ही बना पायी। इस तरह बस्तर 26 रन से मैच जीता। दुर्ग के तरफ से साराथि सिन्हा ने 65 रन बनाया। दूसरे मैच बिलासपुर संभाग और सरगुजा संभाग के मध्य खेला गया। जिसमें सरगुजा टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 109 रन बनाया। जिसमें रिषी का योगदान 34 रन रहा। लक्ष्य का पीछा करते हुए बिलासपुर की टीम ने 9 ओवर में ही 109 रन बनाकर लक्ष्य पूरा कर लिया। बिलासपुर के तरफ से लवकेश ने शानदार 58 रन बनाया। वहीं अजय और लवकेश ने 2-2 विकेट लेकर अपने टीम को विजय बनाया।

जिला स्तरीय युवा उत्सव की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

मोहला (निप्र)। जिला स्तरीय युवा उत्सव कार्यक्रम के सफल आयोजन के संबंध में जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्रीमती तनुजा सताम के निर्देशानुसार संयुक्त कलेक्टर डॉ. सुमीत कुमार गर्ग की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ), प्राध्यापकों, व्यायाम शिक्षकों एवं पोषण शिक्षकों सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित हुए।

बैठक में युवा उत्सव 2026 के आयोजन की तैयारियों, प्रतिभागियों के पंजीयन, कार्यक्रम की रूपरेखा तथा आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। संयुक्त कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिक से अधिक युवाओं का पंजीयन सुनिश्चित करते हुए उनकी सक्रिय सहभागिता के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएं। साथ ही कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सौीय एवं दायित्वों का समयबद्ध एवं व्यवस्थित ढंग से निर्वहन करने पर जोर दिया गया।

बैठक में कार्यक्रम की आयोजन तिथि एवं समय में परिवर्तन करते हुए युवा उत्सव का आयोजन 30 अक्टूबर 2026 को प्रातः 11:00 बजे निर्धारित किया गया। इसके साथ ही प्रतिभागियों को आयोजन स्थल तक पहुंचाने में होने वाली असुविधा को कम करने के उद्देश्य से यात्रा एवं परिवहन व्यवस्था को सुगम बनाने के संबंध में भी चर्चा की गई।

संयुक्त कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने तथा युवा उत्सव को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के निर्देश दिए।

प्रयास आवासीय विद्यालयों में कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु चतुर्थ काउंसलिंग की चयन सूची जारी

मोहला, (निप्र)। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजनांतर्गत संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु चतुर्थ काउंसलिंग में प्राप्त आवेदनों के आधार पर मेरिट क्रम में चयन सूची जारी कर दी गई है। चयन सूची विभागीय वेबसाइट पर प्रदर्शित की गई है। विद्यार्थी वेबसाइट के माध्यम से चयन सूची का अवलोकन कर सकते हैं। चयनित छात्र-छात्राओं को अपने आवंटित प्रयास आवासीय विद्यालय में 30 अक्टूबर 2026 तक अनिवार्य रूप से प्रवेश लेना होगा। प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक दस्तावेजों के साथ संबंधित विद्यालय में उपस्थित होना होगा।

प्रवेश के लिए कक्षा 8वीं में प्रथम श्रेणी अर्थात 60 प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण अंकसूची, पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी नक्सल पीडित प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र तथा लागू होने की स्थिति में विशेष पिछड़ी जनजाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। इसके अतिरिक्त, प्रवेश की पात्रता होने पर दो दिवस के भीतर जिला शिक्षा अधिकारी से प्रतिहस्ताक्षरित स्थानांतरण प्रमाण पत्र (टीसी) तथा जिला चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी सिकल सेल जांच प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करना होगा।

निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, चयनित विद्यार्थियों को आवंटित प्रयास आवासीय विद्यालय में ही प्रवेश लेना होगा। चयनित विद्यालय में संस्था परिवर्तन की अनुमति नहीं होगी। अतः सभी चयनित छात्र-छात्राएं विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध चयन सूची का अवलोकन कर निर्धारित तिथि तक आवश्यक दस्तावेजों सहित प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

सुरक्षित बचपन अभियान के तहत स्कूली बच्चों में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

बेमेतरा (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के आदेशानुसार एवं माननीय अध्यक्ष/प्रधान जिला न्यायाधीश श्रीमती सरोज नंद दास के मार्गदर्शन में जिले में ‘सुरक्षित बचपन अभियान’ का संघन संचालन किया जा रहा है। अभियान का शुभारंभ 10 अक्टूबर 2026 को किया गया था। इसके प्रथम चरण के अंतर्गत 26 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक जिले के विद्यालयों में एक सप्ताह का विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती स्वर्णलता ओम यादव, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी शुभम नामदेव, अतिरिक्त द्वितीय न्यायाधीश कु. प्रज्ञा वैष्णव, अतिरिक्त तृतीय न्यायाधीश तथा अतिरिक्त चतुर्थ न्यायाधीश कु. ज्योति शर्मा की उपस्थिति में आज जिले के प्रमुख विद्यालयों में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। अभियान अंतर्गत सरस्वती शिशु मंदिर बेमेतरा, इंडियन पब्लिक स्कूल बेमेतरा, शासकीय हाई स्कूल कोबिया, एम्बो पब्लिक स्कूल बेमेतरा, ज्ञानोदय पब्लिक स्कूल बेमेतरा एवं स्वामी आत्मानंद हिन्दी उत्कृष्ट कन्या विद्यालय बेमेतरा में शिविर आयोजन किया गया। शिविर में विद्यार्थियों को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉवसे एक्ट) के तहत जनकारी दी गई। इस अभियान की मुख्य थीम ‘मेरा बचपन – मेरा अधिकार’ रही।

कलेक्टर जनदर्शन में सुनी गई आम लोगों की समस्याएं, हुआ निराकरण

अपर कलेक्टर वैद्य ने जनदर्शन में हितग्राहियों को प्रदान किया श्रवण यंत्र बालोद (निप्र)। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार संयुक्त कलेक्टर सुरेंद्र प्रसाद वैद्य ने आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिले के विभिन्न स्थानों से पहुँचें लोगों से मधुर एवं आत्मीय बातचीत कर उनकी मांगों एवं समस्याओं की जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को तलब कर आवेदकों के मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। जनदर्शन में आज गुरूर विकासखण्ड के ग्राम नैकुरा के आनंदराम पोया, गुंजरदेही विकासखण्ड के ग्राम राहुद की श्रीमती सुष्मा बाई एवं गुरूर विकासखण्ड के ग्राम अरमरीकला के पुर्णिमा बाई ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का लाभ दिलाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किए।

जरमनप्रीत ने संन्यास की अटकलों को नकारा



नई दिल्ली। भारतीय हॉकी डिफेंडर जरमनप्रीत सिंह ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के बाद उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है, हालांकि ऐसी खबरें हैं कि हॉकी इंडिया 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारियों के तहत चार वरिष्ठ खिलाड़ियों को चरणबद्ध तरीके से टीम से बाहर करने की तैयारी कर रही है। जरमनप्रीत का नाम उन चार खिलाड़ियों की सूची में शामिल होना है जिन्हें टीम से बाहर किया जा सकता है, यह एक आश्चर्य की बात है, क्योंकि कई पूर्व खिलाड़ियों का मानना था कि 30 वर्षीय खिलाड़ी ने कम से कम लॉस एंजिल्स ओलंपिक तक खेलने के लिए पर्याप्त प्रदर्शन किया है।

विंग-बैक के रूप में उन्होंने अपनी भूमिका में भारत के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में से एक के रूप में अपनी पहचान बनाई है, जो उच्च प्रश्रिरम, आक्रामक

जर्मनप्रीत का मूल्य

जारमनप्रीत को लॉस एंजिल्स ओलंपिक तक टीम में बनाए रखने का उनका दावा उस भूमिका से और मजबूत होता है जिसे उन्होंने अपने पूरे करियर में बखूबी निभाया है। भारत ने विंग-बैक के तौर पर कई अन्य खिलाड़ियों को आजमाया है, लेकिन 30 वर्षीय जारमनप्रीत की कार्यकुशलता, आक्रमण में योगदान और रक्षात्मक कौशल का मेल कुछ ही खिलाड़ी कर पाए हैं। इन्हीं खुबियों के चलते वे मुख्य कोच फ्रेंग फुल्टन के पसंदीदा खिलाड़ी बन गए थे और जारमनप्रीत का नाम अक्सर टीम में शीर्ष पर होता था। पिच के दोनों छोर पर योगदान देने की उनकी क्षमता ने उन्हें भारतीय टीम का अहम हिस्सा बना दिया है, और इसी वजह से उन्हें टीम से बाहर करने की संभावना पूर्व खिलाड़ियों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। जारमनप्रीत ने 171 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और वह पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के अहम सदस्य थे। उनके नाम दो एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक भी हैं, क्योंकि वह 2022 और 2026 में खिताब जीतने वाली टीमों का हिस्सा थे। अर्जुन पुरस्कार विजेता का मानना है कि एक डिफेंडर के रूप में उनका विकास जारी है और वह अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को समाप्त करने के बजाय उन सुधारों को आगे बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने अपने रक्षात्मक कौशल को बेहतर बनाने, अच्छे अवसर पैदा करने और टीम के प्रदर्शन में योगदान देने की कोशिश की है। मैं एक डिफेंडर के रूप में अपनी जिम्मेदारियों पर काम करना जारी रखूंगा और आगे सुधार करने का प्रयास करूंगा। '

क्षमता और रक्षात्मक अनुशासन का बेहतरीन संयोजन प्रस्तुत करते हैं।

पेरिस ओलंपिक में भारत को कांस्य पदक दिलाने वाली टीम के सदस्य रहे इस डिफेंडर ने पीटीआई को बताया कि वह भारत के लिए खेलना जारी रखना चाहते हैं और लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं। जरमनप्रीत, मनदीप सिंह, अमित रोहिदास और नीलाकांता शर्मा सहित कई वरिष्ठ खिलाड़ी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के लिए अपना अंतिम मैच खेल सकते हैं। 'मैं खेलना जारी रखना चाहता हूं और लॉस एंजिल्स ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। मैं टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता हूं,' जरमनप्रीत ने पीटीआई को बताया। हॉकी इंडिया कथित तौर पर लॉस एंजिल्स 2028 को ध्यान में रखते हुए टीम में धीरे-धीरे बदलाव करने की योजना बना रही है।

जर्मनप्रीत की नज़रें अधिनियम के शीर्षक पर हैं

पांच बार की चैंपियन और एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम भारत इस टूर्नामेंट में प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। लेकिन जरमनप्रीत ने आत्मविश्वास में कमी न आने की चेतावनी देते हुए कहा कि एशियाई खेलों में हालिया सफलता के बावजूद टीम को हर मैच में उतनी ही तीव्रता से खेलना होगा। उन्होंने कहा, 'हमने हाल ही में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता है, और हम यहां भी अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। लेकिन हम किसी भी टीम को हल्के में नहीं ले सकते, हालांकि भारत हॉकी में एक मजबूत टीम है। ' उन्होंने आगे कहा, 'हम पूरी ताकत के साथ खेल रहे हैं और एशिया की नंबर एक टीम हैं, लेकिन हम किसी भी प्रतिद्वंदी को कम नहीं आंकेगे। हम टूर्नामेंट में एक-एक मैच पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

आईपीएल 2027 से पहले सीएसके ने उठाया बड़ा कदम एल्बी मोर्कल को सौंपी अहम जिम्मेदारी



नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स यानी सीएसके ने बड़ा ऐलान किया है। कभी अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और शानदार गेंदबाजी से चर्चा के मैदान पर टीम की कई जीतों में अहम यादगार देने वाले साउथ अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर एल्बी मोर्कल को अपने साथ जोड़ा है। एल्बी मोर्कल छ्र्च में अब कोचिंग की भूमिका में नजर आएंगे। चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2027 से पहले मोर्कल को अपना असिस्टेंट कोच नियुक्त किया है। टीम के नए हेड कोच पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान हैं। उन्हें हाल ही में इस पद पर नियुक्त किया गया। मोर्कल आईपीएल के पहले सीजन यानी 2008 से ही चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े रहे हैं। वह 2013 तक इस फ्रेंचाइजी के लिए खेले और इस दौरान टीम के अहम खिलाड़ियों में शामिल रहे। उन्होंने सीएसके की जर्सी में कुल 92 मुक़ाबले खेले। इस दौरान टीम ने 2010 और 2011 में लगातार दो बार आईपीएल खिताब जीते।

आईसीसी इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान के स्वचाड का ऐलान विकेटकीपर-बल्लेबाज को मिली टीम की कमान

पाकिस्तान क्रिकेट को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी PCB ने आईसीसी वूमेन्स इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी के लिए अपने स्वचाड का ऐलान कर दिया है। 29 साल की विकेटकीपर -



बल्लेबाज मुनीबा अली पाकिस्तान की नियमित कप्तान फातिमा सना की गैरमौजूदगी में टीम की कमान संभालेंगी। फातिमा सना वूमेन्स बिग बैश लीग में शिरकत करने के कारण आईसीसी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगी। इस साल दूसरी बार संभालेंगी टीम की कमान - इस साल यह दूसरा मौका है जब मुनीबा, सना की जगह कप्तान की भूमिका निभाएंगी। जुलाई में श्रीलंका दौरे के दौरान, जब सना द हंड्रेड टूर्नामेंट में बर्मिंघम फोनिक्स के लिए खेल रही थीं, तब मुनीबा ने ही पाकिस्तान टीम की कप्तानी की थी। व्यक्तिगत कारणों से एशियन गेम्स में न खेल पाने के बाद मुनीबा अली अब वूमेन्स इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी में वापसी करेंगी। 2025 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद पाकिस्तान पहली बार इसमें हिस्सा लेगा।

आयशा जफर को बनाया गया उप-कप्तान -बल्लेबाज आयशा जफर को टीम का उप-कप्तान बनाया गया है, जबकि एशियन गेम्स में खेलने वाली टीम से ऑलराउंडर आलिया रियाज और तेज गेंदबाज हुमना बिलाल को बाहर कर दिया गया है। सना के अलावा, 14 सदस्यीय टीम वही है जो एशियन गेम्स से पहले वूमेन्स एशिया कप में खेली थी।

अभिषेक शर्मा ने की सूर्यकुमार यादव की बराबरी

टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में अभिषेक शर्मा ने सूर्यकुमार यादव, फिल साल्ट जैसे बल्लेबाजों की बराबरी कर ली है। इन सभी ने टी20 इंटरनेशनल में 4-4 शतक लगाए थे। वहीं अभिषेक भी अब तक 4 शतक लगा चुके हैं। अब इस लिस्ट में अभिषेक सिर्फ ग्लेन मैक्सवेल और रोहित शर्मा से पीछे हैं। इन दोनों ने टी20 इंटरनेशनल में 5-5 शतक लगाए हैं। अभिषेक जल्द ही इन दोनों बल्लेबाजों के इस रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं।

मेंस टी-20 में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज

5- ग्लेन मैक्सवेल
5- रोहित शर्मा
4- करणवीर सिंह
4- फिल साल्ट
4- सूर्यकुमार यादव
4- अभिषेक शर्मा

डेरिल मिचेल ने खेली 89 रनों की नाबाद पारी

न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी की बात करें तो टीम का पहला विकेट दूसरे ओवर में गिरा। जब टिम सीफर्ट सिर्फ 2 रन बनाकर अर्शदीप सिंह की गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद फिन एलन और डेरिल मिचेल ने संभलकर खेलते हुए दूसरे विकेट के लिए 86 रन जोड़े। एलन 40 रन बनाकर नीतीश रेड्डी का शिकार बने। अपना 100वां टी20 मैच खेल रहे ग्लेन फिलिप्स भी 17 रन बनाकर अक्षर पटेल की गेंद पर आउट हो गए। मुश्किल वक्त में मिचेल का साथ देने बेवन जैकब्स आए और दोनों ने मिलकर चौथे विकेट के लिए 75 रनों की शानदार और नाबाद साझेदारी की।



अभिषेक शर्मा ने लगाया शानदार शतक

न्यूजीलैंड के 198 रनों के जवाब में भारत ने शुरुआत से ही तूफानी बल्लेबाजी की। पारी की शुरुआत करने आए युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी ने बेहद आक्रामक अंदाज में खेलते हुए सिर्फ 19 गेंदों पर 45 रनों की धमाकेदार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 4 चौके और इतने ही छक्के लगाए। उनका साथ दे रहे अभिषेक शर्मा ने तो

अभिषेक ने जड़ा तूफानी शतक

वेलिंग्टन। वेलिंग्टन में खेले गए तीसरे टी20 मैच में भारत ने न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया इस सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर चुकी है। अब यहां से टीम इंडिया की नजरें क्लीन स्वीप पर होंगी। इस मैच में न्यूजीलैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 198 रन बनाए थे। 199 रन के टारगेट को भारत ने अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर 13.2 ओवर (80 गेंदों) में आसानी से हासिल कर लिया।

सूर्यवंशी पर वलूजर का बड़ा बयान ‘भारत को मिल गया अगला सुपरस्टार’

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर लॉस वलूजर का मानना है कि भारतीय क्रिकेट में अगले दौर में आसानी से प्रवेश करने की क्षमता है। उन्होंने शुभमन गिल का समर्थन करते हुए कहा कि वे आने वाले कई सालों तक टीम का नेतृत्व कर सकते हैं। साथ ही, उन्होंने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भविष्य के संभावित सुपरस्टार के रूप में पहचाना है, जो विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद उनकी जगह ले सकते हैं। वलूजर ने कहा कि कोहली और रोहित के कद को देखकर भारतीय क्रिकेट को अपनी अगली पीढ़ी को अपनाने से पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस खेल ने हमेशा ऐसे खिलाड़ी दिए हैं जो अपने पूर्ववर्तियों की विरासत को आगे बढ़ाने में सक्षम रहे हैं। साउथ अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर, जो वर्तमान में अब् धावी टी10 लीग में 'अरेबियन एसेस' के मुख्य कोच हैं, ने एक कार्यक्रम के दौरान 'आईएनएस' से कहा, 'विराट और रोहित अतीत में जितने शानदार रहे हैं, एक न एक दिन उन्हें खेल से विदा लेनी ही होगी। लेकिन क्रिकेट की खूबी यही है कि यह चलता रहता है। कभी-कभी तो यह और भी मजबूत हो जाता है। जब हम खेलते थे, तो लोगों को कभी नहीं लगा था कि सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड कभी टूट पाएंगे। और अब लोग उन रिकॉर्ड्स को चुनौती दे रहे हैं। इसलिए, खिलाड़ी आते-जाते रहते हैं। यह एक दुखद दिन होता है जब आपके खेल और देश के दिग्गज खिलाड़ी संन्यास लेते हैं। लेकिन अच्छी बात यह है कि हमेशा युवा, अधिक फिट और तेज खिलाड़ी तैयार रहते हैं। ' पूर्व ऑलराउंडर ने गिल को बल्लेबाजी में एक 'असली सुपरस्टार' बताया और कहा कि इस युवा कप्तान के लिए अगली चुनौती एक लीडर



के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को भारत के प्रमुख बल्लेबाज के रूप में अपनी भूमिका से अलग रखना होगा। उन्होंने कहा, 'व्यक्तिगत रूप से, मुझे पूरा यकीन है। मुझे लगता है कि वह इस काम के लिए बिल्कुल सही व्यक्ति हैं। बल्लेबाजी में वह एक असली सुपरस्टार हैं। उनके लिए बस यह सीखना जरूरी है कि एक बल्लेबाज के रूप में शुभमन गिल और एक कप्तान के रूप में शुभमन गिल की भूमिकाओं को कैसे अलग रखा जाए। सभी बेहतरीन कप्तानों ने इन दोनों चीजों को अलग-अलग रखना सीखा है। मुझे यकीन है कि उन्हें ऐसा करने के लिए कई मौके मिलेंगे और कई लोग होंगे जो उनकी मदद करेंगे, लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि बल्लेबाजी में वह बेहतरीन हैं। और कप्तानी की बात करें तो, अनुभवी कप्तानों को भी हमेशा कुछ न कुछ नया सीखना पड़ता है। उनके साथ भी ऐसा ही होगा। इसलिए, मैं उनके लिए बहुत उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि वह एक सुपरस्टार हैं। उम्मीद है कि वह आने वाले कई सालों तक बहुत साहस और एक बड़े मकसद के साथ भारत के लिए खेलेंगे। ' गिल का एक लीडर के रूप में सामने आना ऐसे समय में हुआ है जब भारत कोहली और रोहित के बाद की तैयारी कर रहा है। इन दोनों खिलाड़ियों ने एक दशक से भी ज्यादा समय तक भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। भले ही उनके संन्यास लेने से एक बड़ी कमी महसूस होगी, लेकिन वलूजर का मानना है कि इस बदलाव को खेल के एक स्वाभाविक हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि भारत की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता के लिए किसी खतरे के रूप में। उन्होंने सूर्यवंशी का उदाहरण देते हुए कहा कि भारतीय प्रतिभा की एक नई पीढ़ी पहले से ही सामने आ रही है।

न्यूजीलैंड ‘ए’ के खिलाफ तीसरा रेड-बॉल मैच खेल सकते हैं पंत

बुमराह की वापसी के आसार

नई दिल्ली। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत 7 से 10 नवंबर तक लंिकन में न्यूजीलैंड 'ए' के खिलाफ होने वाले भारत 'ए' के तीसरे रेड-बॉल मैच में खेल सकते हैं, क्योंकि समय रहते पंत के 'साइड स्ट्रेन' से उबरने की उम्मीद है। इस महीने की शुरुआत में श्रीनगर में 'रेस्ट ऑफ इंडिया' टीम की कप्तानी करते हुए जम्मू-कश्मीर के खिलाफ जीत दिलाने के दौरान पंत को बाई तरफ खिंचाव आ गया था, जिसके बाद से वे मैदान से दूर हैं। इस चोट के कारण वे दिल्ली के लिए एनजी ट्रॉफी मैच नहीं खेल पाए और न्यूजीलैंड 'ए' के खिलाफ शुरुआती दो चार-दिवसीय मैचों से भी बाहर रहे। पता चला है कि पंत बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहबे कर रहे हैं और उन्होंने हल्के स्क्रिल-आधारित अभ्यास शुरू कर दिए हैं। 'आईएनएस' को एक सूत्र ने बताया, 'पंत ठीक हो रहे हैं और अगर उन्हें फिटनेस सर्टिफिकेट मिल जाता है, तो वे भारत 'ए' के तीसरे मैच के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। अगर सब कुछ योजना के अनुसार रहा, तो वे नवंबर के शुरुआती दिनों में न्यूजीलैंड के लिए खाना हो सकते हैं। 'पंत की गैरमौजूदगी में, चयनकर्ताओं ने पहले दो चार-दिवसीय मैचों के लिए झारखंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार कुशग्र को उनकी जगह टीम में शामिल किया था। हाल ही में, जब झारखंड के कप्तान ईशान किशन को न्यूजीलैंड में टी20 सीरीज के लिए चुना गया, तब उन्हें (ईशान को) दाएं पैर के ऊपरी हिस्से (एडक्टर) में हल्की चोट लग गई थी। ऐसे में कुशग्र को कवर के तौर पर टीम में बुलाया गया। माना जा रहा है कि स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी भारत 'ए' के तीसरे रेड-बॉल मैच में खेलते नजर आ सकते हैं, जो लंिकन के बर्ट सटक्लिफ ओवल में खेला जाना

है।

बुमराह ने आखिरी बार अक्टूबर की शुरुआत में एशियन गेम्स में हिस्सा लिया था। इसके बाद, वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू व्हाइट-बॉल सीरीज और न्यूजीलैंड के मौजूदा दौरे पर उन्हें आराम दिया गया। यह भी माना जा रहा है कि तं ज गेंदबाज

प्रसिद्ध

कं षण्ट। न्यूजीलैंड दौरे पर खेलने के लिए तैयार हैं। गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए वनडे मैच के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी, जिसके बाद से वह खेल से दूर थे। पंत, बुमराह और प्रसिद्ध न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल हैं।





वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में रखी हर वस्तु का हमारे जीवन पर प्रभाव पड़ता है। इन्हीं में से एक महत्वपूर्ण वस्तु है घड़ी। यह न केवल समय दिखाने का उपकरण है, बल्कि जीवन में चल रहे समय, ऊर्जा और अवसरों का संकेत भी देती है। अगर घड़ी को सही दिशा में लगाया जाए, तो यह सौभाग्य, प्रगति और समृद्धि में सहायक बनती है, वहीं गलत दिशा में लगी घड़ी रुकावटें और नकारात्मकता ला सकती है।

1. किस दिशा में घड़ी लगाना शुभ होता है?

उत्तर दिशा- वास्तु में उत्तर दिशा को कुबेर की दिशा माना गया है, जो

धन और समृद्धि के देवता हैं। यदि घर या ऑफिस में घड़ी उत्तर दिशा में लगाई जाती है, तो यह आर्थिक प्रगति और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाती है।

पूर्व दिशा- यह दिशा सूर्य की दिशा मानी जाती है और ज्ञान, सफलता और ऊर्जा का स्रोत होती है। पूर्व दिशा में घड़ी लगाने से घर के सदस्यों में आत्मविश्वास बढ़ता है, पढ़ाई में रुचि और सफलता मिलती है। विद्यार्थियों और नौकरीपेशा लोगों के लिए यह दिशा उत्तम है।

पश्चिम दिशा- वास्तु के अनुसार यह दिशा तटस्थ मानी गई है। यदि किसी कारणवश उत्तर या पूर्व दिशा में घड़ी नहीं लगाई जा सकती, तो पश्चिम दिशा को विकल्प के रूप में चुना जा सकता है। यह दिशा संतुलन बनाए रखने में सहायक होती है।

2. किस दिशा में घड़ी लगाना अशुभ होता है?

दक्षिण दिशा- वास्तु शास्त्र के अनुसार दक्षिण दिशा यम की दिशा मानी जाती है। इस दिशा में घड़ी लगाने से जीवन में रुकावट, मानसिक तनाव, निर्णय लेने में भ्रम, स्वास्थ्य संबंधी परेशानियाँ और नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती

है। इसलिए इस दिशा से बचना चाहिए।

3. घड़ी लगाने के नियम और सावधानियां

सदैव चलती हुई घड़ी लगाएं- घर में बंद, रुकी या धीमी चलने वाली घड़ी नहीं रखनी चाहिए। यह जीवन में ठहराव, निराशा और अवसरों की हानि का प्रतीक बनती है। समय पर घड़ी को बैटरी बदलते रहें और उसे सही समय पर सेट करें।

साफ-सुथरी घड़ी रखें-घड़ी पर धूल जमना या उसका कांच टूटा होना अशुभ माना जाता है। यह सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह को रोकता है। घड़ी को नियमित रूप से साफ करें।

बेडरूम में घड़ी लगाते समय सावधानी-यदि आप अपने शयनकक्ष में घड़ी लगाना चाहते हैं, तो इसे पूर्व या उत्तर दिशा की दीवार पर लगाएं। घड़ी को सिर के पीछे की दीवार या पलंग के ठीक सामने न लगाएं।

घड़ी की आकृति और रंग-वास्तु में गोल और अष्टकोणीय घड़ी को शुभ माना गया है। आयताकार या त्रिकोणीय आकृति से परहेज करना चाहिए। घड़ी के रंग हल्के, सौम्य और सुखद भाव देने वाले हों जैसे सफेद, नीला, हरा आदि।

यह छोटी सी आदत हो सकती है आपके आर्थिक संकट का कारण, क्या आप भी करते हैं यह गलती?

हम में से कई लोग अनजाने में ऐसी छोटी-छोटी गलतियां कर बैठते हैं, जो घर में नकारात्मकता और धन के अभाव का कारण बन सकती हैं। एक ऐसी ही गलती है बिस्तर के नीचे वस्तुएं रखना। वास्तु शास्त्र के अनुसार, ये वस्तुएं घर की समृद्धि में विघ्न डाल सकती हैं। घर की सुख-शांति और समृद्धि के लिए वास्तु शास्त्र का पालन करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह केवल एक प्राचीन शास्त्र नहीं, बल्कि जीवन को एक सकारात्मक दिशा में बदलने का एक आसान और प्रभावी तरीका है। छोटे-छोटे बदलाव, जैसे कि बिस्तर के नीचे कुछ वस्तुएं न रखना, घर की ऊर्जा को सही दिशा में प्रवाहित कर सकते हैं। वास्तु के अनुसार, सही दिशा में ऊर्जा का प्रवाह न केवल आपके घर की आर्थिक स्थिति को सुधारता है, बल्कि जीवन में शांति और सुख भी लाता है।

हालांकि, हम में से कई लोग अनजाने में ऐसी छोटी-छोटी गलतियां कर बैठते हैं, जो घर में नकारात्मकता और धन के अभाव का कारण बन सकती हैं। एक ऐसी ही गलती है बिस्तर के नीचे वस्तुएं रखना, विशेषकर पैसे, आभूषण, और चाबियां। वास्तु शास्त्र के अनुसार, ये वस्तुएं घर की समृद्धि में विघ्न डाल सकती हैं। आइए जानते हैं उन तीन चीजों के बारे में, जिन्हें बिस्तर के नीचे रखना आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है।

पैसे और पर्स रखना

वास्तु के अनुसार, बिस्तर के नीचे पैसे या पर्स रखना अच्छा नहीं माना जाता है। यह आदत आर्थिक संकट को बुला सकती है, क्योंकि जब हम सोते

समय बिस्तर के नीचे पैसे रखते हैं, तो ऐसा माना जाता है कि इससे लक्ष्मी माता का आशीर्वाद दूर हो जाता है। इससे धन की आवक पर असर पड़ता है और जीवन में आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, पैसे और पर्स को हमेशा एक सुरक्षित स्थान पर रखना चाहिए, ताकि घर में समृद्धि बनी रहे।

आभूषण और कीमती चीजें

अगर आप सोने-चांदी के आभूषण या किसी कीमती चीज को बिस्तर के नीचे रखते हैं, तो यह भी वास्तु के हिसाब से ठीक नहीं है। इस आदत से घर में नकारात्मकता और तनाव बढ़ सकता है। आभूषणों को तिजोरी या किसी सुरक्षित स्थान पर रखना चाहिए, ताकि धन और सुख की देवी, मां लक्ष्मी का आशीर्वाद आपके घर पर बना रहे। बिस्तर के नीचे गहनों को रखना घर में बाधाओं का कारण बन सकता है, जिससे जीवन में परेशानियाँ आ सकती हैं।

चाबियां रखना

बहुत से लोग अपनी घर, कार या तिजोरी की चाबियां बिस्तर के नीचे रखते हैं, लेकिन वास्तु के अनुसार, यह आदत भी गलत है। चाबियां बिस्तर के नीचे रखने से घर में आर्थिक समस्याएं आ सकती हैं। ऐसा माना जाता है कि इससे धन की कमी और वित्तीय संकट बढ़ सकता है। इसलिए, चाबियों को हमेशा एक सुरक्षित और उपयुक्त स्थान पर रखें, ताकि घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहे।



वास्तु नियम के अनुसार किस दिशा में सिर करके सोना चाहिए



वास्तु शास्त्र के अनुसार, सोने की दिशा का हमारे स्वास्थ्य, मानसिक शांति और समृद्धि पर गहरा प्रभाव पड़ता है। सही दिशा में पैर करके सोने से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है, बल्कि मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा भी प्राप्त होती है। वास्तु शास्त्र का विज्ञान इस बात पर आधारित है कि पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र हमारे शरीर पर कैसा प्रभाव डालता है। जब हम सही दिशा में सोते हैं, तो हमारे शरीर का ऊर्जा संतुलन बना रहता है, जिससे स्वास्थ्य और मन:शांति में सुधार होता है। सही दिशा में सोने से तनाव में कमी, सकारात्मक ऊर्जा की वृद्धि, और बेहतर नींद प्राप्त होती है।

दक्षिण दिशा में पैर करके सोना

दक्षिण दिशा के स्वामी यम देवता होते हैं। चुंबकीय सिद्धांत के अनुसार पश्चिम दिशा में सिर करके सोना अच्छा माना जात है। वहीं वास्तु शास्त्र में शयन के लिए दक्षिण दिशा को सर्वोत्तम माना गया है। इसके अनुसार सिर को दक्षिण और पैर को उत्तर दिशा में रखकर सोने से शरीर में ऊर्जा का प्रवाह संतुलित रहता है। यह दिशा पृथ्वी के चुंबकीय प्रभाव के साथ सामंजस्य रखती है और इसलिए, इस दिशा में सोने से मन में शांति बनी रहती है, तनाव में कमी आती है, और गहरी नींद आती है। जो लोग अनिद्रा या थकान की समस्या से परेशान रहते हैं, उन्हें दक्षिण दिशा में सोने की सलाह दी जाती है।

पूर्व दिशा में पैर करके सोना

वास्तु के अनुसार, पूर्व दिशा में सिर और पश्चिम दिशा में पैर करके सोने से मानसिक शक्ति और एकाग्रता में वृद्धि होती है। पूर्व दिशा ज्ञान और सफलता की दिशा मानी जाती है, इसलिए विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं, और उन लोगों के लिए यह दिशा लाभकारी मानी जाती है, जिन्हें अपने कार्य में मानसिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है। यह दिशा याददाश्त में सुधार और सृजनात्मकता को बढ़ावा देती है।

उत्तर दिशा में पैर करके सोने के नुकसान

वास्तु शास्त्र में उत्तर दिशा में सिर रखकर सोना अत्यधिक हानिकारक माना गया है। यह दिशा चुंबकीय प्रभाव के कारण मस्तिष्क पर नकारात्मक प्रभाव डालती है और इससे सिरदर्द, थकान, और मानसिक तनाव की समस्या हो सकती है। इस दिशा में सोने से शरीर की ऊर्जा असंतुलित होती है और गहरी नींद में भी बाधा आती है। इसलिए, वास्तु शास्त्र उत्तर दिशा में सोने की मनाही करता है।

क्या कहते आपके सितारे

	मेघ	पूर्व दिनों की अपेक्षा दिन बहुत ही अच्छा रहेगा। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त होगा। मीडिया से जुड़े लोगों की प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। विवाह आदि मांगलिक कर्म में आ रही बाधा दूर हो सकती है। व्यवसाय में बड़ा फेरबदल कर सकते हैं। छोटे भाई-बहनों की मदद करनी पड़ेगी।
	वृषभ	आज पूरा दिन उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। प्रत्येक समस्या का समाधान कुशलता से कर लेंगे। नकारात्मक विचारों को स्वयं पर हावी न होने दें। किसी की सहायता करने से आपको मदद मिलेगी। पहले दिया गया उधार आपको वापस मिल सकता है। उच्च शिक्षा में सफलता प्राप्त होने के आसार हैं।
	मिथुन	कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन उत्कृष्ट रहने वाला है। नयी तकनीक का प्रयोग आप सीख सकते हैं। जिम्मेदारी के साथ सभी काम करेंगे जिसका सुखद परिणाम आपको प्राप्त होगा। फोन के माध्यम से आपको शुभ समाचार मिलने के योग बन रहे हैं।
	कर्क	आज अत्यधिक काम के कारण आपको आराम नहीं मिलेगा जिसके कारण थकान महसूस हो सकती है। जल्दबाजी में कोई बड़ा निर्णय न लें। मित्रों के स्वभाव में आया अचानक बदलाव आपको दुखी कर सकता है। अपनी गुप्त बातें किसी से शेयर न करें। भारी सामान उठाने से बचें।
	सिंह	आपकी व्यावसायिक योजना सफल होगी। आपकी मनोकामना पूर्ण हो सकती है। सम्पत्ति के मामले आज हल होने की सम्भावना है। रिश्तेदारों से साथ आपके सम्बन्ध मधुर होंगे। लोग आपकी बातों से प्रभावित रहेंगे। वैवाहिक जीवन में प्रेम भाव बढ़ेगा।
	कन्या	आज आप कुछ नया सीखने को लेकर उत्सुक रहेंगे। सामाजिक यश और सम्मान प्राप्त होगा। किसी मित्र से बहस हो सकती है। आपको मेहनत का उचित परिणाम आज शायद ही मिले। इसीलिए आपको धैर्यवान होकर ही सारे काम करने चाहिये।
	तुला	आज धन लाभ के बेहतरीन अवसर मिल सकते हैं। परिवार के सभी सदस्य आपसे प्रसन्न रहेंगे। सन्तान की सफलता से उत्साहित हो सकते हैं। व्यापार में महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। बच्चों की सफलता से गौरवान्वित महसूस करेंगे।
	वृश्चिक	आपके कुछ काम बिगड़ सकते हैं। प्रेम सम्बन्धों में ज्यादा भावुक नहीं होना चाहिये। कानूनी मामलों को लेकर थोड़े सावधान रहें। गलत प्रवृत्ति के लोगों के साथ सम्पर्क न रखें। पेट में कुछ विकार उत्पन्न हो सकते हैं। अभिनय और संगीत आदि में रुचि लेंगे।
	धनु	सामाजिक कार्यों में आप भाग लेंगे। विरोधियों के ऊपर भारी पड़ेगे। नयी जाँब की तलाश कर रहे हैं तो सफलता मिलेगी। शेयर मार्केट से धन लाभ प्राप्त होगा। लघु उद्योगों में आपको सफलता मिलेगी। तीर्थ यात्रा की योजना बना सकते हैं।
	मकर	आपकी सूझबूझ की सर्वत्र प्रशंसा होगी। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। व्यापार में आपको शानदार परिणाम मिलेंगे। बच्चों के साथ अपना व्यवहार अच्छा रखें। आपकी सलाह से लोगों को लाभ प्राप्त होगा। रुका हुआ धन आपको वापस मिलेगा।
	कुंभ	कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन बेहतरीन होगा। आपको मेहनत के दम पर उत्तम सफलता मिलने की सम्भावना है। परिजनों के साथ बहस हो सकती है। क्रोध और गुस्से के कारण आपको परेशानी होगी। अपने विचारों को दूसरों पर न लादें। अपने मन पसन्द कार्यों को समय अवश्य दें।
	मीन	वैवाहिक सम्बन्धों में मधुरता रहेगी। विद्यार्थी नयी जानकारीयों को सीखने का प्रयास करेंगे। ज्यादा मेहनत करने के कारण शरीर में थकावट हो सकती है। आज आपके पास काम की अधिकता रहेगी। अधिकारियों का विरोध झेलना पड़ सकता है। मित्रों की मदद से आपको कोई योजना सफल होगी।

पश्चिम दिशा में सोने के नुकसान

वास्तु शास्त्र के अनुसार पश्चिम दिशा की तरफ सिर करके सोने को अच्छा नहीं माना जाता। इस दिशा में सोने से पृथ्वी की चुंबकीय शक्ति का प्रभाव व्यक्ति को खिलाफ होता है। इसके अलावा ज्योतिष में पूर्व दिशा के स्वामी सूर्यदेव होते हैं जो सिर के कारक और पश्चिम दिशा के स्वामी शनि देव जो पैरों का कारक माने जाते हैं। सूर्य और शनि का संबंध पिता-पुत्र का होता है, लेकिन ये इनमें आपस में शत्रुता का भाव रहता है। पश्चिम दिशा जो कि शनि की दिशा मानी जाती है ऐसे में सिर करके सोने से मानसिक रोग, कष्ट, चिंता और रोग प्राप्त होते हैं। वहीं अच्छी सेहत, नींद और एकाग्रता के लिए दक्षिण या फिर पूर्व दिशा की

